



Daily

# THE PHOTON NEWS

द फोटोन न्यूज Published from Ranchi

सच के हक में...



## SARAFI

सोना : 6,850  
चांदी : 89.50  
(नोट : सोना 22 केरट प्रति ग्राम)

## BRIEF NEWS

## पाकिस्तान में शिक्षा आपातकाल घोषित

**ISLAMABAD :** पाकिस्तान ने रविवार को अंतरराष्ट्रीय साक्षरता दिवस के अवसर पर देश में स्कूलों से वंचित 2.60 करोड़ बच्चों को शिक्षित करने के इरादे से 'शिक्षा आपातकाल' की घोषणा की। सरकारी एसोसिएटेड प्रेस ऑफ पाकिस्तान की खबर के मुताबिक प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने इस कदम की घोषणा की और निजी क्षेत्र तथा नागरिक संगठनों से सरकार का सहयोग करने का आग्रह किया। पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) नेता शहबाज (72) ने शिक्षा एजेंडे की आगे बढ़ाने तथा सूचना के मामले में सबल एवं टिकाऊ राष्ट्र के लिए प्रयास करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

## मगध एक्स. दो हिस्सों में बंटी, हादसा टला



**BUXAR :** बक्सर के पास दुर्गम रेलवे स्टेशन पर रविवार को एक रेल हादसा हुआ, जब दिल्ली से पटना जा रही 20802 ड्राउन मगध एक्सप्रेस अचानक दो हिस्सों में बंट गई। इस घटना से यात्रियों में हड़कंप मच गया। लोको पायलट ने तुरंत ट्रेन की रोक, जिससे एक बड़ी दुर्घटना होने से टल गई। घटना सुबह लगभग 11.15 बजे की है, जब ट्रेन डुमराय रेलवे स्टेशन से निकलकर दुर्गम रेलवे स्टेशन पर पहुंची। ट्रेन की कॉपलिंग टूट जाने के कारण स्लीपर बोगियों एस-6 और एस-7 के बीच से ट्रेन दो हिस्सों में विभाजित हो गई। शुक की बात यह रही कि उस समय उस जोड़ के आसपास कोई यात्री मौजूद नहीं था, जिससे कोई जनहानि नहीं हुई।

## टीएमसी सांसद ने की इस्तीफे की घोषणा



**KOLKATA :** कोलकाता, आठ सितंबर (भाषा) तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के सांसद जवाहर सरकार ने रविवार को पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री एवं पार्टी सुप्रीमो ममता बनर्जी को पत्र लिखकर कहा कि उन्होंने राज्यसभा की सदस्यता तथा राजनीति छोड़ने का फैसला किया है। उन्होंने आरोपी कर अस्पताल की चिकित्सक से कथित बलात्कार व उसकी हत्या के मामले में राज्य सरकार द्वारा उठाये गए कदम को 'अपराधी और काफ़ी दूर से उठाया गया बताया है। पत्र में, जवाहर सरकार ने कहा कि राज्य सरकार से उनका मोहभंग हो गया है, क्योंकि ऐसा लगता है कि राज्य सरकार भ्रष्टाचार और नेताओं के एक वर्ग के बग प्रयोग की रणनीति के प्रति बिल्कुल भी चिंतित नहीं है।

## राजनाथ सिंह ने कहा-पीओके भारत में हो जाए शामिल पाक से बात करने को तैयार, पर पहले रोके आतंकवाद : रक्षा मंत्री

### भाजपा प्रत्याशी के समर्थन में रामबन विस क्षेत्र में चुनावी रैली को किया संबोधित

JAMMU (BHASHA) :

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को रामबन जिले के बनिहाल सीट से भाजपा उम्मीदवार मोहम्मद सलीम भट के समर्थन में एक चुनावी रैली को संबोधित किया। इस दौरान रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने सिंह ने कहा कि अगर पाकिस्तान जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद बंद कर दे तो भारत उसके साथ बातचीत शुरू करने के लिए तैयार है। जम्मू-कश्मीर को विशेष दर्जा देने वाले अनुच्छेद 370 को लोगों की परेशानी दूर करने और क्षेत्र को समृद्ध बनाने के लिए हटाया गया है। उन्होंने कहा, 'पाकिस्तान एक काम करे कि आतंकवाद का समर्थन करना बंद कर दे। कौन पड़ोसी देशों के साथ संबंध सुधारना नहीं चाहेगा? क्योंकि मैं इस हकीकत को जानता हूँ कि आप दोस्त तो बदल सकते हैं



राजनाथ सिंह का स्वागत करते स्थानीय नेता

पीटीआई

लेकिन पड़ोसी नहीं। हम पाकिस्तान के साथ बेहतर संबंध चाहते हैं, लेकिन सबसे पहले उन्हें आतंकवाद बंद करना चाहिए। 'रक्षा मंत्री ने कहा कि जब पाकिस्तान जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद को प्रयोजित करना बंद कर देगा तो भारत उसके साथ बातचीत शुरू कर देगा।

**आतंकवाद की भेंट चढ़ने वालों में 85 प्रतिशत मुसलमान :** सिंह ने कहा, 'जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद की भेंट चढ़ने वालों में 85 प्रतिशत मुसलमान थे। कश्मीर में आतंकवादी घटनाएं आम बात थी। क्या आतंकवादी घटनाओं में हिंदू मारे जा रहे थे? मैं गृह मंत्री रह चुका हूँ और मुझे पता है कि

### 'पीओके के वासियों को पाकिस्तान मानता विदेशी'

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) के निवासियों से भारत में शामिल होने के लिए कहा। उन्होंने कहा, हम आपको अपना मानते हैं, जबकि पाकिस्तान आपको विदेशी मानता है। भाजपा उम्मीदवार राकेश सिंह ठाकुर के समर्थन में रामबन विधानसभा क्षेत्र में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि अगस्त 2019 में अनुच्छेद 370 को हटाए जाने के बाद से जम्मू-कश्मीर में समग्र सुरक्षा स्थिति में व्यापक बदलाव आया है।

### 370 को बहाल करना असंभव

वरिष्ठ भाजपा नेता ने अनुच्छेद 370 को बहाल करने के चुनावी वादे को लेकर नेशनल कॉन्फ्रेंस-कांग्रेस गठबंधन पर तीखा हमला बोला और कहा कि जब तक भाजपा है, यह असंभव है। उन्होंने कहा कि अगस्त 2019 से जम्मू-कश्मीर में समग्र सुरक्षा स्थिति में देखे गए बड़े बदलाव का मतलब है कि अब युवा पिस्तौल और रिवाल्वर के बजाय अपने हाथों में लैपटॉप और कंप्यूटर लेकर चलते हैं। उन्होंने कहा कि अब कोई भी श्रीनगर में लोगों पर गोलियां चलाने की हिम्मत नहीं करता।

जम्मू-कश्मीर में अगली सरकार बनाने के लिए भाजपा का समर्थन करने की अपील की।

## गुजरात के कच्छ में अज्ञात बुखार से 12 लोगों की मौत

### मरने वालों में बारह वर्ष से कम आयु के चार बच्चे भी शामिल

**BHUJ (BHASHA) :** गुजरात के कच्छ जिले के लखपत तालुका में भारी बारिश के कारण 12 लोगों की मौत हो गई, जिनमें 12 वर्ष से कम उम्र के चार बच्चे भी शामिल हैं। अधिकारियों ने रविवार को कहा कि मौत का कारण प्राथमिक रूप से न्यूमोनोइटिस प्रतीत होता है। कुछ स्थानीय जिला पंचायत सदस्यों ने हालांकि कहा कि डॉक्टर बुखार का सही निदान नहीं कर पाए हैं, जिससे सांस लेने में भी कठिनाई हो रही है। कच्छ के कलेक्टर अमित अरोड़ा ने कहा कि पाकिस्तान की सीमा के निकट स्थित इस तालुका में चिकित्सा सेवाएं बढ़ा दी गयी हैं।

- स्थानीय लोगों का दावा मरने वालों में पांच से 50 वर्ष आयु वर्ग के लोग
- मरीजों में दिख रहे बुखार सर्दी-खांसी और निमोनिया के लक्षण
- डॉक्टर नहीं कर पा रहे बीमारी का सटीक इलाज

शामिल हैं।' कच्छ जिला पंचायत सदस्य मीनाबा जडेजा ने गुजरात कांग्रेस प्रमुख शक्ति सिंह गौहिल को लिखे पत्र में दावा किया कि लखपत तालुका के बेखदा, सानादो, मोरगर और भरवध गांवों में बुखार के कारण तीन से नौ सितंबर के बीच 5-50 आयु वर्ग के 12 लोगों की मौत हो गई है। लखपत पंचायत के पूर्व सदस्य हुसैन रायमा ने कहा, 'बुखार से पीड़ित लोगों को पहले लखपत तालुका के वर्मानगर करबे के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। फिर उन्हें दयापार सीएचसी और अंत में भुज जनरल अस्पताल ले जाया गया। एक मरीज को अहमदाबाद भेजा गया। मरीज बुखार से उबर नहीं पाया और उसकी मौत हो गयी।' निवासियों के अनुसार, मरीजों को बुखार, सर्दी, खांसी, निमोनिया था और उन्हें सांस लेने में कठिनाई हो रही थी, जबकि एक अन्य जिला पंचायत सदस्य ममद जंग जाट ने कहा कि डॉक्टर बीमारी का सटीक निदान नहीं कर पाए हैं।



प्रतीकालक तस्वीर

## हरियाणा में 'आप' ने मिलाया कांग्रेस से हाथ, पांच सीटें मिलीं

**CHANDIGARH :** हरियाणा विधानसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस और आम आदमी पार्टी के बीच सीट समझौते पर सहमति बन गई है। दोनों दल लोकसभा चुनाव की तर्ज पर विधानसभा चुनाव भी साथ मिलकर लड़ेंगे। आम आदमी पार्टी हरियाणा में पांच विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ने पर सहमति बनी है। संभावना है कि गठबंधन का एलान सोमवार को हो सकता है। शनिवार के बाद रविवार को भी हरियाणा कांग्रेस के प्रभारी

दीपक बाबरिया और आप नेता राघव चड्ढा के बीच बैठक हुई। सूत्रों का दावा है कि आप 10 सीटें मांग रही थी, लेकिन कांग्रेस ने उनको इतनी सीटें देने से साफ इनकार दिया। कांग्रेस ने पांच सीटों का ऑफर दिया है, जिस पर आप ने सहमति जताई है। सूत्रों का दावा है कि इन सीटों पर पंजाब के साथ लगी पिछोवा, कलायत, जॉर्ड और एससीआर में गुरुग्राम, ओल्ड फरीदाबाद और पानीपत ग्रामीण देने पर सहमति बनी है।

## राज्यपाल से मिले सीएम, कहा-'मणिपुर की अखंडता की रक्षा के लिए कदम उठाए केंद्र'

**IMPHAL :** मणिपुर में हिंसा की एक नई लहर के बीच मुख्यमंत्री एन.बीरेन सिंह ने रविवार को केंद्र से राज्य की क्षेत्रीय अखंडता को सुरक्षित रखने के लिए कदम उठाने का आग्रह किया। उन्होंने यह भी कहा कि केंद्र को कुकी जो समूहों की अलग प्रशासन की मांग पर ध्यान नहीं देना चाहिए। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। मुख्यमंत्री ने राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य को सौंपे गए एक ज्ञापन में ये अपील की। उन्होंने



मुख्यमंत्री एन.बीरेन सिंह

कई विधायकों और विधानसभा अध्यक्ष के साथ राजभवन में राज्यपाल से मुलाकात की। सिंह ने ज्ञापन में कहा कि केंद्र को मणिपुर

## व्यापारियों की जमात व विपक्ष मेरे खिलाफ रच रहा षडयंत्र : हेमंत सोरेन

RAJESHWAR PANDEY@CHAIBASA

व्यापारियों की जमात और विपक्ष मेरे खिलाफ हमेशा की तरह अब भी षडयंत्र रच रहा है। मुझे जनता के लिए काम करने नहीं दिया जा रहा है। ये बातें मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने रविवार को कहीं। सोरेन पश्चिम सिंहभूम जिले के युवा गोलीकांड की बरसी पर शहीद हुए आंदोलनकारियों को श्रद्धांजलि दी। इसके बाद सेल फुटबाल मैदान में आयोजित सरकारी कार्यक्रम में जनसभा को संबोधित किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमें विपक्ष षडयंत्र के तहत मुझे जेल में डाल दिया, लेकिन राज्य के तमाम आदिवासियों-मूलवासियों ने एकजुटता के साथ विपक्ष को ऐसा जवाब दिया कि लोकसभा चुनाव में इनकी सीटें घट गईं। आज मैं आपके सामने हूँ। सरकार बनने के बाद से ही मैं झारखंड की जनता की सेवा करने के लिए संघर्ष कर रहा हूँ। सरकार बनने के बाद कोरोना ने राज्य के विकास में बाधा डाली तो भाजपा ने उनकी सरकार को हमेशा अस्थिर करने की कोशिश की, लेकिन इसके बावजूद उनके प्रयासों से जनता को ज्यादा से ज्यादा लाभ पहुंचाने की कोशिश की जा रही है। मंडियां सम्मान योजना से महिलाओं को लाभ मिल रहा है तो इसे बंद कराने की कोशिश में भाजपा लगी हुई है। युवा गोलीकांड के शहीदों को याद करते हुए कहा कि वीर शहीदों का बलिदान व्यर्थ नहीं जाएगा। झारखंड को विकास के मार्ग पर व बढ़ते रहेंगे।

### सीएम ने गुवा गोलीकांड के शहीदों को दी श्रद्धांजलि



गुवा में सीएम हेमंत सोरेन

### नीति निर्धारकों ने झारखंड पर नहीं दिया ध्यान

मुख्यमंत्री ने कहा कि देश- दुनिया में झारखंड की पहचान सोने की चिड़िया के रूप में है। यहां खनिज-संसाधनों की प्रचुरता है, लेकिन यहां के आदिवासी-मूलवासी आज तक पिछड़े हैं। इसकी साफ वजह है कि देश के नीति- निर्धारकों की नजर में झारखंड की कभी अहमियत नहीं रही। यहां के लोगों को मजदूरी करने के लिए छोड़ दिया गया। वे रोजी-रोटी की खातिर हमेशा पलायन करने को मजबूर रहे। झारखंड को किस कदर दरकिनार किया गया, इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि आज भी इस राज्य का एक लाख 36 हजार करोड़ रुपये केंद्र पर बकाया है। अगर यह पैसा हमें मिल जाए तो झारखंड की दशा और दिशा पूरी तरह बदल देंगे।

लागत से 19 योजनाओं का उद्घाटन भी किया। इसके अलावा 103 करोड़ 140.80 लाख की परिसंपत्ति का वितरण किया। इस मौके पर मंत्री दीपक बिरुवा, सांसद जोबा माझी, विधायक सुखराम सिंघू, विधायक सोनाराम उरू और विधायक निराल पूर्ति, विधायक दशरथ गागराई भी मौजूद थे। विधायक, सांसद व मंत्री ने भी गुवा गोलीकांड के शहीदों श्रद्धांजलि दी। इस मौके पर काफी संख्या में लोग उपस्थित थे।

## ज्युडिशियल रिपोर्ट में दावा देश के 25 हाई कोर्ट में 58 लाख केस लंबित 3 केस 72 वर्ष पुराने

**NEW DELHI:** देश भर में लंबित मामलों को लेकर नेशनल ज्युडिशियल डेटा ग्रिड की रिपोर्ट आई है, जिसमें बताया गया है कि भारत के कुल 25 हाई कोर्ट में 58 लाख 59 हजार केस पेंडिंग हैं। इनमें से करीब 42 लाख केस सिविल और 16 लाख केस क्रिमिनल नेचर के हैं। इन 58 लाख में से 62 हजार मामले 30 साल से लंबित हैं। वहीं, 3 केस 72 साल से चल रहे हैं। इन 3 में से 2 केस कलकत्ता हाईकोर्ट और 1 केस मद्रास हाईकोर्ट में पेंडिंग है। रिपोर्ट के मुताबिक, देश के सभी कोर्ट (सुप्रीम कोर्ट, हाई कोर्ट, डिस्ट्रिक्ट समेत अन्य कोर्टों) में 5 करोड़ से ज्यादा मामले लंबित हैं। सभी राज्यों की निचली अदालत में 4.34 करोड़ केस लंबित हैं। सबसे ज्यादा केस उत्तर प्रदेश 1.09 करोड़ में पेंडिंग हैं, इसके बाद दूसरा स्थान महाराष्ट्र का है, जहां 49.34 लाख केस लंबित हैं। आंकड़े बताते हैं कि निचली अदालतों में पेंडिंग 70 हजार 587 क्रिमिनल केस 30 साल से ज्यादा पुराने हैं। वहीं, 36 हजार 223 सिविल केस 30 साल से ज्यादा वक्त से पेंडिंग हैं। पिछले 10 साल में बढ़े 46 लाख पेंडिंग केस कानून मंत्री किरन रिजिजू ने राज्यसभा में एक प्रश्न के उत्तर में बताया था कि पिछले 10 साल में सिविल और क्रिमिनल पेंडिंग केस की संख्या जिला स्तर पर 34 लाख से ज्यादा और हाई कोर्ट में 12.5 लाख से ज्यादा है।

## आरोपपत्र संसद सुरक्षा चूक मामले में पुलिस ने दायर की रिपोर्ट, दावा

# भारत के लोकतंत्र को बदनाम करने की रची गई थी साजिश

**NEW DELHI (BHASHA) :** दिल्ली पुलिस द्वारा अदालत में दायर आरोपपत्र के अनुसार, 13 दिसंबर, 2023 के संसद सुरक्षा चूक मामले के आरोपी 'लोकतंत्र के प्रतीक' को निशाना बनाकर भारत के लोकतंत्र को बदनाम करना चाहते थे, तत्काल वैश्विक प्रसिद्धि हासिल करना चाहते थे, सत्ता हड़पना चाहते थे और 'समृद्धि और गौरव' हासिल करना चाहते थे।

ने बताया कि उनकी पहली आमने-सामने की मुलाकात फरवरी, 2022 में मैसूर में हुई थी। आरोपपत्र का हवाला देते हुए सूत्रों ने पीटीआई-भाषा को बताया कि उन्होंने अपनी योजना को अंतिम रूप देने के लिए मैसूर, गुरुग्राम और दिल्ली में कुल पांच बैठकें कीं। आरोपपत्र का हवाला देते हुए सूत्र ने कहा कि आरोपियों की पहली बैठक फरवरी, 2022 में मैसूर में मनोरंजन के दोस्त के प्लैट में हुई थी, जिसमें मनोरंजन डी, सागर शर्मा, अमोल शिंदे, ललित झा और महेश कुमार सहित 10 लोग शामिल हुए थे। आरोपपत्र में बताया गया है कि कर्नाटक निवासी मनोरंजन डी. के नेतृत्व में युवाओं का एक समूह



सोशल मीडिया पर मिला था। सूत्रों ने बताया कि मनोरंजन उन छह आरोपियों में शामिल है जिन्हें दिल्ली पुलिस के विशेष प्रकोष्ठ ने गिरफ्तार किया है। आरोपपत्र के अनुसार, मनोरंजन के संसद भवन

सुरक्षा चूक मामले के मुख्य षडयंत्रकारियों में से एक होने का संदेह है, जिसने कथित तौर पर युवाओं को 'समृद्धि, वैभव और संपत्ति' का वादा करके 'लोकतंत्र के प्रतीक' को निशाना बनाने के लिए उकसाया और प्रेरित किया। आरोपपत्र का हवाला देते हुए एक सूत्र ने कहा कि अपनी 'उग्र माओवादी-प्रेरित सोच' से प्रेरित होकर मनोरंजन ने तत्काल ध्यान आकर्षित करने के लिए संसद भवन को निशाना बनाने का फैसला किया। सूत्र ने कहा कि आरोपी एक व्यापक संदेश देना चाहते थे कि 'भारतीय लोकतंत्र निष्प्रभावी है और इसे बदलने की जरूरत है।' सुरक्षा में यह बड़ी चूक 2001 में

संसद पर हुए आतंकी हमले की बरसी पर हुई। आरोपियों ने 13 दिसंबर, 2023 को शून्यकाल के दौरान संसद भवन के अंदर और बाहर समन्वित तरीके से कैनिस्टर से धुआं छोड़ा था। दो व्यक्ति-सागर शर्मा और मनोरंजन डी-सार्वजनिक गैलरी से लोकसभा कक्ष में कूद गए और सदन में कैनिस्टर से पीली गैस छोड़ी। सांसदों द्वारा उन्हें काबू में करने से पहले उन्होंने नारे भी लगाए। लगभग उसी समय संसद परिसर के बाहर, दो अन्य आरोपियों-अमोल शिंदे और नीलम आजाद ने भी 'तानाशाही नहीं चलेगी' के नारे लगाते हुए कैनिस्टर से रंगीन गैस छोड़ी। मनोरंजन, सागर शर्मा, अमोल शिंदे और नीलम आजाद

को उसी दिन गिरफ्तार कर लिया गया क्योंकि वे अपने कृत्यों के तुरंत बाद पकड़े गए थे। ललित झा और महेश कुमार को क्रमशः 15 और 16 दिसंबर को गिरफ्तार किया गया था। सभी आरोपी तिहाड़ जेल में बंद हैं। दिल्ली पुलिस की आतंकवाद निरोधक इकाई, विशेष प्रकोष्ठ ने उन पर गैरकानूनी गतिविधि रोकथाम अधिनियम (यूपिएए) की धारा 16 और 18 तथा भारतीय दंड संहिता की अन्य धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। आरोपपत्र का हवाला देते हुए एक सूत्र ने बताया कि मनोरंजन ने एंजिनियरिंग की पढ़ाई बीच में ही छोड़ दी और 2014 में कंबोडिया चला गया।



BRIEF NEWS

आईसीएफआई विवि में शिक्षक समारोह आयोजित



**RANCHI :** रविवार को मालवीय मिशन के तत्वावधान में आईसीएफआई विवि परिसर में शिक्षक दिवस समारोह का आयोजन किया गया। यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर डॉ. रमन कुमार झा इसके मुख्य अतिथि थे। उनके उद्बोधन ने सबको प्रेरित किया। जीवन में शिक्षा के महत्व को उन्होंने बारीकी से समझाया। मिशन के उपाध्यक्ष अरविंद कुमार ने कार्यक्रम का सफल संचालन किया। कार्यक्रम में बिरसा शिशु मंदिर विद्यालय, सिमलिया के बच्चों ने अपने नृत्य-संगीत और कविता से सबका मन मोह लिया।

श्रीदुर्गा पूजा समिति के अध्यक्ष बने ब्रजेश तिवारी

**RANCHI :** रविवार को नवयुवक संघ श्रीदुर्गा पूजा समिति बुकरु की बैठक बुकरु चौक संकटमोचन हनुमान मंदिर परिसर में हुई। बैठक में सर्वसम्मति से ब्रजेश तिवारी को अध्यक्ष, रिखु मुंडा को उपाध्यक्ष, महावीर मुंडा को महासचिव, अखिलेश तिवारी सचिव, संजीत सपुवार महामंत्री, झुबला कश्यप मंत्री, अमरेश तिवारी कोषाध्यक्ष, हर्ष कुमार उप कोषाध्यक्ष, राजेश सिंह पूजा प्रभारी, सूरज राम उप पूजा प्रभारी, सौरभ कुमार, मुन्ना लोहरा को महाभोग प्रभारी बनाए गए।

मुक्ति संस्था ने 44 शवों का किया अंतिम संस्कार

**RANCHI :** मुक्ति संस्था ने रविवार को जुमार नदी के तट पर रविवार को 44 लावारिस शवों का सामूहिक रूप से अंतिम संस्कार किया। संस्था के सदस्यों ने दाह संस्कार से पूर्व मृत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की। फिर सभी शवों को मुखाग्नि दी। नौ सालों से लावारिस शवों का अंतिम संस्कार कर रही संस्था कई दिनों से इन शवों के दाह संस्कार की तैयारी कर रही थी।

झारखंड सरकार पर जमकर बरसे शिवराज सिंह, बोले- चुनाव को देखकर खोखली घोषणाएं कर रहे हेमंत सोरेन

PHOTON NEWS RANCHI :

रविवार को भाजपा प्रदेश चुनाव प्रभारी एवं केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने हेमंत सरकार पर बड़ा निशाना साधा। उन्होंने कहा कि चुनाव अब नजदीक है और जिस गठबंधन की सरकार ने पांच साल में कुछ नहीं किया, अब चुनाव आते ही वह धड़ाधड़ खोखली घोषणाएं करते चले जा रहे हैं। हमने पूछा झारखंड की जनता को मिला क्या? शिवराज प्रदेश कार्यालय में पत्रकार वार्ता को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि सैकड़ों वादे जो पूरे नहीं किए गए। पांच साल कोई नौकरी नहीं दी। पेपर लोक जैसी लगातार घटनाएं होती रही लेकिन अब चुनाव आ गए हैं, इसीलिए धड़ाधड़ घोषणाएं हो रही हैं। भर्तियां, सिपाही की भर्ती लेकिन ये भी नहीं देखा कि किस मौसम में भर्ती कर रहे हैं। उन्हें पता था कि भर्तियां पूरी नहीं हो पाएगी।

झारखंड में वीआईपी सुरक्षा और होगी मजबूत, 17 बुलेट प्रूफ वाहन तैयार

**RANCHI :** झारखंड में वीआईपी सुरक्षा को और मजबूत बनाने के लिए 17 बुलेट प्रूफ वाहन तैयार किए गए हैं। सभी बुलेट प्रूफ वाहन को वीआईपी कार्गिल में शामिल किया जाएगा। 17 बुलेट प्रूफ वाहन में से पांच बुलेट प्रूफ वाहन रांची आ गए हैं। पूर्व में खरीदी गई बुलेट प्रूफ वाहन काफी पुराने हो चुके थे। वाहनों का बहुत अधिक उपयोग नहीं हो पा रहा था, जिसके बाद पुलिस मुख्यालय के स्तर से 17 नए वाहन खरीद कर उन्हें बुलेट प्रूफ बनाने के लिए अहमदाबाद भेजा गया था। अहमदाबाद में गाड़ियों को तैयार होने के बाद उनकी जांच के लिए झारखंड पुलिस मुख्यालय के स्तर से पुलिस अधिकारियों की टीम भेजी गई थी। टीम के द्वारा क्लीयरेंस प्रदान करने के बाद वहां से गाड़ियों का आना शुरू हो गया है।



जीडिया से रूबरू होते केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान व अन्य। ● फोटोन न्यूज

पाएगी। वे भर्ती कोई नौजवानों को रोजगार देने के लिए नहीं है, बल्कि वोट के लिए भर्ती का नाटक है। फिजिकल टेस्ट भी पूरा नहीं हो पाएगा और इसलिए ऐसे मौसम में जो जानलेवा साबित हुआ 10-10 किलोमीटर दौड़ा रहे हैं।

शिवराज ने कहा कि अच्यवस्थाओं का आलम ये था कि ना पीने का पानी, न खाने का इंतजाम, बीमार हो तो ना इलाज

रोशन के साथ सैकड़ों लोगों ने थामा बीजेपी का दामन



कार्यक्रम में उपस्थित गाजपा कार्यकर्ता। ● फोटोन न्यूज

**PHOTON NEWS RANCHI :** रविवार को भाजपा रांची महानगर जिला के अध्यक्ष वरुण साहू की अध्यक्षता में भाजपा, रांची महानगर जिला कार्यालय में मिलन समारोह हुआ। इस दौरान पिरका मोड़ निवासी, सामाजिक कार्यकर्ता रोशन मिश्रा के नेतृत्व में सैकड़ों कार्यकर्ताओं तथा समाजसेवियों ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। सीपी सिंह ने रोशन मिश्रा तथा उनके नेतृत्व में सदस्यता ग्रहण कर रहे सभी कार्यकर्ताओं का भाजपा परिवार में स्वागत करते हुए कहा कि युवाओं के जुड़ने से भाजपा परिवार और मजबूत होगी। वरुण साहू ने सभी कार्यकर्ताओं का स्वागत भाजपा का अंगवस्त्र पहनाकर किया। समारोह में संजय जायसवाल, ललित ओझा, बलराम सिंह, जितेंद्र वर्मा, विनय कुमार सिंह, पायल सोनी, ओम प्रकाश पाण्डे सहित भाजपा के सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहे। शालिग्राम ओझा, संतोष कुमार, रविशंकर सिंह, ओम निवास तिवारी, प्रवीण गुप्ता, जितेंद्र, नामित लाल, रोशन झा, पवन सिन्हा, विक्रान्त सिंह, शुभम कुमार, सरोज, विशाल कुमार, अरुण गुप्ता, सचिन यादव, श्याम गुप्ता, नंदकिशोर सिंह, अभय संकर, विश्वनाथ घोष, फंज गुप्ता समेत सैकड़ों लोगों ने सदस्यता ग्रहण की।

भी भ्रष्टाचार और बिगड़ी हुई कानून व्यवस्था, माता-बहनों का अपमान, अवैध चुसपैठ, बदल रही डेमोग्राफी इन सब मुद्दों को लेकर यात्रा के रूप में जनता के बीच में जाएगी। शिवराज ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी 15 तारीख को झारखंड आ रहे हैं। झारखंड बनाया अटल ने, भाजपा ने और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में झारखंड के विकास के लिए केंद्र सरकार हर संभव प्रयत्न कर रही है। वे वंदे भारत ट्रेन की सौगात के साथ 01 लाख 13 हजार 195 गरीबों को प्रधानमंत्री आवास के लिए पहली किस्त भी उनके खते में डालेंगे। इसके अलावा देश के बाकी राज्यों के गरीबों के खते में भी प्रधानमंत्री आवास योजना के राशि डाली जाएगी। पत्रकार वार्ता में प्रदेश महामंत्री मनोज कुमार सिंह और प्रदेश मीडिया प्रभारी शिवपूजन पाठक उपस्थित थे।

केंसर से जंग लड़ रहे पत्रकार रवि प्रकाश को अमेरिका में मिला सम्मान

**RANCHI :** अमेरिका के तटीय शहर सैन डियेगो में 7 सितंबर से शुरू वर्ल्ड लॉग कैंसर कांफ्रेंस (हउछउ-2024) में वरिष्ठ पत्रकार रवि प्रकाश को पेशेंट एडवोकेसी एडुकेशनल अवार्ड दिया गया। इस साल यह पुरस्कार पाने वाले वह भारत के इकलौते व्यक्ति हैं। लॉग कैंसर पर काम करने वाली दुनिया की प्रतिष्ठित संस्था इंटरनेशनल एसोसिएशन फॉर द स्टडी ऑफ लॉग कैंसर हर साल यह पुरस्कार विश्व के उन चुनिंदा लोगों को देती है, जो अपने-अपने देश में मरीजों की आवाज बन चुके हैं। इस साल भारत से रवि के अलावा यह पुरस्कार दुनिया के 9 और लोगों को दिया गया है। 2-में अस्ट्रेलिया और मैक्सिको के इन-2, अमेरिका, इटली, यूके (इंग्लैंड), नाइजीरिया और थाईलैंड से 1-1 पेशेंट एडवोकेट शामिल हैं। इन दस लोगों में रवि इकलौते व्यक्ति हैं, जो खुद मरीज होकर पेशेंट एडवोकेसी करते हैं।

आरपीएफ ने शराब के साथ एक व्यक्ति को किया अरेस्ट



**RANCHI :** आरपीएफ ने शराब के साथ टाटीसिलवे स्टेशन से एक आरोपित को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपित अभिराज कुमार शामिल है। इसके पास से शराब की 12 बोतल बरामद किया है। एएसआई पी आर प्रजापति ने रविवार को बताया कि रांची मंडल के मंडल सुरक्षा आयुक्त पवन कुमार के निर्देश पर शराब के धरपकड़ के लिए लगातार अभियान जारी है। इसी क्रम में टाटीसिलवे स्टेशन पर आरपीएफ ने एक संदिग्ध को बड़े आकार के पिट्टू बैग के साथ देखा, जांच करने पर 12 शराब की बोतल बरामद की गई। पूछताछ में गिरफ्तार आरोपित ने बताया कि सभी शराब की बोतलें रांची से खरीदी थीं और ट्रेन से बिहार में उंची कीमत पर बेचने जा रहे थे।

जन शिकायत समाधान कार्यक्रम 10 से मॉनिटरिंग के लिए आईजी डीआईजी की हुई प्रतिनियुक्ति

PHOTON NEWS RANCHI :

झारखंड पुलिस राज्य के सभी जिलों में 10 से 13 सितंबर तक जन शिकायत समाधान कार्यक्रम का आयोजन करेगी। डीजीपी अनुराग गुप्ता के निर्देश पर यह कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। जन शिकायत समाधान कार्यक्रम में आम जनता की समस्या सुनी जायेगी और उनकी मदद की जायेगी।



डीआईजी अनूप बिश्यो। ● फोटोन न्यूज

झारखंड पुलिस मुख्यालय से कार्यक्रम की मॉनिटरिंग के लिए 21 जिलों में आईजी और डीआईजी रैंक के अफसरों को प्रतिनियुक्त किया है। इनमें आईजी मनोज कौशिक को रांची, आईजी प्रभात कुमार को खूंटी, आईजी असीम विक्रान्त मिंज को सिमडेगा, आईजी अखिलेश झा को गुमला, आईजी पंकज कंबोज को हजारीबाग, आईजी माइकल राज एस को बोकारो, आईजी नरेंद्र सिंह को पलामू, आईजी राजकुमार लकड़ा को लातेहार, आईजी एवी होमकर को रामगढ़, आईजी ए विजयालक्ष्मी को देवघर, आईजी क्रांति गडदेशी को साहिबगंज, डीआईजी सुनील भास्कर को गिरिडीह, डीआईजी सुरेंद्र झा को धनबाद, डीआईजी मयूर पटेल कन्हैयालाल को कोडरमा, डीआईजी अनूप बिश्यो को लोहरदगा, डीआईजी कार्तिक एस को चतरा, डीआईजी वई एस रमेश को गढ़वा, डीआईजी इंद्रजीत महथा को दुमका, डीआईजी शैलेंद्र वर्नवाल को गोड्डा, डीआईजी संजीव कुमार को पाकुड़, आईजी शैलेंद्र सिन्हा को जामताड़ा जिला शामिल है। प्रतिनियुक्त अधिकारी जन शिकायत समाधान कार्यक्रम से संबंधित दिशा-निर्देश का सही से अनुपालन कर रहे या नहीं इसकी मॉनिटरिंग करेगी।

बंगाल की खाड़ी में बना दबाव, राज्य में कई जगहों पर होगी झमाझम बारिश

**RANCHI :** राज्य में पिछले 24 घंटों से कमजोर पड़ा मानसून फिर सक्रिय हो गया है। उत्तर पश्चिम बंगाल की खाड़ी में बना निम्न दबाव अब डिप्रेशन में तब्दील हो गया है। इसका असर झारखंड पर लिखने लगा है। सुबह से ही राज्य के ज्यादातर इलाकों में झमाझम बारिश हो रही है। रांची मौसम केंद्र ने मेघ गर्जन और वज्रपात को लेकर येला अलर्ट विचार किया। मौसम केंद्र रांची के मुताबिक 13 सितंबर तक राज्य के कई इलाकों में हल्के से भी पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। बैठक में झारखंड में अगले कुछ महीनों में होने वाले विधानसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए सभी कार्यकर्ताओं को प्रदेश अध्यक्ष द्वारा तैयार रहने को कहा गया। बैठक में प्रदेश प्रवक्ता उमेश तिवारी, प्रदेश उपाध्यक्ष शिवजी कुमार, अभिषेक राय, लाल बहादुर राम, उत्तम राय समेत सैकड़ों कार्यकर्ता भी प्रबल संभावना है।

200 युवाओं ने ग्रहण की लोजपा (आर) की सदस्यता



बैठक में शामिल लोजपा (आर) के प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र प्रधान व अन्य। ● फोटोन न्यूज

**PHOTON NEWS RANCHI :** रविवार को निवारणपुर, रांची स्थित लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के कार्यालय में प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र प्रधान की अध्यक्षता में एक बैठक आयोजित की गई। इसमें रांची महानगर एवं रांची जिला के लगभग 200 युवाओं ने राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान और प्रदेश अध्यक्ष के नेतृत्व पर भरोसा जताते हुए रतन पासवान (राज्य पासवान) तथा बिदू के नेतृत्व में पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। इस दौरान नमन गुप्ता, आयुष चंद्रवंशी, शुभम पासवान, अभिषेक सिंह, प्रिंस मिश्रा, अभिषेक वर्मा, सुमित वर्मा, हर्ष गुप्ता, सूरज मोदी, शुभम गुप्ता, निशांत सोनी, लक्षमण सिंह मुण्डा, आकाश गोप, आयुष यादव, अमित वर्मा, आर्यन वर्मा, रंजय वर्मा, अंकुर पन्ना सहित अन्य ने भी पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। बैठक में झारखंड में अगले कुछ महीनों में होने वाले विधानसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए सभी कार्यकर्ताओं को प्रदेश अध्यक्ष द्वारा तैयार रहने को कहा गया। बैठक में प्रदेश प्रवक्ता उमेश तिवारी, प्रदेश उपाध्यक्ष शिवजी कुमार, अभिषेक राय, लाल बहादुर राम, उत्तम राय समेत सैकड़ों कार्यकर्ता भी प्रबल संभावना है।

महुआ माजी ने किया स्कूल के पुराने भवन का उद्घाटन



स्कूल भवन का उद्घाटन करती महुआ माजी व अन्य। ● फोटोन न्यूज

**PHOTON NEWS RANCHI :** जमीयतुल इराकीन की पुरानी बिल्डिंग जो कालालटोली में है, पिछले 30 वर्षों से बंद थी। उसे रविवार को देवबारा चालू किया गया है। इसका विधिवत उद्घाटन राज्यसभा सांसद डॉ. महुआ माजी के हाथों हुआ। मौके पर जमीयतुल इराकीन ने राज्यसभा सांसद डॉ. महुआ माजी को एक ज्ञापन देकर बताया कि रांची की इराकिया गर्ल्स स्कूल, कलाल टोली की पुरानी बिल्डिंग का जीर्णोद्धार वतियन कमेटी ने किया है। इसमें 15 लाख रुपया लगभग खर्च हुए। राज्यसभा सांसद से मांग की कि वह अपने सांसद मद से कमेटी को मदद करें। मौके पर डॉक्टर हमिद, प्रो. आफताब आलम, काबिल हुसैन, डॉ. जमील, मोहम्मद मजहर उपस्थित थे।

‘समाज को संगठित रखने के लिए जाति से उठें ऊपर’



कार्यक्रम में उपस्थित विहिप के सदस्य। ● फोटोन न्यूज

**PHOTON NEWS RANCHI :** रविवार को विश्व हिंदू परिषद झारखंड प्रांत कार्यकारिणी की बैठक रांची के रेलवे स्टेशन के समीप होटल ग्रीन होराइजन में हुई। बैठक में मुख्य रूप से विहिप के केंद्रीय सहसंगठन महामंत्री विनायकराव देशपांडे ने कहा कि जब तक समाज में जात-पात की भावना है तब तक समाज संगठित नहीं हो सकता है। देशपांडे ने कहा कि विश्व हिंदू परिषद समाज को संगठित करने का कार्य करती है।

सामाजिक समरसता और महिलाओं को सबल बनाने तथा उनको प्रशिक्षण देने का कार्य कर रहे हैं। यह वर्ष मातृ शक्ति के लिए विशेष है। इस वर्ष पुण्यक्षेत्र अहिल्या देवी होलकर का 300वां और रानी दुर्गावती का 500वां जन्मवर्ष है। बैठक में विगत कार्यक्रमों की समीक्षा की गई जिसमें पट्टिपूर्ति का कार्यक्रम का आयोजन पूरे प्रान्त में 324 प्रखंड की गई एवं बैठक में आगामी कार्यक्रम की योजना बनायी गई।

शक्तिस्रोत संघ समिति के पूजा पंडाल में अशोक वाटिका में दिखेंगी मां सीता

**RANCHI :** रांची के गाड़ी खाना चौक स्थित शक्तिस्रोत संघ दुर्गा पूजा समिति इस वर्ष सोने की लंका का पंडाल का निर्माण कर रही है। पंडाल में मां दुर्गा अन्य देवी-देवताओं के साथ विराजेगी। दर्शनार्थी मां के दर्शन के साथ लंका की अशोक वाटिका में माता सीता और संकट मोचन हनुमान की पहली मुलाकात सहित अन्य दृश्यों का भी अवलोकन करेगी। इसे बनाने के लिए पश्चिम बंगाल के कारीगर लगे हुए हैं। पूजा पंडाल 60 फीट लंबा, 60 फीट चौड़ा और 40 फीट ऊंचा होगा। साथ ही आकर्षक लाइट लोगों को अपने और आकर्षित करेगी। समिति के अध्यक्ष आकाश सिंह ने रविवार को बताया कि इस बार पूजा में 15 लाख रुपये खर्च होने का अनुमान है।

सीओ ने छापेमारी कर बालू लदे पांच हाइवा किए जब्त

**PHOTON NEWS RANCHI :** रविवार को नगड़ी सीओ राकेश कुमार श्रीवास्तव ने गुप्त सूचना के आधार पर नारो बाजार टांड के समीप छापेमारी कर अवैध तरीके से ले जाया जा रहे बालू लदे पांच हाइवा को जब्त किया है। इसके बाद जब्त हाइवा को नगड़ी थाना को सौंप दिया है।



मिली जानकारी के अनुसार नगड़ी सीओ को सूचना मिली थी कि बगैर चालान के बालू की ढुलाई हो रही है। सूचना मिलते ही नगड़ी सीओ नगड़ी थाना की मदद से नारो बाजार टांड में बालू लदे हाइवा का इंतजार करने लगे। जैसे ही बालू से लदे हाइवा पर नजर पड़ी हाइवा को रुकवाया और कागजात की मांग की लेकिन कोई भी हाइवा चालक

अब 24 सितंबर तक होगा सरकार आपके द्वार कार्यक्रम

**RANCHI :** आपकी योजना-आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम पूर्व में 30 अगस्त से 15 सितंबर तक आयोजित होना था। अब इसकी अवधि बढ़ा कर 24 सितंबर कर दी गयी है। वहीं मुख्यमंत्री भी नौ सितंबर से अलग-अलग जिलों के जिलास्तरीय कैम्प में शामिल होंगे। 24 सितंबर को साहिबगंज जिले के भोगनाडीह में आयोजित समापन समारोह में भी हिस्सा लेंगे। इस बाबत कैबिनेट सचिव वंदना दादेल ने सभी उपायुक्तों को पत्र लिख कर जानकारी दी है। उन्होंने लिखा है कि कार्यक्रम की अपार सफलता एवं जिलों में पंचायतों की संख्या अधिक होने कारण इस कार्यक्रम को विस्तारित करते हुए अब इसे 30 अगस्त से 24 सितंबर तक संचालित करने का निर्णय लिया गया है।

जीरो ड्रॉपआउट को लेकर पूर्व में निर्गत दिशा-निर्देशों की मी होगी समीक्षा सरकारी स्कूलों के अनुश्रवण के लिए टीम गठित

PHOTON NEWS RANCHI :

झारखंड राज्य के 1,159 उच्चतर माध्यमिक विद्यालय (+2) तथा 1,703 माध्यमिक विद्यालयों के सतत अनुश्रवण के लिए राज्यस्तरीय टीम का गठन कर दिया गया है। टीम को सितंबर-अक्टूबर माह में राज्य के सरकारी विद्यालयों का औचक निरीक्षण कर विद्यालयों में प्रोजेक्ट रेल, प्रोजेक्ट इम्पैक्ट, एनईपी, प्रयास, बाल अधिकार, विद्यालय अंतर विक्षेपण, ट्रांजिशन समेत अन्य महत्वपूर्ण विषयों के अद्यतन स्थिति का स्थानीय अनुश्रवण करना होगा। इन विद्यालयों में गुरनाक सुथार में उत्तरोत्तर वृद्धि के लिए राज्य द्वारा प्रयास किया जायेगा। साथ ही बेहतर विद्यालयों को सम्मानित भी किया जायेगा। अनुश्रवण के दौरान सभी जिला शिक्षा पदाधिकारियों, जिला शिक्षा अधीक्षकों, जिला परियोजना कर्मियों को राज्यस्तरीय टीम के साथ समन्वय स्थापित करते हुए जिले के अनुश्रवण में सहयोग देना होगा। अनुश्रवण के दौरान राज्यस्तरीय टीम द्वारा पूर्व में जीरो ड्रॉप आउट को



लेकर दिए गए दिशा-निर्देशों के अनुरूप की गयी कार्रवाई की भी समीक्षा की जाएगी। इस संबंध में अनुश्रवण दल में शामिल पदाधिकारी अपने स्तर पर उक्त वर्णित विद्यालयों में अनुश्रवण कर शत-प्रतिशत बच्चों का आंगनवाड़ी से उच्च प्राथमिक विद्यालय से माध्यमिक विद्यालय, माध्यमिक

पदाधिकारियों की उपस्थिति होगी अनिवार्य

राज्यस्तरीय टीम द्वारा विद्यालयों के सतत अनुश्रवण के दौरान संबंधित जिले के जिला शिक्षा पदाधिकारी, जिला शिक्षा अधीक्षक अनिवार्य रूप से भ्रमण करेंगे। विद्यालयों के निरीक्षण के दौरान संबंधित जिले के अनुमंडल शिक्षा पदाधिकारी, क्षेत्र शिक्षा पदाधिकारी, सहायक अभियंता, कनीय अभियंता, फील्ड मेनेजर और सॉफ्टवेयर टेनर भी टीम के साथ स्कूलों का भ्रमण करेंगे। इनके अलावा प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी, प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी, प्रखंड साधन सेवी, संकुल साधन सेवी भी अनुश्रवण में उपस्थित रहेंगे। नामित पदाधिकारियों एवं कर्मियों के शत प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित कराने की जवाबदेही जिला शिक्षा पदाधिकारी एवं जिला शिक्षा अधीक्षक की होगी।

विद्यालय से उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में शत प्रतिशत ट्रांजिशन सुनिश्चित करते हुए विद्यालयों में शून्य ड्रॉप आउट की समीक्षा करेंगे। झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद में राज्य शिक्षा परियोजना निदेशक आदित्य रंजन ने बताया कि अनुश्रवण के दौरान पदाधिकारियों द्वारा सभी जिलों के जिला शिक्षा

PHOTON NEWS RANCHI :

रविवार को आजसू पार्टी ने रांची में झारखंड नवनिर्माण संकल्प सभा का आयोजन किया। संकल्प सभा में झामुमो और हेमंत सोरेन पर 2019 में किए गए वादों को भूलने और राज्य के युवाओं की समस्याओं, बेरोजगारी का आरोप लगाया गया। संकल्प सभा से पहले पार्टी सुप्रिमो और राज्य के पूर्व उपमुख्यमंत्री सुदेश महतो ने अपने हजारों कार्यकर्ताओं के साथ धरती आबा बिरसा मुंडा चौक से प्रभात तारा मैदान तक नवनिर्माण संकल्प मार्च निकाला। इसमें पूर्व मंत्री रामचंद्र सहिस भी शामिल हुए। रामचंद्र सहिस ने कहा कि पांच साल पहले सत्ता में आने के लिए हेमंत सोरेन ने युवाओं से जो वादे किए थे, वे आज



नवनिर्माण संकल्प मार्च में शामिल आजसू प्रमुख सुदेश महतो व अन्य कार्यकर्ता।

भी अधूरे हैं। राज्य के युवा आज भी हर साल पांच लाख सरकारी नौकरी और बेरोजगारी भत्ते का इंतजार कर रहे हैं। पूर्व मंत्री ने कहा कि राज्य के युवाओं ने संकल्प लिया है कि आगामी विधानसभा चुनाव में राज्य के युवा हेमंत सोरेन को सत्ता से उखाड़ फेंकेंगे। आजसू पार्टी की नवनिर्माण संकल्प सभा में जहां

युवाओं ने जोश और उत्साह दिखाया, वहीं आजसू नेता दौल-नगाड़ा के साथ उलगुलान का शंखनाथ करते दिखे। वहीं पूर्व उपमुख्यमंत्री और आजसू सुप्रिमो सुदेश महतो ने कहा कि अब समय आ गया है कि राज्य के युवा छत्र-कपट से बनी सरकार को सत्ता से बेदखल करने का संकल्प लें।

## समाचार सार

## सीतारामदेरा में दुर्गा पूजा पंडाल का निर्माण शुरू

JAMSHEDPUR : न्यू लेआउट, सीतारामदेरा स्थित श्री श्री अमर ज्योति दुर्गा पूजा समिति के पूजा पंडाल का निर्माण रविवार को प्रारंभ हो गया। इससे पूर्व भूमिपूजन में कमेटी के पदाधिकारियों ने बताया कि इस वर्ष मां दुर्गा की प्रतिमा के साथ होने वाली सजावट आकर्षण का केंद्र होगी। भूमिपूजन में समिति के लाइसेंस डी. सुब्रमण्यम आचार्य, अध्यक्ष बदला मिंज, महामंत्री अरविंद कुमार, ललित राव उपाध्यक्ष अशोक दत्ता, अशोक पासवान, कोषाध्यक्ष राजन शर्मा, आकाश सावंत, वरिष्ठ सदस्य पवन रस्तोगी समेत अन्य सदस्य उपस्थित थे।

## बागबेड़ा में पूजा पंडाल के लिए भूमिपूजन

JAMSHEDPUR : बागबेड़ा बड़ौदा घाट स्थित आदर्श सोसायटी प्रधानटोला में रविवार को दुर्गापूजा पंडाल का भूमिपूजन किया गया। आचार्य सुकुमार ने वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ पूजन-हवन कराया। सोसाइटी के तत्वावधान में दूसरी बार दुर्गा पूजा का आयोजन किया जा रहा है। इस अवसर पर सोसायटी और पूजा समिति के सभी सदस्य उपस्थित थे।

## जेम्को दुर्गा पूजा पंडाल का भूमिपूजन संपन्न

JAMSHEDPUR : टेल्को क्षेत्र के जेम्को मैदान में दुर्गा पूजा पंडाल का भूमिपूजन रविवार को किया गया। पं. पवन झा की देखरेख में पूजा संपन्न हुई। इस मौके पर कमेटी के अध्यक्ष संतोष कुमार झा, एस राजशेखर, मनोज, विकास, जननाथ, दीप झा, करनदीप सिंह, रनेश, योगेश, रिशु, मनीष, विश्वजीत व अन्य सदस्य उपस्थित थे।

## जुगसलाई के संकल्प रिसिडेंसी में गणेशोत्सव की धूम

JAMSHEDPUR : जुगसलाई के एमई स्कूल रोड स्थित संकल्प रिसिडेंसी में सात दिवसीय गणेशोत्सव का आयोजन किया गया है। महाोत्सव के तहत विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें सोसाइटी के बच्चे-बुजुर्ग, महिला-पुरुष हिस्सा ले रहे हैं। रविवार को सोसाइटी के वरिष्ठ नागरिकों ने पौधारोपण किया। इसके बाद मनोरंजन प्रतियोगिता हुई, जिसमें ईट एंड रस, सित एंड ड्रॉ, स्पून एंड मार्बल रेस, नो-फायर कुकिंग कॉन्टेस्ट और रंगीन पार्टी मेकअप प्रतियोगिता शामिल थी। इससे सभी उम्र के लोगों ने आनंद का अनुभव किया। इसी क्रम में डॉ. विवेक केडिया के नेतृत्व में नेत्र जांच शिविर चला।

## राष्ट्रीय लोक अदालत 28 सितंबर को

CHAIBASA : झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार, रांची के निदेशानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकार के तत्वाधान में 28 सितंबर को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन स्थानीय व्यवहार न्यायालय परिसर में किया जाएगा। प्राधिकार के सचिव राजीव कुमार सिंह ने बताया कि इसके माध्यम से लोग अपने बैंक ऋण, पेंशन, वित्तीय लेनदेन से जुड़े मामले, भूमि संबंधित विवाद, वैवाहिक विवाद, पारिवारिक न्यायालय से संबंधित मामलों को प्री लिटिगेशन मोड पर मध्यस्थता के माध्यम से निष्पादन के लिए संपर्क कर सकते हैं।

## आजसू पार्टी के कई कार्यकर्ता पहुंचे रांची

JAMSHEDPUR : आजसू पार्टी के कई कार्यकर्ता रविवार को रांची गए थे, जहां वे प्रभात तारा मैदान में आयोजित झारखंड-गला शव निर्माण संकल्प सभा में शामिल हुए। पूर्वी सिंहभूम के जिला अध्यक्ष कन्हैया सिंह के नेतृत्व में रांची जाने वालों में संजय मालाकार, संजय सिंह, अप्पू तिवारी, प्रकाश विश्वकर्मा, संतोष सिंह, अजय सिंह बब्बू, आकाश सिन्हा, हेमंत पाठक, राजेंद्र सोनकर, साहेब बागती, विमल मोर्चा, वन बिहारी महतो, ठाकुर दास महतो, प्रवीण प्रसाद आदि भी शामिल थे।

## डॉ. दीपंजय को मिला 'गुरु शिक्षा सम्मान'

JAMSHEDPUR : एलबीएसएम कॉलेज के दर्शनशास्त्र विभागाध्यक्ष डॉ. दीपंजय श्रीवास्तव को बिहार सरकार के एजुकेशनल डेवलपमेंट कार्डरिल, पटना की ओर से दर्शनशास्त्र के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए 'गुरु शिक्षा सम्मान-2024' से सम्मानित किया गया है। उन्होंने इसका श्रेय माता-पिता, परिवार व कॉलेज के प्राचार्य डॉ. बीएन प्रसाद तथा पूर्व प्राचार्य डॉ. अशोक कुमार झा को दिया।

## कदमा में आदिवासी महिला से मारपीट आजसू नेता पर लगा आरोप, विवाद थाना प्रभारी से मिला झारखंड युवा मोर्चा का प्रतिनिधिमंडल

## PHOTON NEWS JSR :

कदमा स्थित भाटिया बस्ती के गोस्वामी पथ निवासी और मंगल सिंह अखाड़ा के संचालक मुन्ना सिंह उर्फ वृजेश सिंह के खिलाफ अनुसूचित जाति व जनजाति अत्याचार अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। मुन्ना सिंह पर आरोप है कि उन्होंने एक आदिवासी महिला और उसकी बच्ची की सार्वजनिक रूप से पिटाई की, जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गईं। इस घटना के प्रकाश में आने के बाद, झारखंड युवा मोर्चा के जिला अध्यक्ष बबन राय के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल कदमा थाना पहुंचा, जहां उन्होंने थाना प्रभारी से मुलाकात कर दोषियों के खिलाफ त्वरित कार्रवाई की मांग की। हालांकि, इस दौरान थाना प्रभारी उपस्थित नहीं थे। झामुमो नेताओं



थाना पहुंचे झामुमो कार्यकर्ता

● फोटोन न्यूज

ने चेतावनी दी कि यदि मामले में कार्रवाई नहीं हुई तो वे मुख्यमंत्री के समक्ष इस मुद्दे को उठाएंगे, जो जल्द ही कोलहान रैर पर आने वाले हैं। कदमा थाना प्रभारी ने बताया कि शिकायत मिलने के बाद मुन्ना सिंह के खिलाफ अनुसूचित जाति व जनजाति अत्याचार अधिनियम के तहत

मामला दर्ज कर लिया गया है। उन्होंने आश्वासन दिया कि आरोपी को जल्द गिरफ्तार किया जाएगा। प्रतिनिधिमंडल में जिला उपाध्यक्ष अरुण प्रसाद, पम्मे सिंह, अंकित सिंह, नाटू सरकार, रोहित कर्मकार, कुपाल सिंह, सरफराज, रौनी धवन और युवा मोर्चा के अन्य पदाधिकारी भी शामिल थे।

## राजद 22 सीटों पर उतारेगा उम्मीदवार : प्रदेश अध्यक्ष

SARAIKELA : राष्ट्रीय जनता दल (राजद) का कोलहान प्रमंडल स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन रविवार को गम्हरिया स्थित एक स्कूल में हुआ। इसमें प्रदेश अध्यक्ष संजय सिंह यादव ने विधानसभा चुनाव में राजद की ओर से 22 सीटों पर उम्मीदवार उतारने की घोषणा की। हालांकि, अंतिम निर्णय महागठबंधन की बैठक में सर्वसम्मति से लिया जाएगा। बैठक में पूर्व मंत्री सुरेश पासवान ने कहा कि जिस तरह लोकसभा चुनावों में एनडीए को झटका लगा, उसी तरह झारखंड में विधानसभा चुनावों में भी एनडीए को हार का सामना करना पड़ेगा। इस कार्यक्रम में सांसद पद की उम्मीदवार ममता भुईयां, युवा राजद प्रदेश अध्यक्ष रंजन यादव, प्रदेश महासचिव पुरेंद्र नारायण सिंह, महिला नेता अनिता यादव और शारदा देवी भी उपस्थित थीं।

## माध्यमिक शिक्षक संघ की सचिव बनीं कविता सिंह



शिक्षकों की नवगठित कमेटी के पदाधिकारी

● फोटोन न्यूज

JAMSHEDPUR : झारखंड राज्य माध्यमिक शिक्षक संघ की जिला इकाई की आमसभा सह नई कार्यकारिणी का पुनर्गठन रविवार को हुआ। न्यू ब्राह्मरी स्थित पीएम श्री उन्नतित पीपुल्स एकेडमी प्लस टू विद्यालय में हुई बैठक में नवगठित जिला कमेटी बनाई गई, जिसमें संरक्षक रीना कुमारी, अध्यक्ष नरेंद्र प्रसाद सिंह, उपाध्यक्ष शशिकांत सिंह, मोना भूमिज, अनिता मुर्मु, संजू कुमारी, सचिव कविता सिंह, संयुक्त सचिव मो.

कासिम, संदीप कुमार, जितेंद्र कुमार, नरेंद्र कुमार, मिहिर कुमार झा, जयंत रजक, विप्लव कुमार बेरा, कोषाध्यक्ष बिट्टू सोनकर, अध्यक्ष द्वारा मनोनीत सदस्य विजय भगत, अविनाश चंद्र पांडेय, सुप्रियो सिद्धांत, आमीर सलीम शामिल हैं। इससे पहले प्रथम सत्र में शहरी और ग्रामीण क्षेत्र के शिक्षक-शिक्षिकाओं एवं दावेदारों के बीच अध्यक्ष तथा सचिव पद को लेकर जिज हुई। बाद में सचिव पद के लिए सहमति बनी।

## मनोहरपुर के जंगल में मिला शव पहचान के लिए होगी डीएनए जांच

MANOHARPUR : पश्चिमी सिंहभूम जिले के नक्सल प्रभावित क्षेत्र में पुलिस को सड़ा-गला शव मिला है। स्थानीय लोगों की सूचना पर चिड़िया ओपी पुलिस ने शनिवार को अंकुवा जंगल से एक अज्ञात व्यक्ति का सड़ा-गला शव बरामद किया है। पुलिस ने शव को जब्त कर पोस्टमार्टम के लिए चक्रधरपुर भेज दिया। जानकारों के अनुसार मनोहरपुर प्रखंड के चिड़िया ओपी थाना क्षेत्र के अंकुवा जंगल में ग्रामीणों ने एक अज्ञात व्यक्ति का शव देखा। इसके बाद ग्रामीणों ने इसकी जानकारी चिड़िया थाना की पुलिस को दी। इसके बाद पुलिस ने घटनास्थल से शव को बरामद कर लिया है। शव पूरी तरह सड़-गल जाने से उसके शरीर के कई हिस्से कंकाल बन गए हैं, जिस कारण शव की शिनाख्त नहीं हो पाई है। जिस तरह

नक्सली या ग्रामीण संशय में पुलिस अज्ञात व्यक्ति का सड़ा गला शव मिलने से हर कोई परेशान है कि आखिर यह शव किसका है। पुलिस भी इस बात को लेकर संशय में है कि यह शव कहीं नक्सली का तो नहीं है। कई बार पुलिस मुठभेड़ में मारे गए नक्सली का शव गिरोह के सदस्य किसी ओट या गुफानुमा स्थान में छिपा देते हैं। संभव है कि नक्सली दोबारा शव लेने नहीं आ सके हों और शव पड़ा रह गया। डीएनए टेस्ट के बाद ही पुलिस का संशय दूर हो सकेगा।

शव मिला है, उसकी पहचान डीएनए टेस्ट से ही हो पाएगी। इसलिए पुलिस डीएनए टेस्ट के लिए सैपल लेकर शव को पोस्टमार्टम के लिए चक्रधरपुर अनुमंडल अस्पताल भेज दिया है।

## सेवानिवृत्त पुलिस पदाधिकारी कल्याण संघ का हुआ गठन



जमशेदपुर में सेवानिवृत्त पुलिस अधिकांशियों की बैठक हुई

JAMSHEDPUR : शहर में रविवार को जुबिली पार्क में सेवानिवृत्त पुलिस अधिकांशियों की बैठक हुई जिसमें सेवानिवृत्त पुलिस पदाधिकारी कल्याण संघ का गठन किया गया। इसकी संयोजक समिति में कमल किशोर, पीके सिंह, केएन मिश्रा, फैजल अहमद व मदन मोहन सिंह मनोनीत किए गए। बैठक में विष्णुदेव सिंह, आरपन शर्मा, विजय कुमार सिंह, बीके चतुर्धरी, सत्येंद्र प्रसाद, संजीव कुमार सिंह, सत्येंद्र नारायण, जितेंद्र दुहे, राकेश मोहन, आशिष हुसैन, मो. सफीउल्लाह, जितेंद्र ठाकुर, बिनोद कुमार सिंह, अरविंद कुमार, कामेश्वर ठाकुर, अशोक कुमार समेत अन्य मौजूद रहे। यह संगठन राज्य के सभी सेवानिवृत्त पुलिस पदाधिकारियों के कल्याण के साथ साथ आम लोगों के स्वास्थ्य, शिक्षा व अन्य सामाजिक कार्य में सहयोग करेगा।

## घायल बस कंडक्टर की इलाज के दौरान हुई मौत

JAMSHEDPUR : साकची स्थित बंगाल क्लब के पास यात्री बैटाने को लेकर दो मिनी बस के कर्मचारियों के बीच मारपीट में घायल हुए संजय सेन की रविवार को इलाज के दौरान मौत हो गई। इस घटना के बाद मृतक के परिजनों ने आरोपियों के गिरफ्तारी की मांग की है। संजय डिमना से साकची रूट पर चलने वाली मिनी बस में कंडक्टर था। बीते शुक्रवार को साकची बंगाल क्लब के पास दूसरे मिनी बस के कर्मचारियों से यात्री बैटाने को लेकर उसका विवाद हो गया था। इस घटना में दूसरे मिनी बस के चालक और कंडक्टर ने संजय को धक्का मारकर गिरा दिया था, जिससे संजय गंभीर रूप से घायल हो गया था। घटना के बाद परिजनों ने उसे इलाज के लिए टीएमएच में भर्ती कराया। पैसे के अभाव में संजय के परिजन उसे इलाज के लिए रांची के रिम्स लेकर

## शुक्रवार को बस में यात्री बैटाने को लेकर विवाद के बाद हुई थी धक्का-मुक्की



संजय (फाइल फोटो)

गाए, जहां रविवार को इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। घटना की सूचना पाकर भाजपा नेता विकास सिंह परिजनों से मिले और उन्हें हरसंभव मदद का आश्वासन दिया।

## 'जीवन' ने स्कूली छात्रों को बताए मानसिक तनाव से निपटने के गुर

JAMSHEDPUR : आत्महत्या निवारण केंद्र 'जीवन' ने रविवार को दयानंद पब्लिक स्कूल परिसर में मानसिक स्वास्थ्य और भावनात्मक सशक्तिकरण के महत्व पर कार्यशाला की, जिसमें स्कूली छात्रों को मानसिक तनाव से निपटने के गुर सिखाए गए। विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस (10 सितंबर) की रकड़ी में हुई कार्यशाला में 'जीवन' की टीम ने प्रतिभागियों को मानसिक रूप से स्वस्थ रहने के विभिन्न तरीके बताए। इसमें मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने, नकारात्मक विचारों से बचने और भावनात्मक सशक्तिकरण के महत्व पर जोर दिया गया। कार्यक्रम के हिस्से के रूप में, जुम्को स्कूल कदमा और दयानंद पब्लिक स्कूल के छात्रों ने रैली निकाली, जिसके माध्यम से उन्होंने आत्महत्या की रोकथाम और मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता का संदेश फैलाया।

## जमशेदपुर में 185 विकास योजनाओं का शिलान्यास

JAMSHEDPUR : राज्य के स्वास्थ्य एवं खाद्य आपूर्ति मंत्री बना गुप्ता ने विधायक निधि को कुल 185 विकास योजनाओं का रविवार को शिलान्यास किया। इन योजनाओं की कुल प्राक्कलित राशि 5 करोड़ 60 लाख 67 हजार 626 रुपये है। इसमें मानगो नगर निगम क्षेत्र की 138 व जमशेदपुर अक्षेस की 47 योजनाएं हैं। 138 योजनाओं की लागत 3 करोड़ 23 लाख 71 हजार 426 रुपये है, जबकि 47 योजनाओं पर कुल 2 करोड़ 36 लाख 96 हजार 200 रुपये खर्च होंगे। शिलान्यास के उपरांत अपने संबोधन में बना गुप्ता ने कहा कि क्षेत्र को समस्याविहीन करना उनकी पहली प्राथमिकता है। क्षेत्र के निवासियों की जरूरत के आधार पर तमाम जन कल्याणकारी योजनाएं लाई जाती हैं और आज

## सोनुवा में दुर्घटनाग्रस्त बाइक सवार की मौत



SONUA : सोनुवा : चक्रधरपुर-गोइलकेरा मुख्य मार्ग पर सोनुवा में मोटरसाइकिल दुर्घटनाग्रस्त में एक युवक की मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही सोनुवा थाना की पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए चक्रधरपुर अनुमंडल अस्पताल भेज दिया। घटना के संबंध में मिली जानकारी के अनुसार, सोनुवा थाना अंतर्गत भालुर्गो गांव निवासी 20 वर्षीय रितिक महतो रविवार दोपहर अपने मोटरसाइकिल से सोनुवा बाजार तरफ जा रहा था। इसी दौरान सोनुवा सहारा इंडिया ऑफिस के सामने सड़क किनारे स्थित एक सीमेंट दुकान की बेंच से टकरा गया था। घटना में युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने उसे तत्काल इलाज के लिए सोनुवा अस्पताल पहुंचाया। जहां डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। घटना के सूचना मिलते ही मृतक के परिजन भी सोनुवा अस्पताल पहुंचे।

JAMSHEDPUR : राज्य के स्वास्थ्य एवं खाद्य आपूर्ति मंत्री बना गुप्ता ने विधायक निधि को कुल 185 विकास योजनाओं का रविवार को शिलान्यास किया। इन योजनाओं की कुल प्राक्कलित राशि 5 करोड़ 60 लाख 67 हजार 626 रुपये है। इसमें मानगो नगर निगम क्षेत्र की 138 व जमशेदपुर अक्षेस की 47 योजनाएं हैं। 138 योजनाओं की लागत 3 करोड़ 23 लाख 71 हजार 426 रुपये है, जबकि 47 योजनाओं पर कुल 2 करोड़ 36 लाख 96 हजार 200 रुपये खर्च होंगे। शिलान्यास के उपरांत अपने संबोधन में बना गुप्ता ने कहा कि क्षेत्र को समस्याविहीन करना उनकी पहली प्राथमिकता है। क्षेत्र के निवासियों की जरूरत के आधार पर तमाम जन कल्याणकारी योजनाएं लाई जाती हैं और आज

योजनाओं का शिलान्यास करते बहा

भी ऐसे ही योजनाओं का शिलान्यास हुआ है। आज जमशेदपुर पश्चिम विधान सभा क्षेत्र की सड़कों पर यातायात के अतिरिक्त भार को देखते हुए सड़कों के चौड़ीकरण, पेवर्स ब्लॉक सड़क, नाला निर्माण, स्ट्रीट लाइट-सफाई पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। इस कार्यक्रम में विधायक प्रतिनिधि प्रभात ठाकुर, मनोज झा, बबुआ झा, कैलाश रजक सहित अनेक लोग उपस्थित थे।

## सरयू राय ने किया दो चारदीवारी का शिलान्यास



जमशेदपुर में जमशेदपुर

JAMSHEDPUR : जमशेदपुर पूर्वी के विधायक सरयू राय ने अपने विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत 23 लाख 41 हजार रु. की राशि से दो स्थलों पर चारदीवारी निर्माण कार्य का शिलान्यास किया। इनमें से कल्याण विभाग की ओर से भुइयांडीह, बाबुडीह में आदिवासी समुदाय के मसना स्थल को संरक्षित करने के लिए घेराबंदी कार्य तथा विधायक निधि से बिरसानगर, जोन नं. 3 हबडीह, डुंगरी ऊपर शिव मंदिर के समीप चारदीवारी का निर्माण होना है। शिलान्यास के मौके पर भाजमो जिला अध्यक्ष सुबोध श्रीवास्तव, अनुसूचित मोर्चा के जिला अध्यक्ष प्रकाश कोया मौजूद रहे।

## गुवा गोलीकांड के शहीदों को पूर्व मुख्यमंत्री सहित सैकड़ों नेताओं ने दी श्रद्धांजलि

## कांग्रेस के कार्यकाल में आदिवासियों पर चली थी गोली : चम्पाई सोरेन

PHOTON NEWS GUA : जल जंगल जमीन और अलग राज्य की मांग करने वाले लोगों पर कांग्रेस के कार्यकाल में आदिवासियों पर गोली चली थी। ये बातें पूर्व मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन ने रविवार को कहीं। गुवा शहीद दिवस पर गोलीकांड के शहीदों को श्रद्धांजलि देने आए चम्पाई ने कहा कि झारखंड में आदिवासियों-मूलवासियों का दर्द सिर्फ पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने समझा और उन्होंने 2000 में झारखंड अलग राज्य बनाया। कांग्रेस ने सत्ता में रहते हुए आदिवासियों का दर्द नहीं समझा। एक सवाल के जवाब में चम्पाई ने कहा कि हमने खुद झारखंड मुक्ति मोर्चा को आंदोलन कर पार्टी बनाया, लेकिन काफी दुख हुआ कि जिस संस्थाल परगना में सिद्धो-



श्रद्धांजलि देते चम्पाई सोरेन व गीता कोड़ा

● फोटोन न्यूज

कान्हू और फूलो-झानो के नेतृत्व में अंग्रेज शासन के खिलाफ बगावत का आंदोलन खड़ा हुआ था, आज वहां बांग्लादेशी घुसपैठ हो रहा है। इस कारण वहां आदिवासी का अस्तित्व खतरे में है। झारखंड में आदिवासियों, मूलवासियों, गरीब तबके के लोगों को बचाने के लिए हम कोलहान से बिगुल फूक रहे हैं। झारखंड में परिवर्तन की लहर चल रही है, जो इस चुनाव में देखने को मिलेगा। इस मौके पर पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोड़ा एवं पूर्व सांसद गीता कोड़ा, पूर्व मंत्री बड़कुंवर गागराई, भाजपा जिला अध्यक्ष संजय पांडे सहित भाजपा के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने शहीद स्थल पर श्रद्धांजलि अर्पित की।

हैं। झारखंड में परिवर्तन की लहर चल रही है, जो इस चुनाव में देखने को मिलेगा। इस मौके पर पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोड़ा एवं पूर्व सांसद गीता कोड़ा, पूर्व मंत्री बड़कुंवर गागराई, भाजपा जिला अध्यक्ष संजय पांडे सहित भाजपा के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने शहीद स्थल पर श्रद्धांजलि अर्पित की।

## आंदोलनकारियों को नहीं मिला न्याय : कोड़ा

पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोड़ा व पूर्व सांसद गीता कोड़ा ने कहा कि जल जंगल जमीन के अधिकार के लिए लड़ाई लड़ते हुए, तत्कालीन कांग्रेस सरकार के समय पुलिस की गोली से शहीद हुए गुवा गोलीकांड के शहीद आंदोलनकारियों को आज तक न्याय नहीं मिला। हेमंत सरकार ने भी शहीद परिवारों के प्रति वादाखिलाफी की। माईस बंद रहने के कारण रोजगार नहीं मिल रहा है। यहां के लोग लाल पानी पीने को विवश हैं। जनजातीय सरकार-बहनों से भी हेमंत सरकार ने वादा किया था कि वन पट्टा देंगे, लेकिन वादाखिलाफी की।

## जोबा गांधी ने गुवा के शहीदों को किया याद



श्रद्धांजलि देतीं जोबा गांधी

● फोटोन न्यूज

MANOHARPUR : गुवा गोलीकांड की बरसी पर श्रद्धांजलि देने गुवा जाने के क्रम में सांसद जोबा गांधी ने गोइलकेरा के कैमर और मनोहरपुर के सलाय में शहीद स्मारक पर पुष्प अर्पित कर शहीदों को श्रद्धांजलि दी। कैमर चौक में गुवा गोलीकांड के शहीद ईश्वर सरदार के स्मारक पर पुष्प अर्पित किया। वहीं सलाय में भी शहीदों के स्मारक पर श्रद्धासुमन अर्पित किया। इस मौके पर गुवा के शहीद अमर रहे... के नारे लगाए गए। इसके बाद सांसद गुवा में आयोजित विशाल श्रद्धांजलि सभा सह परिषपति वितरण कार्यक्रम के लिए रवाना हो गईं। इस मौके पर सांसद के पुत्र व झामुमो नेता जगत मांडी, तरकटकोचा के मुखिया गणेश बोदरा, गोइलकेरा झामुमो के प्रखंड अध्यक्ष मनसुख गोप, बीस सूत्री कार्यक्रम कार्यान्वयन समिति के अध्यक्ष अक्षर खान, मजेंद्र गंडू, डॉक्टर महतो, वही सलाय में पूर्व विधायक मंगल सिंह बोबीगा, पूर्व जिला सदस्य बामिया मांडी, मुखिया राजू सांडिल, झामुमो के वरिष्ठ नेता मोहम्मद तबारक, कांसेसी नेता कुतुबुद्दीन खान, दीपक प्रधान, सोनू सिरका समेत सैकड़ों ग्रामीण शामिल थे।

## बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार के खिलाफ गोइलकेरा रहा बंद



बाजार में बंद रहती दुकानें

● फोटोन न्यूज

GOILKERA : बांग्लादेश में मंदिरों व हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार के विरोध में हिंदू समाज की ओर से रविवार को आहूत गोइलकेरा बंद का व्यापक अरर देखने को मिला। सुबह से ही बाजार के दुकान-प्रतिष्ठान बंद रहे। पेट्रोल पंप में भी बंद का अरर देखने को मिला। छोटे-बड़े वालों का परिचालन बाधित रहा, हालांकि दूध, दवा आदि आवश्यक वस्तुओं की दुकानों व परिवहन को बंद से मुक्त रखा गया। बता दें कि पिछले

दिनों सुखदेव लकड़ा की अध्यक्षता में स्थानीय लोगों ने सर्वसम्मति से बंद का निर्णय लिया था। रविवार को भी हिंदू समाज के बंद समर्थकों ने बाजार में घूम-घूम कर बंद को सफल बनाने की अपील की थी। इस दौरान हिंदू समाज के रविंद्र प्रसाद गुप्ता, साकेत वाजपेयी, सुमित सेन, मुकेश चौधरी, गणेश गुप्ता, संदीप ठाकुर, अनुभव शुक्ला, साहिल भुइयां, अरुण जायसवाल, लालू गुप्ता, आशीष जायसवाल समेत अन्य सक्रिय रहे।



## यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते, रमन्ते तत्र देवताः को ही सिद्ध करती है तुलसीदास जी रचित रामचरित मानस

तुलसीदास जी रचित रामचरित मानस में नारियों को सम्मान जनक रूप में प्रस्तुत किया है। जिससे 'यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते, रमन्ते तत्र देवताः' ही सिद्ध होता है। नारियों के बारे में उनके जो विचार देखने में आते हैं उनमें से कुछ इस प्रकार हैं:-  
**धीरज, धर्म, मित्र अरु नारी।  
आपद काल परखिए चारी।।**

अर्थात् धीरज, धर्म, मित्र और पत्नी की परीक्षा अति विपत्ति के समय ही की जा सकती है। इंसान के अच्छे समय में तो उसका हर कोई साथ देता है, जो बुरे समय में आपके साथ रहे वही आपका सच्चा साथी है। उसीके ऊपर आपको सबसे अधिक भरोसा करना चाहिए।  
**जननी सम जानहिं पर नारी।  
तिन्द के मन सुभ सदन तुम्हारे ।।**

अर्थात् जो पुरुष अपनी पत्नी के अलावा किसी और स्त्री को अपनी मां सामान समझता है, उसी के हृदय में भगवान का निवास स्थान होता है। जो पुरुष दूसरी नारियों के साथ संबंध बनाते हैं वह पापी होते हैं, उनसे ईश्वर हमेशा दूर रहता है।  
**मूढ तोहिं अतिसय अभिमाना ।  
नारी सिखावन करसि काना ।।**

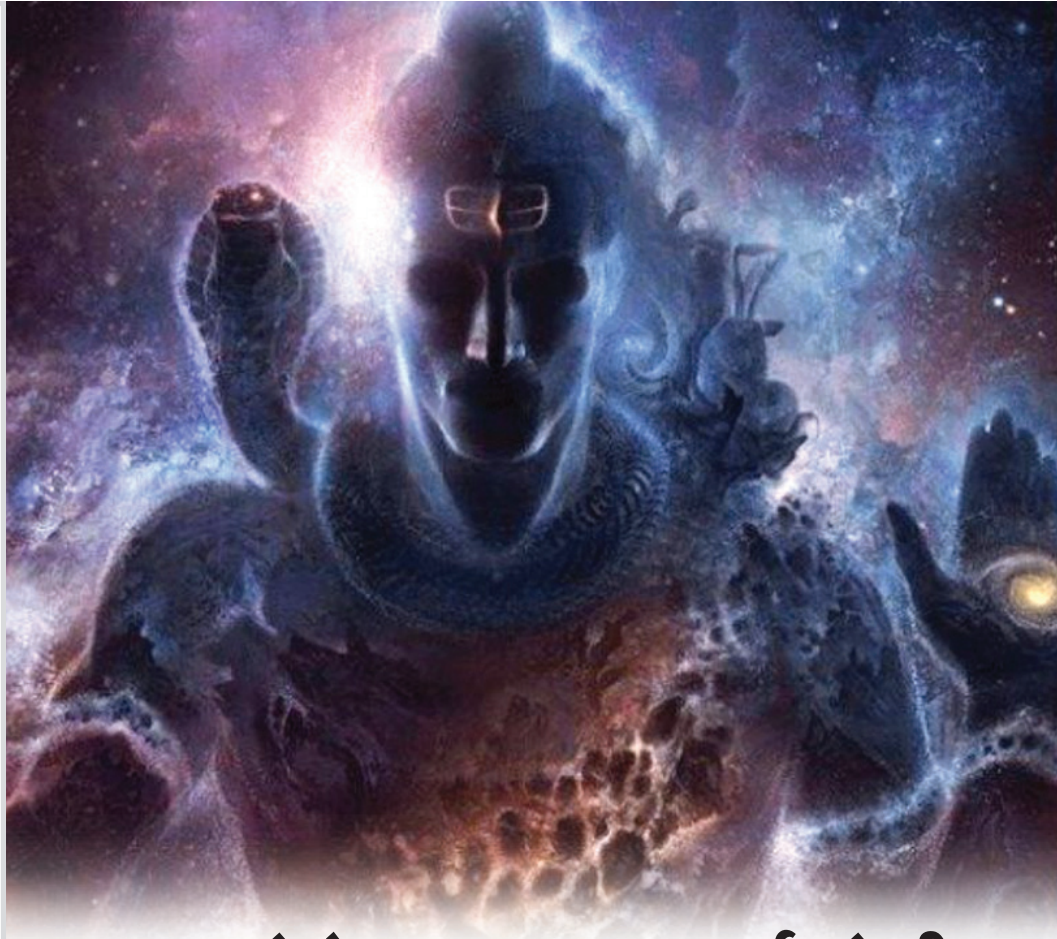
अर्थात् भगवान राम सुग्रीव के बड़े भाई बाली के सामने स्त्री के सम्मान का आदर करते हुए कहते हैं, दुष्ट बाली तुम अज्ञानी पुरुष तो हो ही लेकिन तुमने अपने घमंड में आकर अपनी विद्वान् पत्नी की बात भी नहीं मानी और तुम हार गए। मतलब अगर कोई आपको अच्छी बात कह रहा है तो अपने अभिमान को त्यागकर उसे सुनना चाहिए, क्या पता उससे आपका फायदा ही हो जाए।  
**तुलसी देखि सुबेषु भूलहिं  
मूढ न चतुर न सुन्दर ।  
केकिही पेषु बचन सुधा  
सम असन अहि ।।**

अर्थात् तुलसीदास जी कहते हैं सुन्दर लोगों को देखकर मुर्ख लोग ही नहीं बल्कि चालाक मनुष्य भी धोखा खा जाता है। सुन्दर मोरों को ही देख लीजिए उनकी बोली तो बहुत मीठी है लेकिन वह सांप का सेवन करते हैं। इसका मतलब सुन्दरता के पीछे नहीं भागना चाहिए। चाहे कोई भी हो। तमाम सीमाओं और अंतर्विरोधों के बावजूद तुलसी लोकमानस में रमे हुए कवि हैं। उनका सबसे प्रचलित दोहा जिसे सबने अपने तरीके से तोड़-मरोड़ कर प्रस्तुत किया। हमेशा विवादों के घेरे में आ जाता है। कई महिला संगठनों ने तो इसका घोर विरोध भी किया।  
**प्रभु भल कीन्ह मोहि सिख दीन्है।  
मरजादा पुनि तुम्हरी कीन्है।  
ढोल गंवार सुद पसु नारी।  
सकल ताड़ना के अधिकारी।**

अर्थात् प्रभु ने अच्छा किया जो मुझे शिक्षा दी (दंड दिया), किंतु मर्यादा (जीवों का स्वभाव) भी आपकी ही बनाई हुई है। ढोल, गंवार, शूद्र, पशु और स्त्री ये सब शिक्षा के अधिकारी हैं।  
कुछ लोग इस चौपाई का अपनी बुद्धि और अतिज्ञान के कारण विपरीत अर्थ निकालकर तुलसी दास जी और रामचरित मानस पर आक्षेप लगाते हुए अक्सर दिख जाते हैं। सामान्य समझ की बात है कि अगर तुलसीदास जी स्त्रियों से द्वेष या घृणा करते तो रामचरित मानस

में उन्होंने स्त्री को देवी समान क्यों बताया? और तो और- तुलसीदास जी ने तो-

**एक नारिव्रतर सब झारी।  
ते मन बच क्रम पतिहितकारी।**  
अर्थात्, पुरुष के विशेषाधिकारों को न मानकर दोनों को समान रूप से एक ही व्रत पालने का आदेश दिया है। साथ ही सीता जी की परम आदर्शवादी महिला एवं उनकी नैतिकता का चित्रण, उर्मिला के विरह और त्याग का चित्रण यहां तक कि लंका से मंदोदरी और त्रिजटा का चित्रण भी सकारात्मक ही है। सिर्फ इतना ही नहीं सुरसा जैसी राक्षसी को भी हनुमान द्वारा माता कहना, कैकेई और मंथरा भी तब सहानुभूति का पात्र हो जाती हैं जब उन्हें अपनी गलती का पश्चाताप होता है ऐसे में तुलसीदासजी के शब्द का अर्थ स्त्री को पीटना अथवा प्रताड़ित करना है ऐसा तो आसानी से हजम नहीं होता। इस बात का भी ध्यान रखना आवश्यक है कि तुलसीदास जी शूद्रों के विषय में तो कदापि ऐसा लिख ही नहीं सकते क्योंकि उनके प्रिय राम द्वारा शबरी, निषाद, केवट आदि मिलन के जो उदाहरण हैं वो तो और कुछ ही दर्शाते हैं।  
तुलसीदास जी ने मानस की रचना अवधी में की है और प्रचलित शब्द ज्यादा आए हैं, इसलिए 'ताड़न' शब्द को संस्कृत से ही जोड़कर नहीं देखा जा सकता, राजा दशरथ ने स्त्री के वचनों के कारण ही तो अपने प्राण दे दिए थे। श्री राम ने स्त्री की रक्षा के लिए रावण से युद्ध किया, रामायण के प्रत्येक पात्र द्वारा पूरी रामायण में स्त्रियों का सम्मान किया गया और उन्हें देवी बताया गया। असल में ये चौपाइयां उस समय कही गईं हैं जब समुद्र द्वारा श्रीराम की विनय स्वीकार न करने पर जब श्री राम क्रोधित हो गए और अपने तरकश से बाण निकाला तब समुद्र देव श्रीराम के चरणों में आए और श्रीराम से क्षमा मांगते हुए अनुनय करते हुए कहने लगे कि- हे प्रभु आपने अच्छा किया जो मुझे शिक्षा दी और ये ये लोग विशेष ध्यान रखने यानि, शिक्षा देने के योग्य होते हैं। ताड़ना एक अवधी शब्द है जिसका अर्थ पहचानना परखना या रेकी करना होता है। तुलसीदास जी के कहने का मतलब यह है कि अगर हम ढोल के व्यवहार (सुर) को नहीं पहचानते तो, उसे बजाते समय उसकी आवाज कर्कश होगी अतः उससे स्वभाव को जानना आवश्यक है।  
इसी तरह गंवार का अर्थ किसी का मजाक उड़ाना नहीं बल्कि उनसे है जो अज्ञानी हैं और उनकी प्रकृति या व्यवहार को जाने बिना उसके साथ जीवन सही से नहीं बिताया जा सकता। इसी तरह पशु और नारी के परिप्रेक्ष्य में भी वही अर्थ है कि जब तक हम नारी के स्वभाव को नहीं पहचानते उसके साथ जीवन का निर्वह अच्छी तरह और सुखपूर्वक नहीं हो सकता। इसका सीधा सा भावार्थ यह है कि ढोल, गंवार, शूद्र, पशु और नारी के व्यवहार को ठीक से समझना चाहिए और उनके किसी भी बात का बुरा नहीं मानना चाहिए। परन्तु दुर्भाग्य तुलसीदास जी रचित इस चौपाई को लोग अपने जीवन में भी उतारते हैं और रामचरित मानस को नहीं समझ पाते हैं।



## जब नवग्रहों के राजा भगवान सूर्य को भी शिवजी के कोप का शिकार बनना पड़ा

ब्रह्मवैवर्त पुराण में ऐसी है एक कथाभगवान शिव कितने भोले हैं यह तो सभी जानते हैं। कभी वह शिवलिंग के ऊपर बंधे घंटे को चोरी करने वाले को अपना भवत मान लेते हैं। तो कभी पेड़ पर चढ़े शिकारी के यूँ ही बेलपत्र तोड़कर नीचे फेंकने को उसकी भक्ति समझ लेते हैं। यही नहीं उससे प्रसन्न होकर वह उसे सर्वस्य दे भी देते हैं। इससे इतर भोले भंडारी को यदि क्रोध आ जाए तो वह कितना विकराल रूप ले लेता है। इसका उदाहरण भी धर्म शास्त्रों में देखने को

मिलता है। 18 पुराणों में सबसे प्राचीनतम पुराण ब्रह्मवैवर्त पुराण में ऐसी ही एक कथा मिलती है जब नवग्रहों के राजाभिराज भगवान सूर्य को भी शिवजी के कोप का शिकार बनना पड़ा। आइए जानते हैं क्या है पूरी कहानी?

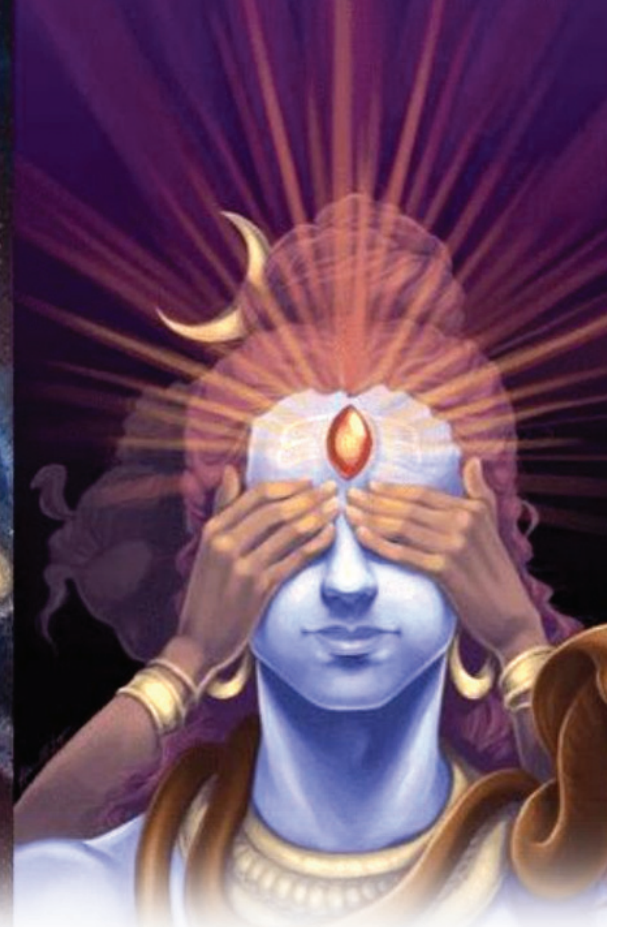
**इसलिए आया था अवदरदानी को गुस्सा**  
मनुष्य, देवता या फिर दैत्य जो भी भगवान शिव की शरण में पहुंचता है। वह बिना किसी भेदभाव के सभी पर कृपा करते हैं। एक बार दैत्य माली और सुमाली भी उनकी शरण में



## ऐसा क्या हुआ देवी लक्ष्मी ने रुला दिया भगवान विष्णु को

कहते हैं कि जिस भी घर में भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी की पूजा की जाती है वहां सुख-शांति का वास होता है। दंपत्य जीवन भी सुखमय होता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि इक बार ऐसा भी हुआ कि श्री हरि को भी माता लक्ष्मी की वजह से रोना पड़ा। आइए जानते हैं क्या है पूरी कहानीजब श्री हरि के संग होने की बात कही देवी लक्ष्मी नेपौराणिक कथाओं में जिद्ध मिलता है कि एक बार श्री हरि धरती पर भ्रमण के लिए जा रहे थे। तभी देवी लक्ष्मी ने उनके साथ चलने की अनुमति मांगी। कई बार कहने पर भगवान विष्णु ने कहा कि वह साथ चल सकती हैं लेकिन उन्हें एक शर्त माननी होगी। उन्होंने कहा कि धरती पर कैसी भी स्थिति आए लेकिन उन्हें उत्तर दिशा की ओर नहीं देखना है। देवी लक्ष्मी भी भगवान की शर्त मान लेती हैं और साथ चल देती हैं। इस तरह खुद को रोक न सके भगवान और रो पड़ेकथा मिलती है कि जब श्री विष्णु और माता लक्ष्मी पर भ्रमण कर रहे थे। तभी देवी की नजर उत्तर दिशा की ओर पड़ी। उस ओर इतनी हरियाली थी कि वह खुद को रोक न सकी और सामने दिख रहे बगीचे में चली

गई। इसके बाद उन्होंने उस बाग से एक पुष्प तोड़ लिया और भगवान विष्णु के पास वापस आई। उन्हें देखते ही श्री हरि रो पड़े। तभी माता लक्ष्मी को उनकी शर्त याद आई। तब भगवान विष्णु ने कहा कि बिना किसी से पूछे उसकी किसी भी वस्तु को छूना अपराध है। लक्ष्मीजी को इस वजह से बनना पड़ा दासीदेवी लक्ष्मी को अपनी गलती का अहसास हुआ और उन्होंने भगवान से क्षमा मांगी। लेकिन श्रीहरि ने कहा कि इस गलती की माफ़ी उस बगीचे का माली ही दे सकता है। उन्होंने कहा कि अब उन्हें उस माली के घर में दासी बनकर रहना होगा। देवी लक्ष्मी ने उसी क्षण गरीब औरत का रूप धारण किया और सीधे उस माली के घर पहुंच गईं। माली ने उनसे कभी खेत में काम करवाया, कभी बगीचे में तो कभी घर में। लेकिन एक दिन उसे पता चला कि वह दासी कोई और नहीं माता लक्ष्मी हैं। तो वह रो पड़ा। किस्मत चमकाने वाली 6 अंगुठी, लोग करते हैं बहुत भरोसा ऐसे दासी बनीं मां लक्ष्मी ने भर दी माली की झोलीकथा के अनुसार माली ने मां लक्ष्मी से क्षमा-याचना की और कहा कि जो कुछ उसने उनसे करवाया वह सब अज्ञानतावश था। इसके लिए वह उसे माफ कर दें। मां लक्ष्मी ने मुस्कुराते हुए कहा कि जो भी वह नियति थी। इसमें उसका कोई दोष नहीं है। लेकिन जिस तरह उसने मां को अपने परिवार का सदस्य समझा। उसके लिए वह उसे आजीवन सुख-समृद्धि का वरदान देती हैं। देवी लक्ष्मी ने कहा कि माली और उसके परिवार के सदस्यों को जीवन में किसी भी तरह का कष्ट नहीं भोगना पड़ेगा। इतना कहकर देवी अंतर्धान होकर विष्णु लोक वापस चली गईं।



अपनी पुकार लेकर पहुंचे। वह गंभीर शारीरिक पीड़ा से त्रस्त थे। सूर्य देव की अवहेलना से उन्हें इस ब्याधि से भी मुक्ति नहीं मिल रही थी। अपनी करुण पुकार लेकर वह भगवान शिव की शरण में पहुंचे।

**तब कश्यप नंदन सूर्य**

**पर शिव ने किया प्रहार**

ब्रह्मवैवर्त पुराण के अनुसार भगवान शिव अपनी शरण में आए दैत्य माली-सुमाली की दारुण व्यथा सुनकर अत्यंत क्रोधित हुए। उन्होंने कश्यप नंदन सूर्य पर अपने त्रिशूल से प्रहार कर दिया। उस समय संपूर्ण लोकों को प्रकाशित करने वाले सूर्य देव अपने सात घोड़ों के रथ पर विराजमान थे। वह भोलेनाथ का प्रहार सहन नहीं कर पाए और रथ से नीचे गिर कर अचेत हो गए। उनके गिरते ही संपूर्ण सृष्टि अंधकार में डूब गई।

**कश्यप ऋषि ने दिया**

**भगवान शिव को शाप**

संपूर्ण जगत में अधियारा होने पर सूर्य देव के पिता कश्यप ऋषि को अपने पुत्र की चिंता हुई। जैसे ही वह भगवान सूर्य के पास पहुंचे तो उन्हें पता चला कि उनके पुत्र पर भगवान शिव ने प्रहार किया है। वह क्रोध से आग बबूला हो गए और अपना संयम खो बैठे। आवेश में आकर उन्होंने शिवजी को शाप दे डाला। उन्होंने कहा कि जिस तरह से आज वह अपने पुत्र की हालत पर रो

रहे हैं। एक दिन उन्हें भी ऐसे ही दुःखी होना पड़ेगा। वह भी पुत्र कष्ट से रोएंगे।

**ऐसे दिया भोले ने  
सूर्य देव का जीवन दान**

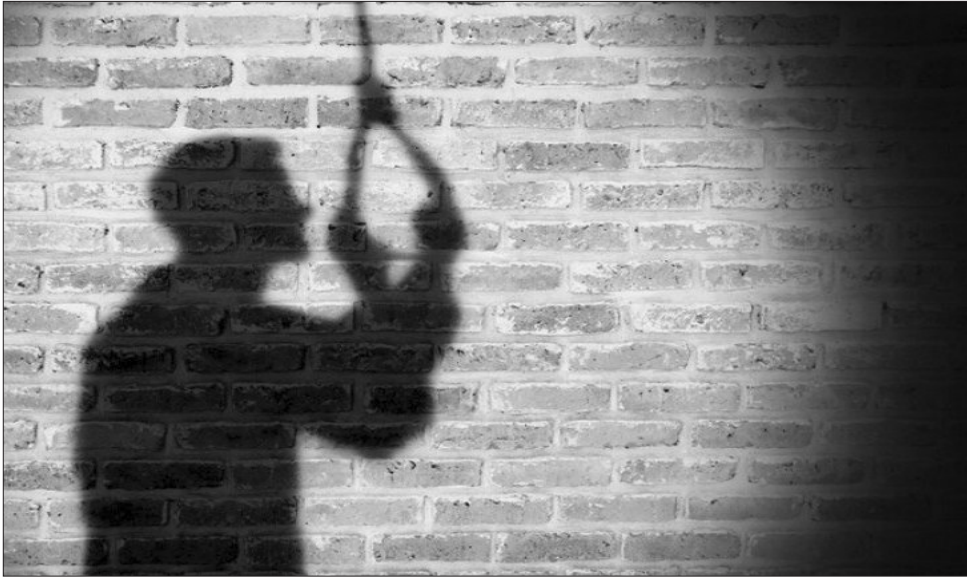
कुछ ही क्षणों में जब भगवान शिव का क्रोध शांत हुआ तो उन्होंने देखा कि संपूर्ण सृष्टि में अंधकार होने से हाहाकार मचा है। उन्होंने सूर्य देव को जीवन दान दिया। तभी शिवजी को ऋषि कश्यप के शाप के बारे में पता चला। उन्होंने सभी का त्याग करने का निश्चय किया। यह सुनकर ब्रह्माजी भगवान सूर्य के पास पहुंचे। उन्हें उनके कार्य का दायित्व सौंपा। इसके बाद शिवजी, ब्रह्मा और ऋषि कश्यप सभी ने सूर्य को आशीर्वाद दिया और अपने-अपने स्थान पर वापस चले गए थे पौधे दूर कर देते हैं लाइफ की सारी टेंशन, मनचाही मुरादे भी करते हैं पूरीमाली-सुमाली की व्याधि भी हुई दूरसूर्य जैसे ही अपनी राशि पर आरूढ़ हुए माली-सुमाली पुनः शारीरिक कष्ट से जुझने लगे। तब ब्रह्मा जी ने स्वयं ही दोनों दैत्यों को सूर्य की उपासना का महत्व समझाया और कहा कि पूरी निष्ठा से उनकी उपासना करें। उनकी कृपा से ही वह पूर्ण रूप से निरोगी होंगे। तब माली-सुमाली ने ब्रह्मा जी के कहे अनुसार सूर्य देव की पूजा-आराधना की। उनकी पूजा से प्रसन्न होकर सूरज देवता ने उनकी समस्त शारीरिक व्याधियों का अंत कर दिया।



## स्वामी विवेकानंद ने समझाया पाप और पुण्य का अर्थ

यह घटना 1899 की है। उन दिनों कलकत्ता में प्लेग फैला हुआ था। कलकत्ता में शायद ही कोई ऐसा घर बचा था जिसमें इस रोग का प्रवेश न हुआ हो। प्लेग ने असमय ही अनेक लोगों को मौत की नींद सुला दिया। यह देखकर हर ओर त्राहि-त्राहि मच गई। जिस भी घर का प्राणी मरता, वहां रोग की चीत्कारें गुंजन लगती थीं। सभी परेशान थे ऐसे में स्वामी विवेकानंद, उनके कई शिष्य स्वयं रोगियों की सेवा करते रहे। वे नगर की गलियां और बाजार साफ करते और जिस घर के मरीज इस बीमारी की चपेट में आ गए थे, उन्हें दवा आदि देकर उनका उपचार करते। तभी कुछ पंडितों की मंडली स्वामी जी के पास आई और बोली, 'स्वामीजी, आप यह ठीक नहीं कर रहे हैं। इस धरती पर पाप बहुत बढ़ गया है इसलिए इस महामारी के रूप में भगवान लोगों को दंड दे रहे हैं। आप लोगों को बचाने का यत्न कर रहे हैं। ऐसा करके जाने अनजाने आप भगवान के कार्यों में बाधा डाल रहे हैं जो अच्छी बात नहीं है।' यह सुनकर स्वामीजी गंभीरता से बोले, 'आप सब यह तो जानते ही होंगे कि मनुष्य इस जीवन में अपने कर्मों के कारण कष्ट और सुख पाता है। ऐसे में जो व्यक्ति कष्ट से पीड़ित है और तड़प रहा है, यदि दूसरा व्यक्ति उसके घावों पर मरहम लगा देता है और उसके कष्ट को दूर करने में मदद करता है तो वह स्वयं ही पुण्य का अधिकारी बन जाता है। अब यदि आपके अनुसार प्लेग से पीड़ित लोग पाप के भागी हैं तो भी हमारे जो सेवक इनकी मदद कर रहे हैं, वे तो पुण्य के भागी बन ही रहे हैं न! बोलिए इस संदर्भ में आपका क्या कहना है?' स्वामीजी की बात सुनकर सभी पंडित भाँवके रह गए और चुपचाप सिर झुकाकर वहां से चले गए।

## क्यों युवा और कारोबारी कर रहे खुदकुशी



ही होगा। हमने युवाओं, कारोबारियों और अन्य लोगों के आत्म हत्या करने के कारणों और इस समस्या के हल तलाशने के लिए विश्व आत्महत्या निवारण दिवस ( 12 सितंबर) को राजधानी दिल्ली में एक महत्वपूर्ण सेमिनार का भी आयोजन किया है, जहां पर मनोचिकित्सक, पत्रकार और सोशल वर्कर अपने अनुभवों के आधार पर अपने पेपर पढ़ेंगे। उन निष्कर्षों के बाद हम आगे की रणनीति बनाएंगे।

कुछ कोचिंग सेंटर चलाने वाले भी इस तरह के प्रयास तो कर रहे हैं ताकि छात्र बहुत दबाव में न रहें। राजधानी के एक कोचिंग सेंटर के प्रमुख ने बताया कि हम छात्रों की लगातार काउंसलिंग भी करते रहते हैं। उनके अभिभावकों के भी संपर्क में रहते हैं। कहा जाता है कि भारत में दुनिया भर में सबसे अधिक युवा आत्महत्या दर है। इस बीच, राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के अनुसार, 2020 में हर 42 मिनट में एक छात्र ने अपनी जान दे दी। यह आंकड़ा सच में डराता है।

देखिए, नौजवानों को बिल्कुल रीलेक्स माहौल देना होगा माता-पिता और उनके अध्यापकों को, ताकि वे बिना किसी दबाव में पढ़ें या जो भी करना चाहते हैं, करें।

हरियाणा के सोनीपत में सेंट स्टीफंस कैम्ब्रिज स्कूल चलाने वाली दिल्ली ब्रदरहुड सोसायटी (डीबीएस) के अध्यक्ष और सोशल वर्कर ब्रदर सोलोमन जॉर्ज कहते हैं कि हम पूरी तरह से सुनिश्चित करते हैं कि हमारे स्कूल या सेंट स्टीफंस कॉलेज में पढ़ने वाले बच्चे बिना किसी दबाव में पढ़ें-लिखें। हम अपने अध्यापकों को भी क्लास लेते हैं कि किसी भी बच्चे के साथ कक्षा में उसकी जाति न पूछी जाए और या न ही उसके पिता की आय। कुछ गैर-जिम्मेदार अध्यापक अपने विद्यार्थियों से इस तरह के गैर-जरूरी सवाल पूछते हैं। फिर वे एक ही कक्षा में पढ़ने वाले बच्चों की एक-दूसरे से तुलना भी करने लगते हैं। इस कारण वे जाने-अनजाने एक बच्चे को बहुत सारे बच्चों को कमजोर साबित कर देते हैं। जाहिर है, इस वजह से उस छात्र पर बहुत नकारात्मक असर पड़ता है जो कमतर साबित कर दिया गया होता है। इसी तरह के बच्चे कई बार निराशा और अवसाद में डूब जाते हैं। देखिए बच्चे को पालना एक बीस वर्षीय प्लान है। कौन नहीं चाहता कि उसका बच्चा समाज में ऊंचा मुकाम हासिल करे, शोहरत-नाम कमाए? पर इन सबके लिए जरूरी है कि बच्चे को उसकी काबिलियत और पसंद के अनुसार मनचाहा करियर चुनने की आजादी भी दी जाए। यह एक कड़वा सच है कि हमारे समाज में सफलता का पैमाना अच्छी नौकरी, बड़ा घर और तमाम दूसरी सुख-सुविधाएं ही मानी जाती है। अफसोस कि हम भविष्य के चक्कर में अपने बच्चों को आत्महत्या जैसे कदम उठाने पर मजबूर करने लगे हैं। ब्रदर सोलोमन जॉर्ज कहते हैं कि हम अपने यहां बच्चों को इस बात के लिए तैयार करते हैं कि वे कठिन परिस्थितियों का भी सामना करें। असफलता से हार मान लेने से जीवन नहीं चलता। यह तो कायरता है। महान कवि पद्मभूषण डॉ. गोपाल दस नीरज की पंक्तियां याद आ रही हैं, 'छुप- छुप अश्रु बहाने वालों, जीवन व्यर्थ लुटाने वालों, एक सपने के मर जाने से, जीवन नहीं मरा करता है।' सफलता और असफलता का चक्र तो चला करता है। उसे स्वीकार करने में ही भला है।

जैसा कि मैंने ऊपर जिक्र किया कि बीते दिनों एक अरबपति बिजनेसमैन ने राजधानी के अपने भव्य बंगले में गोली मारकर सुसाइड कर लिया है। पुलिस पूरे मामले की जांच में जुट गई है। कहा जा रहा है कि बिजनेस में नुकसान होने के कारण ही साइकिल बनाने वाली कंपनी के मालिक ने आत्महत्या की।

राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के आंकड़ों से पता चला है कि 2020 में, जब कोविड- की लहर ने व्यापार को तबाह कर दिया था, तब 11,716 व्यापारियों ने आत्महत्या की थी, जो 2019 की तुलना में 29% अधिक थी, जब 9,052 व्यापारियों ने अपनी जान ले ली थी। कर्नाटक में 2020 में व्यवसायियों द्वारा आत्महत्या से सबसे अधिक मौतें (1,772) दर्ज की गईं - जो 2019 से 103% अधिक है, जब राज्य में 875 व्यवसायियों ने अपनी जान ले ली थी। महाराष्ट्र में 1,610 व्यवसायियों ने आत्महत्या की, जो पिछले वर्ष से 25% अधिक है, और तामिलनाडु में 1,447 की मृत्यु हुई, जो 2019 से 36% अधिक है। यह सबको पता है कि भारत के व्यवसायी समुदाय का बड़ा हिस्सा सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों से जुड़ा है, जो बड़े इंटकों को सहन नहीं कर पाता है। इसके चलते कई कारोबारियों ने कर्ज में डूबने या बिजनेस में नुकसान के कारण आत्महत्या कर ली। लखनौ लुआब यह है कि भारत में युवाओं और कारोबारियों के साथ - साथ अन्य लोगों के आत्महत्या की बढ़ती घटनाओं को भी प्रभावी ढंग से रोकना ही होगा।

(लेखक वरिष्ठ संपादक, स्तंभकार और पूर्व सांसद हैं)

बी ते सालों की तरह इस बार भी सारे देश ने 5 सितंबर को गर्मजोशी से अध्यापक दिवस मनाया। सोशल मीडिया पर तो अध्यापकों का उनके राष्ट्र निर्माण में योगदान के लिए विशेष रूप से आभार व्यक्त किया जा रहा था। पर अब सुधी अध्यापकों, मनोचिकित्सकों और अन्य जागरूक नागरिकों को यह भी सोचना होगा कि नौजवानों का एक बड़ा वर्ग निराशा और नाकामयाबी की स्थितियों में अपनी जीवनलीला खत्म करने पर क्यों आमादा है। अब शायद ही कोई दिन ऐसा गुजरता हो जब अखबारों में किसी प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी करने वाले युवा के खुदकुशी करने संबंधी दिल दहलाने वाला समाचार ना छपता हो। यह बेहद गंभीर मसला है और इस पर सारे देश को सोचना होगा। इसी तरह से आजकल बिजनेस में घाटा होने के कारण भी आत्म हत्या करने वालों की तादाद लगातार बढ़ती ही चली जा रही है। अभी कुछ दिन पहले एक साइकिल बनाने वाली मशरूफ कंपनी के अरबपति मालिक ने भी खुदकुशी कर ली थी।

पिछले साल 6 दिसंबर को लोकसभा में बताया गया था कि देश में 2019 से 2021 के बीच 35,000 से ज्यादा छात्रों ने आत्महत्या की। छात्रों के खुदकुशी करने के मामले 2019 में 10,335 से बढ़कर 2020 में 12,526 और 2021 में 13,089 हो गए। इसमें कोई शक नहीं है किसी भी हालत में किसी खास परीक्षा में सफल होने के लिए माता-पिता, अध्यापकों और समाज का भारी दबाव और अपेक्षाएं छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य पर घातक प्रभाव डाल रही हैं। राजस्थान का एक शहर है कोटा। यहां पर हर साल एक अनुमान के मुताबिक, हजारों नहीं लाखों छात्र - छात्राएँ देश के शीर्ष कॉलेजों में से एक में प्रवेश पाने की उम्मीद में कोटा पहुंचते हैं। इनके जीवन का एक ही लक्ष्य होता है कि किसी तरह से आईआईटी/एनआईटी या मेडिकल की प्रवेश परीक्षा को क्रेक कर लिया जाए। आप कोटा या फिर देश के किसी भी अन्य शहर में चले जाइये जहां पर मेडिकल और इंजीनियरिंग कॉलेजों के साथ-साथ सिविल सेवाओं वगैरह के लिए कोचिंग संस्थान चल रहे हैं। वहां पर छात्र अत्यधिक दबाव और असफलता के डर से मनोवैज्ञानिक रूप से बहुत कष्ट की स्थिति में हैं। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) के पूर्व अध्यक्ष डॉ. विनय अग्रवाल कहते हैं कि हमें खुदकुशी के बढ़ते मामलों पर सिर्फ चिंता ही व्यक्त नहीं करनी। हमें इसे रोकना



आर.के.सिन्हा

हमने युवाओं, कारोबारियों और अन्य लोगों के आत्म हत्या करने के कारणों और इस समस्या के हल तलाशने के लिए विश्व आत्महत्या निवारण दिवस ( 12 सितंबर) को राजधानी दिल्ली में एक महत्वपूर्ण सेमिनार का भी आयोजन किया है, जहां पर मनोचिकित्सक, पत्रकार और सोशल वर्कर अपने अनुभवों के आधार पर अपने पेपर पढ़ेंगे। उन निष्कर्षों के बाद हम आगे की रणनीति बनाएंगे।

## संपादकीय

### पुतिन का सकारात्मक रुख

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की रूस और यूक्रेन की यात्रा के बाद रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने बुधस्मितवार को व्लादिवास्तोक में ईस्टर्न इकोनॉमिक फोरम (ईईएफ) को संबोधित करते हुए कहा कि वह यूक्रेन के साथ बातचीत करने के लिए तैयार हैं। उनके इस सकारात्मक रुख से आशा जगी है कि यूक्रेन संघर्ष आने वाले दिनों में व्यापक रूप नहीं लेगा। अमेरिका और नाटो सैनिक संगठन के देशों ने यदि गैर-जिम्मेदाराना



रवैया नहीं अपनाया तो संवाद और कूटनीति के जरिए यूक्रेन संघर्ष का समाधान संभव है। शांति वार्ता की जमीन तैयार करने के लिए राष्ट्रपति पुतिन ने ब्रिक्स के तीन सदस्य देशों भारत, चीन और ब्राजील को शामिल किया है। उनका विश्वास है कि यह तीनों देश संघर्ष को समाप्त करने के लिए ईमानदारी से कोशिश कर रहे हैं। यूक्रेन संघर्ष को समाप्त करने के बारे में राष्ट्रपति पुतिन का यह वक्तव्य ऐसे समय आया है जब अगले महीने यानी अक्टूबर में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन का आयोजन रूस के कजाख में होने जा रहा है। इस शिखर वार्ता में मोदी और पुतिन के बीच वार्ता संभावित है। ऐसा संभव है कि यह तीनों नेता यूक्रेन संघर्ष को समाप्त करने की दिशा में कोई योजना तैयार करें। राष्ट्रपति पुतिन ने ईईएफ को संबोधित करते हुए युद्ध की शुरुआत में ही इस्तांबुल में दोनों पक्षों के बीच हुई शांति वार्ता से संबंधित समझौते का जिक्र किया जो अमल में नहीं आया। यह समझौता आगे की शांति वार्ता का आधार बन सकता है। यूक्रेन संघर्ष के समाधान में चीन और ब्राजील के मुकाबले भारत की भूमिका ज्यादा प्रमुख हो सकती है। प्रधानमंत्री मोदी ने पुतिन से स्पष्ट शब्दों में कहा था कि यह युग युद्ध का नहीं है। इसी तरह यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेन्स्की से भी कहा कि भारत ने कभी तटस्थता की नीति का अनुसरण नहीं किया। इस पूरे मामले में भारत का रूप स्पष्ट है। वह दोनों पक्ष की सहमति के बाद ही मध्यस्थ बन सकता है। किसी भी शांति में प्रक्रिया में भारत इसी शर्त पर शामिल हो सकता है जब राष्ट्रपति जेलेन्स्की भी इसके लिए तैयार हों। अब आगे देखिए होता है क्या?

### चिंतन-मनन

### सृष्टि के परम स्वामी कृष्ण

मनुष्य को जानना चाहिए कि भगवान कृष्ण ब्रह्मांड के सभी लोकों के परम स्वामी हैं। वे सृष्टि के पूर्व थे और अपनी सृष्टि से भिन्न हैं। सारे देवता इसी भौतिक जगत में उत्पन्न हुए, किंतु कृष्ण अजन्मा हैं, फलतः वे ब्रह्मा और शिव जैसे देवताओं से भी भिन्न हैं। और चूंकि वे ब्रह्मा, शिव तथा अन्य समस्त देवताओं के स्रष्टा हैं अतः समस्त लोकों के परम पुरुष हैं। परमेश्वर का ज्ञान प्राप्त करने के लिए मनुष्य को समस्त पापकर्मों से मुक्त होना चाहिए। जैसे कि भगवद्गीता में कहा गया है, उन्हें केवल भक्ति के द्वारा जाना जा सकता है, किसी अन्य साधन से नहीं। मनुष्य को चाहिए कि वह कृष्ण को साधारण मनुष्य न समझे। इस जगत में शुभ या अशुभ वस्तुओं का बोध बहुत कुछ मनोधर्म है क्योंकि इस भौतिक जगत में कुछ भी शुभ नहीं है। प्रत्येक वस्तु अशुभ है। क्योंकि इस सृष्टि स्वयं अशुभ है। हम इसे शुभ मानने की कल्पना मात्र करते हैं। वास्तविक मंगल तो पूर्ण भक्ति और सेवाभाव से युक्त कृष्णभावनामृत पर ही निर्भर करता है। अतः यदि हम तनिक भी चाहते हैं कि हमारे कर्म शुद्ध हों, तो हमें परमेश्वर की आज्ञा से कर्म करना होगा। ऐसी आज्ञा श्रीमद्भगवत तथा श्रीमद्गीता जैसे शास्त्रों या प्राणामिक गुरु से प्राप्त की जा सकती है। चूंकि गुरु भगवान का प्रतिनिधि होता है, अतः उसकी आज्ञा प्रत्यक्षतः परमेश्वर की आज्ञा होती है। गुरु, साधु तथा शास्त्र एक ही प्रकार से आज्ञा देते हैं। इन तीनों स्रोतों में कोई विरोध नहीं होता। कर्म संपन्न करते हुए भक्त की दिव्य मनोवृत्ति वैराग्य की होती है, जिसे संन्यास कहते हैं। जैसा कि भगवद्गीता के छठे अध्याय के प्रथम श्लोक में कहा गया है कि जो भगवान का आदेश मानकर कोई कर्तव्य करता है और जो अपने कर्मफलों की शरण ग्रहण नहीं करता, वही असली संन्यासी है। जो भगवान के निर्देशानुसार कर्म करता है, वास्तव में संन्यासी और योगी वही है।



ललित गर्ग

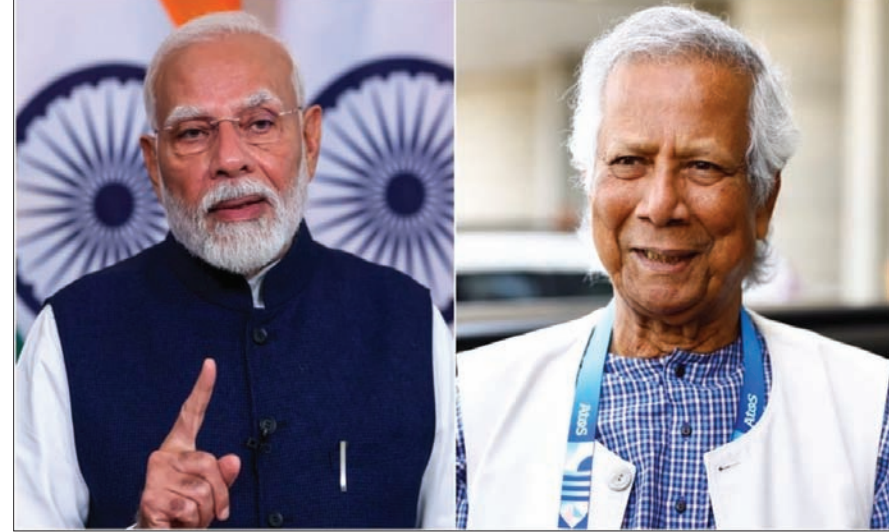
जै नधर्म की त्याग प्रधान संस्कृति में पुरुषण पर्व का अपना अपूर्व एवं विशिष्ट आध्यात्मिक महत्व है। यह एकमात्र आत्मशुद्धि का प्रेरक पर्व है। इसीलिए यह पर्व ही नहीं, महापर्व है। संपूर्ण जैन समाज इस पर्व के अवसर पर जागृत एवं साधनारत हो जाता है। आठ दिनों की कठोर साधना के बाद मैत्री दिवस का आयोजन होता है। पुरुषण पर्व का हृदय है- 'क्षमापना दिवस' जिसे मैत्री दिवस भी कहते हैं। इस दिन अपनी भूलों या गलतियों के लिए क्षमा मांगना एवं दूसरों की भूलों को भूलना, माफ करना, यही इस पर्व को मनाने की सार्थकता सिद्ध करता है। यदि कोई व्यक्ति इस दिन भी दिल में उलझी गांठ को नहीं खोलता है, तो वह अपने सम्यग्दर्शन की विशुद्धि में प्रश्न चिन्ह खड़ा कर लेता है। क्षमायाचना करना, मात्र वाचिक जाल बिखाना नहीं है। परंतु क्षमायाचना करना अपने अंतर को प्रसन्नता से भरना है। बिछुड़े हुए दिलों को मिलाना है, मैत्री एवं करुणा की स्तौतिरचनी बहाना है। मैत्री पर्व का दर्शन बहुत गहरा है। मैत्री तक पहुंचने के लिए क्षमायाचना की तैयारी जरूरी है। क्षमा लेना और क्षमा देना मन परिष्कार की स्वस्थ परम्परा है। क्षमा मांगने वाला अपनी कृत भूलों को स्वीकृति देता है और भविष्य में पुनः न दुहराने का संकल्प लेता है जबकि क्षमा देने वाला आग्रह मुक्त होकर अपने ऊपर हुए आघात या हमलों को बिना किसी पूर्वाग्रह या निमित्तों को सह लेता है। क्षमा ऐसा विलक्षण आधार है जो किसी को मिटाता नहीं, सुधरने का मौका देता है। भगवान महावीर ने कहा-

'अहो ते खीत उतमा'-क्षाति उतम धर्म है। 'तितिकखं परमं नच्चा'-तितिक्षा ही जीवन का परम तत्व है, यह जानकर क्षमाशील बने। पुरुषण महापर्व से जुड़ा मैत्री पर्व मानव-मानव को जोड़ने व मानव हृदय को संशोधित करने का पर्व है, यह मन की खिड़कियों, रोशनदारों व दरवाजों को खोलने का पर्व है, जो एकाग्रता एवं एकांत आध्यात्मिक जिज्ञासाएं जगाकर एक समृद्ध एवं अलौकिक अनुभव तक ले जाता है। इस भीड़भाड़ से कहीं दूर सबसे पहली जो चीज व्यक्ति विकास पुरुषण की साधना से सीखता है वह है -'अनुशासनयुक्त मैत्रीमय जीवन'। यह विलक्षण साधना तनावमुक्ति का विशिष्ट प्रयोग है जिससे शरीर को आराम मिलता है, अपने अपको, अपने भीतर को, अपने सपनों को, अपनी आकांक्षाओं तथा उन प्राथमिकताओं को जानने का यह अचूक तरीका है, जो घटना-बहुल जीवन की दिनचर्या में देब कर रह गयी है। इस दौरान परिवर्तन के लिये कुछ समय देकर हम अपने भीतर जो चिज व्यक्ति विकास कर सकते हैं तथा साथ ही इससे अपनी आंतरिक प्रकृति को समझ सकते हैं, उसे उन्नत एवं समृद्ध बना सकते हैं। भगवान महावीर ने क्षमा यानि समता का जीवन जीया। वे चाहे किसी भी परिस्थिति आई हो, सभी परिस्थितियों में सम रहे। 'क्षमा वीरो का भूषण है'-महा-व्यक्ति ही क्षमा ले व दे सकते हैं। पुरुषण पर्व क्षमा के आदान-प्रदान का पर्व है। इस दिन सभी अपनी मन की उलझी हुई ग्रंथियों को मूलझाते हैं, अपने भीतर की राग-द्वेष की गांठों को खोलते हैं वह एक दूसरे से गले मिलते हैं। पूर्व में हुई भूलों को क्षमा के द्वारा समाप्त करते हैं व जीवन को पवित्र बनाते हैं। पुरुषण महापर्व का समापन मैत्री दिवस के साथ होता है। इस तरह से पुरुषण महापर्व एवं क्षमापना दिवस- यह एक दूसरे को निकटता में लाने का पर्व है। यह एक दूसरे को अपने ही समान समझने का पर्व है। गीता में भी कहा है -'आत्मोपन्येन सर्वत्र', समे परम्यति योजुर्न' -श्रीकृष्ण ने अर्जुन से कहा-हे अर्जुन ! प्राणीमात्र को अपने तुल्य समझो। भगवान महावीर ने कहा-'मिती में सब्ध भूयुः, वेदमञ्जण केण' सभी प्राणियों के साथ मेरी मैत्री है, किसी के साथ वैर नहीं है।



डॉ. दिलीप चौधे

बांग्लादेश में तख्ता पलट के एक महीने बाद ही यह स्पष्ट नहीं हुआ है कि देश की शोर जा रहा है। अमेरिका के समर्थन से सत्ता की बागडोर संभालने वाले मोहम्मद यूनस देश में लोकतंत्र की स्थापना करेगे अथवा सेवा को कठपुतली बने रहेंगे यह भी अभी साफ नहीं है। देश के लिए यूनस नोबेल पुरस्कार विजेता और गरीबों की खुशहाली के लिए आर्थिक क्रांति का वाहक बनने वाले व्यक्ति हैं लेकिन, हाल के वर्षों में उनकी गतिविधियां संदिग्ध रही हैं। प्रधामंत्री शेख हसीना ने मोहम्मद यूनस के कारनामों की जांच कर कर उन्हें हाशिये पर कर दिया था। छात्र आंदोलन के नाम पर देश में अराजकता पैदा कर यूनस को अब शेख हसीना से बदला लेने का मौका मिला है। अमेरिका सहित पश्चिमी देश भी इस फ़िराक में हैं कि वह नई हुकूमत के जरिए अपने भू राजनीतिक हितों को पूरा करें। यूनस के हालिया बयान भारत के लिए चिंता पैदा करते हैं। इतना ही नहीं मणिपुर में हाल में हुए ड्रोन और रॉकेट हमले से सुरक्षा एजेंसियों के कान खड़े हो गए



हैं। भारत को अब दोहरे खतरे का सामना है। एक और पड़ोस में पाकिस्तान जैसा एक विरोधी देश है वहीं मणिपुर सहित पूरे पूर्वोत्तर भारत में सुरक्षा चुनौतियां पैदा हो गई हैं। यूनस के हालिया बयानों से पता चलता है कि वह एक अपरिपक्व और गैर जिम्मेदाराना नेता हैं। वह भारत से मांग कर रहे हैं कि शेख हसीना को उनके कथित अपराधों के लिए बांग्लादेश को सौंपा जाए। उनका यह भी कहना है कि यदि शेख हसीना भारत में ही रहती हैं तो उन्हें अपना मुंह बंद रखना होगा। यूनस, कट्टरपंथी जमाते इस्लामी और हिफाजत इस्लाम जैसे संगठन बांग्लादेश का नया इतिहास लिख रहे हैं। इसमें 1971 के मुक्ति संघर्ष का अवमूल्यन किया जा रहा है।

मुक्ति वाहिनी के योद्धाओं और भारतीय सैनिकों के शौर्य और बलिदान को मिटाने की कोशिश की जा रही है। आज के माहौल में इस तरह के कुकृत्यों के खिलाफ विरोध करना आसान नहीं है। फिर भी बांग्लादेश का मौन बहुमत धीरे-धीरे अपनी आवाज बुलंद करने की कोशिश कर रहा है। हाल में पूरे बांग्लादेश में लाखों लोगों ने राष्ट्रगान 'आमार सोनार बांग्ला' का सामूहिक रूप से गायन किया। यह यूनस और कट्टरपंथी इस्लामी संगठनों को पहले चेतावनी है। उल्लेखनीय है कि जमाते इस्लामी गुरु देव रविंद्र नाथ टैगोर विरचित राष्ट्रगान को बदलना चाहती है। जाहिर है उसकी मंशा

मित्रता का भाव हमारे आत्म-विकास का सुरक्षा कवच है। आचार्य श्री तुलसी ने इसके लिए सात सूर्यों का निर्देश किया। मित्रता के लिए चाहिए- विश्वास, स्वार्थ-त्याग, अनासक्ति, सहिष्णुता, क्षमा, अभय, समन्वय। यह संपत्ति साधना जीवन की सार्थकता एवं सफलता की पुष्टभूमि है। विकास का दिशा-सूचक यंत्र है। मित्रता का यह पर्व आर्मांत्रित कर रहा है अपनी ओर, बाहें फैलाये हुए, हमें बिना कुछ सोचे, ठिठके बगैर, भागकर मित्रता की पगडंडी को पकड़ लेने के लिये। जीवन रंग-विरंग है, यह श्वेत है और श्याम भी। मित्रता की यही सरगम कभी कानों में जीवन्मरण बनकर धुलती है तो कहीं उठता है संशय का शोर। मित्रता को मजबूत बनाता है हमारा सन्कल्प, हमारी जीर्णोत्थि, हमारी सख्ती लेकिन उसके लिये चाहिए समर्पण एवं अपनत्व की गर्माहट। यह जीना सिखाता है, जीवन को रंग-विरंगी शकल देता है। प्रेरणा देता है कि ऐसे जिओ कि खुद के पार चले जाओ। ऐसा कर सके तो हर अशक्यता, हर कष्ट और हर लम्हा खूबसूरत होगा और साथ-साथ सुन्दर हो जायेगी जियन्गी।

मानवीय संवेदनाओं एवं आपसी रिश्तों की जर्मीं सूखती जा रही है ऐसे समय में एक दूसरे से जुड़े रहकर जीवन को खुशहाल बनाने और दिल में जाड़ू संवेदनाओं को जगाने का सशक्त माध्यम है मैत्री दिवस। क्षणिक और स्वार्थों पर टिकी मित्रता वास्तव में मित्रता नहीं, केवल एक पहचान मात्र होती है ऐसे मित्र कभी-कभी बड़े खतरनाक भी हो जाते हैं। जिनके लिए एक विचारक ने लिखा है- 'पहले हम कहते थे, हे प्रभु! हमें दुश्मनों से बचाना परन्तु अब कहना पड़ता है, हे परमात्मा, हमें दुश्मनों से बचना।' दुश्मनों से भी ज्यादा खतरनाक होते हैं दोस्त। विश्व मैत्री दिवस वैयक्तिक स्वार्थों को एक ओर रखकर औरों को सुख बांटने एवं दुःख बटोरने की मनोवृत्ति को विकसित करने का दुर्लभ अवसर प्रदत्त करता है। इस दिवस को मनाने का मूल हार्द यही है कि मित्रता में विचार-भेद और मत-भेद भले ही हों मगर मन-भेद नहीं होना चाहिए। क्योंकि विचार-भेद क्रांति लाता है जबकि मन-भेद विद्रोह।

## अमेरिका में मोदी यूनस मुलाकात

एक ऐसे मूलकी तराने की है जिसमें इस्लाम का गौरव गान हो। वास्तव में पड़ोसी देश में इस समय बंगाली अस्पिता और इस्लामी पहचान के बीच संघर्ष चल रहा है। आश्चर्य की बात है कि अमेरिका जैसे पश्चिमी देश इस्लामी पहचान की वकालत करने वाली ताकतों का समर्थन कर रहे हैं। इतना ही नहीं भारत सहित अनेक देशों के लोकतंत्र और उदारवाद समर्थक बुद्धिजीवी भी नई हुकूमत के समर्थन में तर्क दे रहे हैं। ये लोग इस हकीकत को नजरअंदाज कर रहे हैं कि इस्लामी कट्टरपंथ का जिन बोलतल से बाहर आ गया है जो धीरे-धीरे पूरे समाज को धमृघाता की ओर धकेल देगा। सबसे भयावह स्थिति यह बन सकती है कि बांग्लादेश नया अफगानिस्तान या सीरिया बन जाए। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मोहम्मद यूनस इस महीने के उत्तरार्द्ध में अमेरिका की यात्रा करने वाले हैं। उन्हें संयुक्त राष्ट्र अधिवेशन में भाग लेना है। यूनस यह चाहेंगे कि मोदी से उनकी मुलाकात हो जिसमें वह भारत के साथ रिश्तों को पटरी पर लाने की कोशिश करें। अमेरिका की ओर से भी प्रधानमंत्री मोदी पर यह दबाव होगा कि वह बांग्लादेश के प्रति अपना रुख नरम करें। अमेरिका के लिए बंगाल की खाड़ी में अपने भू-राजनीतिक हितों को पूरा करने के लिए जरूरी है कि भारत और बांग्लादेश के बीच संबंध सामान्य रहे। मणिपुर में हालिया हमलों से यह संकेत मिलता है कि बांग्लादेश और सीमावर्ती म्यांमार इलाके से भारत के खिलाफ। भारत के खिलाफ तोड़-फोड़ की कार्रवाई शुरू हो सकती है। यदि यह जारी रहती है तो भारत कूटनीतिक ही नहीं बल्कि सैन्य रूप से भी इनका मुकाबला करेगा।

## All eyes on Jats' resurgent politics in Haryana

AFTER 10 long years, things seem to be looking up for the Jats of Haryana. A Jat Chief Minister is a possibility in the upcoming Assembly elections. Even though the Jat community makes up just 26-28 per cent of the population, it has dominated the political and social landscape of the state because of its land-owning clout, its hold on government jobs and its sway over things that matter in the countryside. Jats were synonymous with Haryana until the BJP came to power in 2014. After winning the Assembly elections in the state for the first time on its own — without the crutch of a regional ally — the BJP installed a non-Jat Chief Minister, Manohar Lal Khattar, and began to patronise non-Jat communities such as other backward classes (OBCs), scheduled castes (SCs) and Punjabis, who had helped it win the polls. This diminished the Jat hegemony in the state civil secretariat and the channels of power that flow from it.

Before 2014, the BJP had been a junior coalition partner of a regional giant like the Indian National Lok Dal (INLD) led by Om Prakash Chautala or the Haryana Vikas Party of strongman Bansi Lal. Three Chief Ministers prior to 2014 — the Congress' Bhopinder Singh Hooda, Chautala and Bansi Lal — who together ruled for almost two decades, pursued pro-Jat policies, and the community called the shots in governance. But as the Jat community began to be seen as a beneficiary of state largesse in government jobs and contracts, there was the inevitable disenchantment among the OBCs and SCs. The BJP successfully tapped into this resentment in the run-up to the 2014 Assembly elections, winning 47 of the 90 seats. Khattar, a Punjabi from Karnal, was appointed the CM, prompting derogatory remarks from prominent Jat figures in Haryana. But few could fault the BJP for breaking free from the Jat identity politics in Haryana, and the party quickly filled a political vacuum first created in the mid-1990s by non-Jat CM Bhajan Lal, a Bishnoi.

Less than a year and a half after the 2014 state polls, the Jats led a violent agitation for reservation in government jobs in the OBC category. It was preceded by months of acrimony between non-Jat BJP MP Raj Kumar Saini and some Jat khap leaders; the former had threatened to resign from his seat if Jats were given reservation. For about 10 days, Jat youth went on the rampage, causing destruction in which 20 persons died and over 200 were injured. Houses and commercial establishments of Sainis and other non-Jats in the Rohtak-Jhajjar Jat strongholds were vandalised. A cleavage between the two caste blocs began to take shape. The Jat angst seemed to stem from its fall from an exalted position and sudden political marginalisation, leading many observers to point out that this was the community's way of getting back at the powers who had "usurped their clout".

In the 2019 Assembly polls, the saffron party fell short of a majority but managed to form the government with the help of the Jannayak Janta Party (JJP), which is led by the great-grandson of former Deputy PM Devi Lal, Dushyant Chautala. The JJP — splintered from the parent INLD — won 10 seats from its Jat stronghold, but the very act of aligning with the BJP government infuriated its Jat base. The party's vote share shrank to a mere 0.87 per cent in the recent Lok Sabha elections. The Jats have clearly hit back at the JJP for supping with the enemy. So, what's happening in this proud and once formidable community in the run-up to the state elections? Sensing that, perhaps, this is the time when it may be possible to reclaim the levers of power from non-Jats, the Jats are seeing value in unity. The polarisation between the two caste blocs that had its genesis in the 2016 Jat reservation agitation has taken root, and it will manifest itself during the elections.

## India must give its African outreach a new lease of life

The India-Africa Forum Summit can be an opportunity to devise a more contemporary agenda with a view to global rebalancing and strengthening of the Global South.



AFRICA is being wooed by many nations. China has been remarkably consistent with its three-yearly summits; the ninth edition of the Forum on China-Africa Cooperation was held from September 4 to 6 in Beijing. Over the past two years, leaders of 54 African nations have been hosted by US President Joe Biden, his Russian counterpart Vladimir Putin and Italian PM Giorgia Meloni.

China's loan-giving spree has waned from \$28.4 billion in 2016 to \$1 billion in 2022 due to a slowdown in economic growth and its desire for a more sustainable development model, a shift away from direct infrastructure financing towards trade credit for regional exports, with the African Continental Free Trade Agreement offering businesses access to a larger unified African market.

African economies have benefited from China's unprecedented growth, but they must now adapt to a deceleration of export volumes, investments and loans. According to the International Monetary Fund (IMF), everypoint decline in China's real GDP growth rate leads to about 0.25 percentage point decline in Sub Sahara Africa's total GDP growth within a year. Despite oil prices being high since 2021, China, the US and Europe are buying less crude oil from Africa, resulting in lesser earnings and a significantly heavier debt burden — on average, about 85 per cent of the GDP. This severely impacts the ability to close the \$400-billion financing gap that, according to the African Development Bank, the continent needs to meet the Sustainable Development Goals and achieve a just energy transition, especially for the poorer countries.

As China adjusts its approach to Africa to less costly commitments, the interest of several nations, including

Russia, India, the UAE, Turkey and Brazil, has increased. What keeps the spotlight on Africa, despite the conflicts in Gaza and Ukraine, is its growing population, high concentration of critical minerals and 54 votes at the UN. Africa has emerged as one of world's fastest growing regions with an estimated \$6.7-billion spending. Africa continues to have a seat at many high tables, and countries find it advantageous to negotiate with all African nations at once. This 'diplomatic polycentricity' presents opportunities while raising several questions. A World Bank figures show that Africa has not significantly moved beyond primary production, and manufacturing has declined as a percentage of the GDP in sub-Saharan Africa. Most African countries are locked in a colonial-style trading relationship as exporters of raw materials and importers of finished goods. They may not have deepened their trading relations but have certainly broadened them which, nevertheless, carries the risk of borrowing too much with resultant defaults in payments. The IMF estimates that 25 African countries are on the verge of debt distress. Kenya's efforts to repay debt by overtaxing people backfired as massive street protests forced it to roll back its decision. Where does all this place India? Since 2008, when India substantially upgraded its traditional relations by holding the first India-Africa Forum Summit, the policy has been to help Africa help itself. The focus areas have been capacity-building, skill development, trade and investment, agriculture, energy, blue and ocean economy, infrastructure, education, health, peace and security, and cooperation in multilateral fora. SIndia is Africa's third largest trading partner with \$85 billion in trade and \$75 billion in investments. India

also provides capacity-building in line with AU priorities such as 'Educate an African Fit for the 21st Century'. The opening of the IIT-Madras' Tanzania campus and the Indian National Forensic Sciences University's Uganda campus are recent examples. India's help to bridge the digital divide in Africa with tele-education and tele-medicine services is valued. During the Covid-19 pandemic, India aided Africa with medical supplies and equipment. The defence dialogue with Africa has re-emphasised the Indo-Pacific continuum. The Indian Ocean littoral states of Africa are crucial to the monitoring and protection of sea lanes. The AU vision of peace and security coincides with India's vision of SAGAR (Security and Growth for All in the Region). We extend e-visa facilities to 33 African countries. Africa also stands to benefit from India's three significant multilateral initiatives: the International Solar Alliance, the Global Biofuel Alliance and the Coalition for Disaster Resilient Infrastructure. India and Africa have made effective contributions to protecting the interests of developing countries at international fora, including the Agriculture Framework Proposal and IP (intellectual property) waiver for Covid vaccines at the World Trade Organisation. India played a major role in the inclusion of African Union (AU) as a full member of G20. To provide a voice to Africa in the UN, India stands behind the AU's Ezulwini Consensus and the Sirt Declaration. India is among the biggest contributors to the United Nations Peacekeeping Force; we have 46 embassies in Africa. The twin shocks of Covid-19 and the Ukraine war have dealt a heavy blow to the African economies, which are reeling under debt distress. At the 19th CII India Africa Business Conclave held last month in New Delhi, Vice President Jagdeep Dhankhar said, "India is aligned with Africa's imperative to reduce its dependence on commodity exports and better integrate its production and trade activities into the global economy." The India-Africa growth partnership is a building block of the India-Global South partnership. The inordinate delay in holding the fourth India-Africa Forum Summit is worrisome; the previous editions were held in Delhi (2008 and 2015) and Addis Ababa, Ethiopia (2011).

In this era of geopolitical competition and realignment, leveraging the historical partnership with Africa is imperative. India should work closely with the AU regarding the India-Africa Forum Summit and build on the gains made at the G20 Summit by spelling out the agenda, especially in areas like clean technology, climate-resilient agriculture, maritime security, connectivity and the blue economy. The India-Africa summit can be an opportunity to devise a more contemporary agenda for global rebalancing and strengthening of the Global South. Indian leaders should also resume bilateral visits to the continent.

## SC rap to Dhami

Blocks feudal approach to appointment

THE Supreme Court's rebuke to Uttarakhand Chief Minister Pushkar Singh Dhama on Wednesday over his decision to appoint IFS officer Rahul as the director of the Rajaji Tiger Reserve underscores the critical importance of public trust in governance. The choice of Dhama, made against the objections of the principal secretary and forest minister, signals a troubling disregard for institutional checks and balances. The appointed officer was removed two years ago from the Corbett Tiger Reserve for alleged involvement in illegal tree felling, and the case is still being investigated.

In its sharp criticism, the Supreme Court reminded the CM that we were not living in a 'feudal era' in which leaders could bypass the due process. Justice BR Gavai's remark that Dhama should have provided detailed reasoning for his decision reflects a broader concern about the transparency of executive actions, particularly in matters involving environmental conservation. Even though the officer concerned has



since been removed from the post, the court's timely intervention shows that it takes swift action when deemed fit. The prompt action in this case underscores the need to

preserve the delicate ecological balance in wildlife reserves, as also the fact that compromises with the integrity of the system, including in appointments, undermine conservation efforts.

This episode serves as a reminder to all authorities across the country that governance must remain accountable, transparent and in the service of public and environmental interests. It raises concerns about political influence over appointments critical to environmental conservation. Political leaders must remember that their decisions can have long-lasting repercussions on sensitive ecological matters. Dhama's decision to ignore the objections of experts and sideline the due process reflects a worrying trend in which political considerations take precedence over environment. In a country already grappling with ecological degradation, such decisions jeopardise the wildlife and weaken the campaign against environmental crises.

## IC 814 lays bare an uncomfortable truth

THE GREAT GAME: Web series makes us realise that we were weak, and maybe, perhaps, still are

THE problem with a web series that looks like real life is that it brings back too many memories. The problem with IC 814: Kandahar Hijack is that it makes India look weak. Infirm. Enervated. Incapacitated. The problem is that the Narendra Modi government wants to bury those dark days and nights that broke between Christmas Eve and New Year's Eve of 1999, when the Atal Bihari Vajpayee government released three terrorists in exchange for the safety of more than 300 passengers — and replace them with the fuzzy warmth and feel-good that comes with allying yourself to a strong leader who leads a strong state. The problem is that history takes no such prisoners. It was what it was. Here are some vignettes from that time. Indian negotiators looked and felt weak in Kandahar because they had little or no leverage. The Vajpayee government was blindsided with the families of passengers on the aircraft who threatened all kinds of harm if the government didn't do a deal. Omar Sheikh, the Britain-educated-and-accented terrorist — one of the three released by the Indian government — when asked by Anand Arni, an Indian intelligence official on the ground in Kandahar, what it meant to be free, let loose a string of expletives in reply. Pakistan's ISI, which was in control, changed the ground rules even during the negotiation — on December 29, the agreement was to release only Masood Azhar, but by the 30th morning the hijackers were demanding that three terrorists be released. It was what it was.

The problem, sometimes, is that people look at the past in the context of the present. They are embarrassed by the fact that then External Affairs Minister Jaswant Singh flew to Kandahar in the same aircraft with the three terrorists sitting a few seats behind him, loudly abusing him. He shouldn't have gone, many say, why did he demean his position by going?

But go back into the archives of The Tribune and look



at where India was in 1999. The nuclear tests had taken place a year prior and India was still in the international doghouse — the Clinton visit was still to come in the following summer. Hardly a few months before, the Kargil conflict with Pakistan had ended. That week when the hijacked plane flew from Kathmandu to Kandahar, via Amritsar, Jaswant Singh tried to call several of his counterparts in the US, UK and elsewhere for help — but no one took his call. It was also New Year's Eve. When a troubled man from a Third World country calls you when you would be rather celebrating, all you can think of is, why can't he take care of his own problems? That is what constitutes real weakness. When no one wants to take your call, even when you're desperate.

According to then RAW chief AS Dulat, Jaswant Singh was "a lonely man" that week in Delhi. He realised that if a senior person didn't personally go to oversee the exchange, something might happen at the last minute that could endanger the lives of the passengers. The truth is that Indian negotiators looked and felt weak in Kandahar because they had little or no leverage. The plane was in hostile territory. The ISI was the master puppeteer. It held all the cards. The Netflix series forces all those Indians watching to come to terms with this uncomfortable truth. That we are not the state we believe we are. That we were weak, and maybe, perhaps, still are. The web series has touched a chord with all of us because when the lights are out and we are

confronted just with ourselves, we know what's true and what's not. We know that we are not as strong as we think we are. Some may say that 25 years is a long time and that India has moved on — they point to the hard line PM Modi has taken with regard to talks with Pakistan. Others point to the never-before surgical strikes in 2016, when the Indian armed forces crossed the LoC and successfully carried out operations against terrorists being backed by the Pakistan army.

And yet, we know, the weakness remains, within and without. In Ladakh, where the Chinese have not allowed your soldiers to patrol large parts of territory they could patrol until 2020 — notwithstanding the swipe PM Modi took against the Chinese in Singapore earlier this week. In the Jammu region, where 18 armed forces personnel have been killed by terrorists. In Sindhudurg, where a statue of Shivaji collapsed within months because the contractor used material of a bad quality. In Punjab, where the drug problem is far worse than you can imagine it to be. In Manipur, where Meitei radicals are using drones against fellow Manipuris. So much better to admit that you cannot stand up to the Chinese. At least there's honesty in that admission. They are five times larger than you, in any case. So much better to confront the issue and ask yourself, Why, pray, can't you stand up to the Chinese?

Why is China's economy five times larger than India's, even though Mao's Long March ended in Beijing about the same time (in 1949) that India became independent? The answer is not always that China is a dictatorship and India is — a self-congratulatory pat included — a democracy. There's worse. The Shivaji statue contractor has finally been arrested, but it reminds us of the old Modi slogan, Na khaonga, na khaane doonga — I will never be corrupted, and I won't let anyone be corrupt either.

## Vedanta will progress to asset owner with demerger: Anil Agarwal

**NEW DELHI.** The proposed demerger of Vedanta's diverse verticals that represent more than 15 commodities, will see the company progress from being asset managers to asset owners, Chairman Anil Agarwal has said. The proposed demerger will create independent companies housing aluminium, oil and gas, power, steel and ferrous materials, and base metals businesses. The existing zinc and new incubated businesses will remain under Vedanta Ltd. "Our expansionary moves are aligned with our business model transformation. The upcoming demerger of our diverse verticals that represent more than 15 commodities, will see us progress from being asset managers to asset owners," Agarwal said in a latest report. As the company passes through the transition phase, Vedanta is focusing on consolidating and strengthening its asset base to emerge as world leader in each of its verticals, the Chairman said.

Diversified natural resources company Vedanta Ltd has filed the demerger scheme with the National Company Law Tribunal (NCLT) after receiving a nod from lenders and is hopeful of completing the process by the end of this fiscal. Vedanta has received approval from 75 per cent of secured creditors for the proposed demerger of its businesses. The demerger will help in simplifying the company's corporate structure by creating independent businesses. Moreover, it will offer global investors direct investment opportunities in pure-play companies linked to the country's impressive growth.

From FY24 onwards, the company is investing USD 1.9 billion as growth capex across its businesses. Vedanta reported a 36.5 per cent rise in consolidated net profit at Rs 3,606 crore for the quarter ended June 30, 2024, due to improved margins and robust cost reduction across all operations. The company had posted a net profit of Rs 2,640 crore in the year-ago period. Consolidated income in the April-June period rose to Rs 36,698 crore over Rs 34,279 crore in the year-ago period.

Vedanta Ltd, a subsidiary of Vedanta Resources, is a diversified global natural resources company with operations in oil and gas, zinc, lead, silver, copper, iron ore, steel, aluminium and power across India, South Africa and Namibia.

## Air India sees 60 per cent fall in losses at Rs 4,444 crore

**NEW DELHI.** Tata Group-owned Air India reported 60% fall in losses to Rs 4,444.10 crore in FY24 over the previous year, as per Tata Sons annual report for FY24. The airline had reported a loss of Rs 11,387.96 crore in FY23. The turnover grew 23.69% to Rs 38,812 crore during the reporting year as against a turnover of Rs 31,377 crore, the report stated. It said the group is consolidating its aviation presence with the merger of AirAsia India (AIX Connect) with Air India Express and the ongoing merger of Vistara with Air India. The airline also said Air India has recorded its highest consolidated annual operating revenues of Rs 51,365 crore, up 24.5% over FY23 driven by growth in capacity to 1,059 million available seat kilometres, which was 21% higher over the previous year, it said.

It saw an improvement in passenger factor to 85% against 82% 2022-23. During the reporting year, 40.45 million passengers were flown by operating 800 daily flights, including 55 domestic and 44 international destinations, it said. Tata Group fully owns three airlines -- Air India, Air India Express, and AIX -- while Vistara is a 51:49 joint venture between the group and Singapore Airlines. It has announced that Vistara will operate its last flight under its banner on November 11 and its operations will be merged with Air India on November 12.

## Banks To Hire Young Graduates As Apprentices With Rs 5,000 Monthly Stipend, Check Details Here



**New Delhi** Banks are mulling to hire graduates under 25 years of age as apprentices in a month. The move follows a budget announcement by Finance Minister Nirmala Sitharaman, under which the government is targeting to provide internships at top-500 companies for up to 1 crore youth over the next five years.

The scheme is likely to be implemented within a month. Stipend Lenders will be paying a stipend of Rs 5,000 a month to such candidates who will get trained on a specialised skill set during the stint, industry lobby grouping Indian Banks Association's chief executive Sunil Mehta told news agency PTI.

Explaining the banks' role in implementing the scheme, Mehta added, "There are a lot of areas where we don't need any skilled manpower for example marketing, recoveries. We can give them training in those areas and they can create employment for themselves."

### Eligibility

The candidates applying for apprentice should be a graduate between 21-25 years of age, should not be a taxpayer and must not possess a degree from top institutions like IIT or IIM, Mehta said. Mehta also hinted that such apprentices, who can be hired for up to 12 months, will also be hired in other areas like working as business correspondents to take the banking services to the last mile.

### Post-Apprentice Prospects

Such candidates will not "vanish" after their stints at banks, Mehta said, adding that there is also a possibility of some of them getting absorbed as employees. He, however, did not share the total number of interns or apprentices that the banks will be hiring but added that all banks will be participating in the initiative.

# India's power generation and transmission sectors 2.2 times by FY2030

**NEW DELHI.** India's power generation and transmission sectors are expected to witness significant growth in the coming years, according to a recent report by Jefferies. The report projects that the power generation and transmission sectors will grow 2.2 times to \$280 billion between FY24 and FY30 compared to FY17-23. Additionally, to sustain the economy's rapid growth, power consumption is expected to increase by more than 7 per cent annually. By FY30, India's total power generation capacity will need to rise from 442 GW in FY24 to 673 GW to prevent power shortages.

Thermal power plants, currently operating at around 65-70 per cent plant load factor (PLF), will play a crucial role in meeting this demand. The average annual PLF for thermal power plants is expected to exceed the peak levels observed in FY08 by FY28, with thermal utilisation rates already reaching 74 per cent in FY25 to date. However, the report also highlights



that peak power deficits are becoming more frequent due to years of underinvestment in the sector. To avoid regular power shortages, the focus will be on accelerating capacity additions and increasing investment in power

transmission and distribution (T&D) equipment. Capacity additions are expected to increase significantly, particularly in thermal power, where the annual addition rate is set to rise from the current 2-5 GW to 17 GW. Renewable energy capacity will also grow rapidly, with the annual capacity addition expected to increase 3.5 times between FY24 and FY27 compared to FY10-20. India has set a target to achieve 450 GW of renewable energy by 2030.

The power transmission sector is also poised for significant growth, with the bid pipeline increasing seven-fold over the past three years, from less than Rs 150 billion in February 2021 to Rs 1 trillion in projects currently up for bidding.

This rapid expansion will be driven by the government's focus on expanding renewable energy capacity and the growing needs for storage, green hydrogen, data centres, and electric vehicle infrastructure.

## Edtech: Focus shifts to offline mode

**BENGALURU:** The edtech landscape has been witnessing a rollercoaster ride since the pandemic, which led to a surge in online edtech start-ups and funding. Covid lockdowns shifted the focus to online from offline coaching centres. However, the trend reversed as the effects of Covid started fading. The online coaching and tuition companies stopped getting the generous funding they got used to during the pandemic, and many online start-ups that started during Covid had to shut down. Unacademy, Byju's, Teachmint, Skill-Lync and Vedantu had fired many employees. Now, these online companies have started focusing on offline centres. The fall of Byju's, valued at \$22 billion in 2022, has raised many questions including scope of online edtech and its future. Currently, Byju's has over 250 offline centres. Other edtech firms like Unacademy, Cuemath and Physics Wallah are also expanding their presence offline.

Physics Wallah operates over 120 offline centres. The edtech company, which has a presence in online, offline and

hybrid modes, became a unicorn in 2022, and its revenue in FY23 stood at Rs 772 crore. Over 2 lakh students are studying in offline centres.

### Online to offline centres

Ganesh Mahadevan, Partner, thinksynq consulting, says it is disheartening that edtech firms wasted the tailwind provided by Covid, which did all the selling for this industry by getting a large mass of relevant target segment to buy into the service and try them for a sufficiently long time. Mahadevan, who is also mentor to several start-ups, says if there are major drop-offs from customers after trials, it only points to the product not delivering. "The question to ask then is whether the product is good enough for the students to move from classroom to online," he adds. As per market intelligence firm Tracxn data, there are 7,431 offline and 16,333 online edtech companies. Till August 2024, online edtech companies raised \$223 million and offline firms raised \$21.1 million.

Since many edtech start-ups are opening offline centres, has the online model lost

its relevance? Mahadevan says moving offline doesn't seem to be a strategic decision, the business edtech firms were trying to disrupt is being given a thumbs up by moving offline.

Rather than addressing the core product-market fit problem with online education, the industry is jumping ship. For a developing country like India, online education is truly relevant with its ease of access and low-cost delivery. Abandoning this ship is doing injustice to a large mass of not so rich student community who can't afford high-cost offline education, he explains.

### Hybrid learning model

Somdutta Singh, founder & CEO Assiduous, and Angel Investor, says a survey by FICCI says 70% of students prefer a hybrid learning model that combines online and offline classes. This preference is echoed by broader trends. A report indicates 82% of students choose hybrid learning environments over traditional models, highlighting effectiveness of integrating both formats. Benefits of hybrid learning are manifold.

## Market Trends To Be Shaped By Inflation Data and Global Influences: Analysts

**New Delhi** Analysts suggest that macroeconomic data releases, global trends, and foreign investor trading activity will be the key drivers for equity markets this week. Among macroeconomic data announcements, industrial production for July and inflation data for August will be announced on Thursday. "Crude oil prices have seen a meaningful correction over the past few days with Brent crude now close to USD 73 per barrel. In India, investors will look forward to the release of macro data this week, including CPI inflation. Globally, investors remain optimistic about the possibility of a rate cut by the US Fed and would keenly look forward to the US Fed meet scheduled later this month," Shrikant Chouhan, Head of Equity Research, Kotak Securities, said. Last week, the BSE benchmark dropped 1,181.84 points, or 1.43%, while the Nifty declined 383.75 points or 1.52%. Falling for the third day running on Friday, the 30-share BSE



Sensex tumbled 1,017.23 points, or 1.24%, to settle at 81,183.93. The NSE Nifty dropped 292.95 points, or 1.17%, to 24,852.15, its third day of decline. "We expect consolidation mode to continue in the market over the near term," Siddhartha Khemka, Head, Research, Wealth Management, Motilal Oswal Financial Services Ltd, said. Investors would also track the movement of global oil benchmark Brent crude and rupee-dollar trends. In the week ahead, US inflation data will

be closely monitored, Vinod Nair, Head of Research, Geojit Financial Services, said. Mcap of Eight of Top-10 Most Valued Firms Erode by Rs 2 Lakh Cr The combined market valuation of eight of the top-10 most valued firms got eroded by Rs 2,01,699.77 crore last week, with Reliance Industries and Tata Consultancy Services emerging as the biggest laggards, in line with weak trends in equities. The market valuation of Reliance Industries tumbled Rs 60,824.68 crore to Rs 19,82,282.42 crore. The valuation of Tata Consultancy Services (TCS) slumped Rs 34,136.66 crore to Rs 16,12,762.51 crore. State Bank of India's valuation dropped Rs 29,495.84 crore to Rs 6,98,440.13 crore and that of Bharti Airtel diminished Rs 28,379.54 crore to Rs 8,76,207.58 crore. The market capitalisation (mcap) of Infosys tanked Rs 17,061.44 crore to Rs 7,89,819.06 crore and that of Life Insurance Corporation of India (LIC).

## GST Council to deliberate on taxation of insurance premium, report on online gaming

**Sources said the Council would deliberate on the status of taxation on the sector and any change in tax rates is unlikely. Besides, the Council is likely to be apprised about the ongoing drive against fake registration, the success of the drive and action taken against such entities.**

**NEW DELHI:** The GST Council on Monday is expected to deliberate on a host of issues, including taxation of insurance premium. GoM's suggestions on rate rationalisation, and a status report on online gaming, sources said. Sources said the fitment committee, comprising Centre and state tax officials, will present a report on GST levied on life, health and reinsurance premiums and the revenue implications. The GST Council, chaired by Finance Minister Nirmala Sitharaman and comprising state ministers, will decide on whether to reduce the tax burden on health insurance from the



current 18 per cent or exempt certain categories of individuals, like senior citizens. The deliberations will also happen with regard to the goods and services tax (GST) cut on life insurance premium. In 2023-24, the Centre and states collected Rs 8,262.94 crore through GST on health insurance premium, while Rs 1,484.36 crore was collected on account of GST on health reinsurance premium. The issue of taxation on insurance premium figured in Parliament discussions with opposition

members demanding that health and life insurance premiums be exempt from GST. Even Transport Minister Nitin Gadkari wrote to Sitharaman on the issue. Finance Minister Nirmala Sitharaman in her reply to discussion on the Finance Bill had said 75 per cent of the GST collected goes to states and opposition members should ask their state finance ministers to bring the proposal at the GST Council. West Bengal Finance Minister Chandrima Bhattacharya had raised the issue in the

meeting of the Group of Ministers (GoM) on rate rationalisation last month and the matter was referred to the fitment committee for further data analysis. The GoM had opined against any tinkering of four-tier GST slab of 5, 12, 18, and 28 per cent for the time being. The panel, however, had asked the fitment committee to look into any scope for rationalisation of rates of goods and services. With regard to online gaming, Centre and state tax officers will present a "status report" before the GST Council. The report would include GST revenue collection from the online gaming sector before and after October 1, 2023. From October 1, 2023, entry-level bets placed on online gaming platforms and casinos were subject to 28 per cent GST. We bet you didn't know these crazy facts about Vietnamese food. Prior to that, many online gaming companies were not paying 28 per cent GST, arguing that there were differential tax rates for games of skill and games of chance. The GST Council in its meeting in August 2023 had clarified that online gaming platforms were required to pay 28 per cent tax and subsequently Central GST law was amended to make the taxation provision clear.



# India receives 8% above average rainfall, but some states see uneven monsoon

►As of September 7, India experienced an 8 per cent above average rainfall, offering much-needed respite to its agrarian economy. Despite the overall positive outlook, monsoon distribution across the country has been notably uneven.

New Delhi. With the Southwest Monsoon likely to withdraw from northwest India this month, the country has recorded an 8 per cent above average rainfall so far, but its distribution has been uneven in some states. Generally, the monsoon withdrawal usually begins around September 17 and is completed by October 15. Although these dates are tentative, deviations are common. Last year, for instance, the monsoon withdrawal was delayed until September 25. This year, the system seems to be following a similar pattern, hinting at a possible extension of the season. As of September 7, India experienced an 8 per cent above average rainfall, offering much-needed respite to its agrarian economy. Despite the overall positive outlook, monsoon distribution across the country has

been notably uneven.

While Rajasthan enjoyed a 57 per cent surplus, which is crucial for its typically arid landscape, Manipur suffered a 30 per cent deficit, raising concerns about water scarcity and agricultural stress. India's diverse climatic conditions often lead to varied rainfall patterns, which can be classified into five major categories: Large Deficient (-99 per cent to -60 per cent), Deficient (-59 per cent to -20 per cent), Normal (-19 per cent to 19 per cent), Excess (20 per cent to 60 per cent), and Large Excess (60 per cent to 99 per cent). No state has experienced the extremes of Large Deficient or Large Excess rainfall this year.

However, several states have experienced deficient rainfall. Manipur faced a significant shortfall at -30 per cent, closely



followed by Bihar at -26 per cent. Punjab and Jammu and Kashmir registered -23 per cent and -20 per cent, respectively. Similarly, Himachal Pradesh and Arunachal Pradesh recorded deficiencies at -21 per cent and -22 per cent. Some states have normal but still below-

average rainfall. Uttar Pradesh reports a -14 per cent shortfall, with Assam at -13 per cent. Haryana and Kerala face a -10 per cent deficit. Other states, including Odisha (-12 per cent), Jharkhand (-13 per cent), West Bengal (-7 per cent), Mizoram (-11 per cent) and Meghalaya (-3 per

cent), similarly recorded below-normal rainfall levels. Delhi, on the other hand, stood at the threshold of the Excess category, recording a 19 per cent surplus in rainfall. Meanwhile, Madhya Pradesh received slightly above-average rainfall at 7 per cent.

Conversely, many states recorded abundant rainfall. Rajasthan led the pack with a notable 57 per cent excess in rainfall, followed closely by Tamil Nadu and Gujarat, both at a 51 per cent surplus. Goa experienced a 45 per cent surplus, while Ladakh recorded a 44 per cent increase. Andhra Pradesh (42 per cent), Telangana (40 per cent), Maharashtra (28 per cent), and Karnataka (23 per cent), Tripura (22 per cent) and Sikkim (21 per cent) also witnessed substantial excess rainfall.

## Railways initiate process to relieve Vinesh Phogat, Bajrang Punia: Source

According to a source, the Northern Railway has initiated the process of accepting the resignation of wrestlers Vinesh Phogat and Bajrang Punia as they joined Congress party recently.

New Delhi. The Northern Railway has initiated the process of accepting the resignation of wrestlers Vinesh Phogat and Bajrang Punia, with both players expected to be relieved "as early as possible," railway sources said on Sunday. Both Punia and Phogat recently joined the Congress and the latter has been given a ticket to contest election from Julana assembly constituency in Haryana.

"The provision of serving three-month notice period after resigning by a railway employee will not come in the way of relieving these two players as we have decided to relax the norm in their cases," a senior railway official told PTI.

Railways sources said both the players "will be relieved possibly today or as early as possible." The Northern Railway (NR) had earlier issued show cause notices to them after they met Congress leader Rahul Gandhi to join his party. The NR had said the show cause notice was part of the service norm as they were government employees. Following the notice, both resigned from the Railways. Speculation was rife that Phogat might not be able to contest elections in view of the three-month notice period norm. According to election rules, she needs to get officially relieved from the Railways to be eligible to contest election. Now, since Railways has initiated her resignation acceptance process, there is no hurdle in her contesting election, a Northern Railway official said.

## 12 injured in jackal attack in UP's Pilibhit amid wolf terror in Bahraich

A pack of jackals attacked people in two villages in Uttar Pradesh's Pilibhit district in which at least 12 people, including seven children, were injured.

New Delhi. At least 12 people, including five children, were injured after being attacked by a pack of jackals in two villages in Uttar Pradesh's Pilibhit district. According to the locals, the jackals first attacked children in Suswar and Pansoli villages in Jahanabad area when they were playing outside their homes. When some elderly people rushed to protect the children, the wild animal also attacked them.

After the attack, all 12 people were admitted to Jahanabad's Community Health Centre (CHC), where they were receiving necessary treatment. Enraged by the attack from the jackals, the locals then kill one of them. Upon receiving an alert about the jackal attacks, a team from the local administration and forest department rushed to the spot and started an investigation into the incident.

The attack by jackals in Pilibhit came at a time when wolf attacks in neighbouring Bahraich district have killed a total of 10 people, including several children. About 36 people, including women, children and the elderly have also been injured in wolf attacks in Bahraich.

Speaking about the attacks by a pack of jackals, Pilibhit's District Forest Officer (DFO) Manish Singh said some villagers earlier claimed that the attack was done by a pack of wolves but it was later confirmed that a jackal was behind it. "We are monitoring the situation.

These jackals have become aggressive because the rains have flooded their hiding places, forcing them out. Also, it is their mating period, during which they tend to be more aggressive. We are keeping a close watch on them." Meanwhile, Pilibhit's MP Jitin Prasada also spoke to the locals about the incident over the phone.

## Raghav Chadha cites 'win-win' condition for AAP-Congress alliance in Haryana

Speaking to the media, AAP Rajya Sabha MP Raghav Chaddha said that "ball-by-ball commentary" on the alliance discussion cannot be done and people will be informed once the final decision is made.

New Delhi. Aam Aadmi Party (AAP) Rajya Sabha MP Raghav Chaddha on Sunday said that discussions were going on between the AAP and Congress for an alliance in the coming

Assembly polls in Haryana. Chaddha further added that it was a "win-win situation" for both the national parties to forge an alliance for the welfare of the people of Haryana. "Ball-by-ball commentary cannot be done on which seat and how many seats. Regarding the alliance, we can only say that whenever the final decision is made, we will inform you. There is a desire, a wish and a hope to form an alliance," AAP's Rajya Sabha MP said while speaking to the media. "The last date of filing the nomination is

September 12, and I am sure a good result, in the favour of the people of Haryana and the favour of India, will come out before that..." he added. The comments by the AAP MP came a day



after its party said that it was "fully prepared" to contest all the 90 seats in the upcoming Haryana Assembly polls. On September 7, AAP

spokesperson Priyanka Kakkar said, "Aam Aadmi Party is continuously working in Haryana. Today, there are public meetings by Sunita Kejriwal ji. We are fully prepared to contest all 90 seats, and our organisation is strong on the ground." She further stated that the party will announce its candidates in one-two days. "We hope some conclusion will be reached," Kakkar added.

The Congress and AAP had initially reached an in-principle understanding to jointly contest the upcoming Haryana Assembly elections, scheduled for October 5. But, according to sources, the talks hit a roadblock on September 6, as Congress leaders reportedly became reluctant to concede too many seats to AAP.

## Exclusive: Taslima Nasreen's India stay at risk? Says 'I'll surely die if...'

New Delhi. Exiled Bangladeshi author Taslima Nasreen is not only concerned about the recent political upheaval in her motherland, but also faces uncertainty about her future in India. She claims her Indian residence permit, which expired in July, is yet to be renewed by the government. "I like living in India, but it's been about a month and a half and my residence permit hasn't been renewed yet," Nasreen tells India Today's sister channel AajTak Bangla. Nasreen holds Swedish citizenship and has lived in India since 2011. She says she is "not getting any answers" from government officials regarding the

renewal of her residence permit, and is unsure of whom to contact within the Union Home Ministry for assistance. "I don't talk to anyone," she says. "I keep checking my status online but haven't received any confirmation yet. Even now the status on the website shows 'updating'. This has never happened before." Asked if the current situation in Bangladesh is getting in the way of her permit renewal, she categorically denies any connection. "I have nothing to do with Bangladesh and its politics," she tells AajTak Bangla. "I live here as a Swedish citizen. And my permit was cancelled even before the current Bangladesh controversy," she adds,

referencing a similar issue in 2017, which she attributed to a "technical problem". An outspoken critic of religious fundamentalism, Nasreen now fears for her future if she is unable to renew her Indian residence permit. "People think that I have connections with the government and politicians, but it's not so," she says. "Because if I don't get the permit, I will surely die, now I am in no condition to go anywhere." Nasreen claims that deposed Prime Minister Sheikh Hasina and former premier Khaleda Zia played a role in keeping her out of Bangladesh. "Both of them did not allow me to stay in Bangladesh.

## Manipur forces seize arms, ammunition amid growing tensions after fresh attack

**Manipur Chief Minister N Biren Singh held an emergency meeting with MLAs from the ruling coalition and also met the Governor in the wake of the fresh violence that killed five on Saturday.**

New Delhi: A massive combing operation to trace militants was underway in Manipur a day after at least five people were killed in fresh violence in Jiribam district amid drone and rocket attacks. The security agencies recovered large caches of weapons in a significant arms haul in the state, which has been on the boil since the ethnic violence began in May last year. The seized weapons include sniper rifles,

pistols, guns, short- and long-range mortars, grenades, and long-range rocket bombs, among other ammunition. Following the attack, Manipur Chief Minister N Biren Singh held an emergency meeting with ruling coalition MLAs to review the situation. Later, he also met Governor L Acharya to appraise him about the security situation in the state.

**MANIPUR VIOLENCE: LATEST DEVELOPMENTS**

Massive security measures have been put in place in Manipur after Saturday's violence killed five people. A military helicopter was deployed for patrolling and conducting aerial surveys, and a combing operation is also underway. Inspector General of Police, Intelligence, K Kabib claimed that the situation has been brought under control. Manipur Police say the Kuki militants deployed long-range rockets among the civilian population in attacks on two locations in Bishnupur district. This occurred after the militants entered the house of a person who lived alone and shot him dead in his

sleep, worsening the situation. In the ongoing combing operation, a large number of sophisticated arms, ammunition, explosives, and grenades were recovered on Saturday. A total of



nine sophisticated arms, 21 different types of ammunition, 21 explosives, grenades, and a wireless set were recovered, officials said. Security forces also destroyed three bunkers of militants in Churachandpur district after insurgents launched rocket attacks in adjoining Bishnupur, killing one person and injuring six others. The bodies of three armed militants were recovered in Jiribam. There was an attempt to loot arms from Manipur

## Death Penalty For Rape-Murder Convict: Siliguri Court Delivers Justice For Minor Victim In West Bengal

New Delhi: A court in Siliguri, West Bengal, sentenced a Rape-Murder convict named MD Abbas, to death for his involvement in the rape and murder of a minor girl on Saturday. The heinous crime, which occurred last year, has been met with a strict judicial response. Additional District and Sessions Judge Anita Mehrotra Mathur delivered the verdict after a thorough legal process.

The tragic incident took place on August 21, 2023, when a young girl was on her way to school. She was brutally raped and murdered in an isolated area within the jurisdiction of the Matigara Police Station. Swift police action led to the arrest of MD Abbas within six hours of the crime, reflecting the urgency and seriousness with which the authorities treated the case.



### Legal Proceedings

Special Public Prosecutor Bivas Chatterjee argued for the death penalty, emphasizing the severity of the crime. He highlighted that the case involved charges under three sections, including Section 302 (murder) and Section 6 of the Protection of Children from Sexual Offences (POCSO) Act, both of which carry the maximum punishment. Chatterjee presented his case as one of the "rarest of the rare" instances, leading to a prolonged one-and-a-half-hour hearing focused on securing the death penalty. Judge Anita Mehrotra Mathur's judgment came after recording testimonies from 33 witnesses and meticulously considering the prosecution's case. This sentencing coincides with ongoing national protests over another high-profile case involving the brutal rape and murder of a trainee doctor at the state-run RG Kar Medical College and Hospital in Kolkata. The case has drawn significant public and media attention. The Central Bureau of Investigation (CBI) has recently stated that the accused, Sanjay Roy, a civic volunteer, acted alone and that there was no gang rape involved, contrary to earlier allegations.

## News box

## Raging wildfire scorches area near California national park, evacuations ordered

**World** Evacuations were expanded Saturday as a wildfire with leaping flames scorched the foothills of a national forest east of Los Angeles, amid a days-long heat wave that pushed temperatures into the triple digits across the region. The so-called Line Fire was burning uncontrolled along the edge of the San Bernardino National Forest, about 65 miles (105 kilometers) east of L.A. As of Saturday afternoon, the blaze charred about 11 square miles (28 sq. km.) of grass and chaparral, leaving a thick cloud of dark smoke blanketing the area. The fire began Thursday evening, and the cause is under investigation. About 500 firefighters were battling the blaze, supported by water-dropping helicopters that hovered over homes and hillsides, along with aircraft.

Firefighters said the blaze had the "potential for large fire growth" in the next 12 hours. The fire produced coiling clouds of dense smoke, and flames could be seen cresting hillside ridges. No injuries were reported, and no homes or other structures had been damaged or destroyed. The National Weather Service said downtown Los Angeles hit a high of 112 degrees Fahrenheit (44 Celsius) Friday, which marked the third time since 1877 that a high of 112 degrees or more has been reached there.

## Rare ancient copy of US Constitution, missing for centuries, up for auction

**World** Historical document appraiser and collector Seth Kaller spreads a broad sheet of paper across a desk. It's in good enough condition that he can handle it, carefully, with clean, bare hands. There are just a few creases and tiny discolorations, even though it's just a few weeks shy of 237 years old and has spent who knows how long inside a filing cabinet in North Carolina. At the top of the first page are familiar words but in regular type, instead of the sweeping Gothic script we're used to seeing: "WE, the People..." And people will get a chance to bid for this copy of the U.S. Constitution — the only of its type thought to be in private hands — at a sale by Brunk Auctions on September 28 in Asheville, North Carolina. The minimum bid for the auction of \$1 million has already been made. There is no minimum price that must be reached. This copy was printed after the Constitutional Convention finished drafting the proposed framework of the nation's government in 1787 and sent it to the Congress of the ineffective first American government under the Articles of Confederation, requesting they send it to the states to be ratified by the people.

It's one of about 100 copies printed by the secretary of that Congress, Charles Thomson. Just eight are known to still exist, and the other seven are publicly owned.

## Multiple people shot along highway in US state of Kentucky



**WASHINGTON.** Multiple people were shot along a highway in the southern US state of Kentucky, authorities said Saturday, as police hunted for a suspect considered "armed and dangerous." Our to six people had been shot, Kentucky State Police spokesman Scottie Pennington told local media. There were "multiple severe injuries" but no confirmed deaths, local news station WYMT reported, citing the Laurel County Sheriff's Office. Authorities were searching for Joseph Couch, 32, considered a person of interest in the shooting that closed Interstate 75 in both directions due to the "active shooter situation." "Consider armed and dangerous," the sheriff's office said in its Facebook post about Couch, following its initial report of "numerous persons" shot.

"Do not attempt to approach."

"The suspect has not been caught at this time we are urging people to stay inside!" Pennington posted on Facebook. He later told the Louisville Courier Journal that "we have no clue where (the suspect) is at."

Kentucky Governor Andy Beshear asked people to avoid the area that had been shut down. Rural Laurel County is some 90 miles (145 kilometers) south of the city of Lexington along I-75, a major north-south artery cutting across the eastern half of the United States. Gun violence is common in the United States, a country where there are more firearms than people. Despite polls showing Americans favor more gun restrictions, a powerful gun rights lobby, constitutional protections and a passionate culture around firearm ownership mean that attempts to clamp down on gun rights are always met with stiff political resistance.

## Trump rebukes woman who accused him of assault ahead of debate with Kamala Harris

**World** Shortly after appearing in court for an appeal of a decision that found him liable for sexual abuse, Donald Trump stepped in front of television cameras on Friday and brought up a string of past allegations of other acts of sexual misconduct, potentially reminding voters of incidents that were little-known or forgotten. The former president has made hitting back at opponents and accusers a centerpiece of his political identity, but his performance at his namesake Manhattan office tower was startling even by Trump's combative standards. At times, he seemed to relish using graphic language and characterisations of the case brought by advice columnist E. Jean Carroll, which could expose the former president to further legal challenges from Carroll's attorneys. His remarks were especially striking given that they came four days before Trump will debate Vice President Kamala Harris, with early voting about to begin in some parts of the country and Election Day just two months away. Trump is doing his best to stay in the public eye while Harris prepares for the debate in private, meeting with her

advisers in Pittsburgh. That's a reflection of their divergent campaign styles, with Trump frequently engaging with reporters — albeit often in friendly settings — while Harris has done just one interview and no news conferences since taking President Joe Biden's place atop the Democratic ticket. His team had billed Friday's appearance as a press conference and Trump repeatedly brought up Harris' lack of news conferences. But Trump took no questions and instead talked about the cases against him for an hour while hardly mentioning any campaign issues. "I'm running for president, and I have all these cases all of a sudden come," he said. "And they're fake cases." Trump's campaign raised tens of millions of dollars off his previous indictments, convictions and appearances in court. But it's unclear how focusing on his legal woes will help him now as he works to win over undecided voters — including independents and those on the fence in critical swing states, ahead of a critical debate on Tuesday that will likely draw tens of millions of viewers. **TRUMP HAS DISREGARDED HIS AIDES'**



## ADVICE TO FOCUS ON POLICY

Trump's trying to seize the political offensive by bringing up allegations against him recalled 2016 when, in the weeks before Election Day, he attempted to dismiss as simple "locker room talk" a recording of him bragging about grabbing, forcibly kissing and sexually assaulting women, which triggered subsequent allegations of misconduct by a string of women.

But on Friday, standing inside Trump Tower, where he lived for decades before moving to Florida, Trump had many moments that evoked a more distant past. He suggested

women have accused him of wrongdoing because he is famous. He made a trio of references to how he was already famous in some circles in the 1970s, and talked about his work in the real estate and construction worlds in the 1980s — before millions of today's voters were born. At one point, he referenced the New York Post's famous "Page Six" gossip section, whose writers have spent decades covering him, as being the internet of its day. Trump called Carroll's case against him "Monica Lewinsky Part II," referencing the then-White House intern who had a sexual relationship with President Bill Clinton, and recalled an infamous dress that played a pivotal role in the late-1990s impeachment proceedings against Clinton. The former president also repeatedly implied he would not have assaulted two of his accusers due to their looks. He said of a woman who had accused him of sexual misconduct on a plane in the 1970s, "she would not have been the chosen one," and of Carroll, "I never touched her.

## Israeli strikes 'targeting Hamas militants' across Gaza kill 61 in 48 hours

**World** Israeli military strikes across the Palestinian Gaza Strip killed at least 61 people in the space of 48 hours, medics said on Saturday, as Israeli forces battled Hamas-led militants in the territory.

Eleven months into the war, numerous rounds of diplomacy have so far failed to clinch a ceasefire deal to end the conflict and bring the release of Israeli and foreign hostages held in Gaza. The Israeli military said the strikes targeted Hamas gunmen who were operating in the compound. Five more people were killed in a strike on a house in Gaza City, Palestinian medics said, with a total of 28 people killed on Saturday. The armed wings of the Hamas, Islamic Jihad and Fatah groups said they had fought Israeli troops across Gaza with anti-tank rockets and mortar bombs, and in some incidents detonated bombs to target tanks and other army vehicles.

The two warring sides continued to blame one another for the failure of mediators,

including Qatar, Egypt and the United States, to broker a ceasefire. The U.S. is preparing to present a new proposal, but the prospects of a breakthrough appear slim as gaps between the sides remain wide. CIA Director William Burns, the chief U.S. negotiator, told an event in London that a more detailed proposal would be made in the coming days.

Tens of thousands of Israelis joined protests in Tel Aviv and other cities, demanding Prime Minister Benjamin Netanyahu and his government make a deal under which the remaining 101 hostages would be released. The killing of six hostages last week triggered an outpouring of anger and grief that led to mass protests. The hostages had been shot in the head by Hamas, Israel said, not long before their bodies were found by troops in a Gaza tunnel last Saturday. They could have been saved," said Einav Zangauker, whose 24-year-old son Matan had been abducted by

militants from his home in Nir Oz kibbutz. "As long as Netanyahu is in power, we will keep getting the hostages back in body bags."

## POLIO VACCINATIONS CONTINUE

On Thursday, U.S. Secretary of State Antony Blinken said it was incumbent on both Israel and Hamas, which seized control of Gaza almost two decades ago and was responsible for the Oct. 7 killing spree in Israel that triggered the war, to make concessions to reach a deal. On Saturday, senior Hamas official Hossain Badran said the group had made no new demands and remained committed to a July 2 proposal put forward by the United States, accusing Netanyahu of attaching new conditions that would not end the war. Netanyahu says it was Hamas that introduced unacceptable conditions. Despite the deadlock, the United Nations, in collaboration with local health authorities.

## US believes Iran has transferred short-range ballistic missiles to Russia

**WASHINGTON.** The United States has informed allies that it believes Iran has transferred short-range ballistic missiles to Russia for its war in Ukraine, according to two people familiar with the matter. They did not offer any details about how many weapons have been delivered or when the transfers may have occurred, but they confirmed the US intelligence finding. They spoke on condition of anonymity to discuss a matter that has not been publicly disclosed. The White House declined to confirm the weapons transfer but reiterated its concern that Iran is deepening its support of Russia. The White House has been warning Iran for months not to transfer ballistic missiles to Russia. "Any transfer of Iranian ballistic missiles to Russia would represent a dramatic escalation in Iran's support for

Russia's war of aggression against Ukraine and lead to the killing of more Ukrainian civilians," National Security Council spokesman Sean Savett said in a statement. "This partnership threatens European security and illustrates how Iran's destabilizing influence reaches beyond the Middle East and around the world." The US finding comes as the Kremlin tries to repel Ukraine's surprise offensive that has led to the seizure of about 500 square miles (1,300 kilometers) of Russia's Kursk region. Meanwhile, Ukraine's president, Volodymyr Zelenskyy, is pressing allies to allow his country to use Western-supplied missiles to strike deep inside Russia and hit sites from which Moscow launches aerial attacks. Iran, as it has with previous US intelligence findings, denied providing Russia with weapons

for its war in Ukraine. "Iran considers the provision of military assistance to the parties engaged in the conflict - which leads to increased human casualties, destruction of infrastructure, and a distancing from ceasefire negotiations - to be inhumane," according to a statement from Iran's mission to the United Nations. "Thus, not only does Iran abstain from engaging in such actions itself, but it also calls upon other countries to cease the supply of weapons to the sides involved in the conflict." CIA Director William Burns, who was in London on Saturday for a joint appearance with his British intelligence counterpart, warned of the growing and "troubling" defense relationship involving Russia, China, Iran and North Korea that he said threatens both Ukraine and Western allies in the Middle East.

## Pak man arrested in Canada for plotting terror attack on Jews in New York

**The 20-year-old Pakistani citizen, Khan aka Shahzeb Jadoon, planned a terrorist attack in New York City (NYC) around October 7, according to officials.**

**New York.** A 20-year-old Pakistani citizen, residing in Canada, has been arrested and charged by the US for planning a terror attack targeting Jews in New York City around the October 7 anniversary of Hamas' attack on Israel. Khan, or Shahzeb Jadoon, planned a terrorist attack in New York City (NYC) around October 7 with the "goal of slaughtering, in the name of the Islamic State of Iraq and al-Sham (ISIS), as many Jewish people as possible," Attorney General Merrick Garland said in a statement on Friday. Identified as an ISIS supporter,

Muhammad Shahzeb Khan was arrested on Wednesday in Ormstown town, about 60 km south of Montreal in Canada, and approximately 20 km from the US-Canada border. He also faces three charges in Canada. He was arrested in connection with a complaint filed in the Southern District of New York for attempting to provide material support and resources to ISIS.

If convicted, Khan faces a maximum sentence of 20 years in prison.

Hamas militants based in the Gaza Strip launched an unprecedented attack on Israel by land, air and sea on October 7, 2023. As per Khan's preparation in connection with the planned attack, Khan attempted to reach the US-Canada border. He used three separate cars to travel across Canada towards the US before being stopped near Ormstown. Thanks to the investigative work of the American agency, "and the quick action of our Canadian law enforcement partners, the defendant was taken into custody", said Canadian Broadcasting Corporation (CBC News) and added that Khan now faces three charges in Canada. The charges are, 'Attempting to



leave Canada to commit an offence for a terrorist group', 'Participating in the activities of a terrorist group', and 'Conspiracy to commit an offence by violating US immigration law - entering or attempting to enter the US unlawfully', it added. According to the complaint filed in New York, Khan attempted to travel from Canada to New York City, where he intended to use automatic and semi-automatic weapons to carry out a mass shooting in support of the IS at a Jewish centre in Brooklyn, New York. Khan began posting on social media and communicating with others on an encrypted messaging application about his support for the IS in or

about November last year when, among other things, Khan distributed IS propaganda videos and literature. "If we succeed with our plan, this would be the largest attack on US soil since 9/11," he said in one of the messages. Khan began communicating with two undercover law enforcement officers, the statement said, adding, during those conversations, Khan confirmed that he and a US-based IS supporter, identified only as Associate-1 in the complaint, had been planning to carry out an attack in a particular US city, identified as 'City-1.' Among other things, Khan said that he had been actively attempting to create "a real offline cell" of IS supporters to carry out a "coordinated assault" in the city using AR-style rifles to "target Israeli Jewish Chabad... scattered all around" (the city). During subsequent conversations, Khan repeatedly instructed the undercover officers to obtain AR-style assault rifles, ammunition, and other materials to carry out the attacks and identified the specific locations in the city where the attacks would take place, the complaint said.

## No plan to change Bangladesh's national anthem, says Muhammad Yunus's advisor

**Dismissing recent calls to change the national anthem of Bangladesh, the country's Religious Affairs Advisor AFM Khalid Hossain, said the government will not do anything to create controversy.**

**Dhaka, UPDATED** There is no plan to change the national anthem of Bangladesh, the country's Religious Affairs Advisor AFM Khalid Hossain said on Saturday. "The interim government will not do anything to create controversy," Hossain told the media after visiting the Islamic Foundation in Rajshahi and attending a gathering of dignitaries.

This comes after Abdullahil Amaan Azmi, the son of former Ameer of Bangladesh Jamaat-e-Islami Ghulam Azam, earlier this week

called for a change in the country's national anthem and Constitution. He said: "I leave the matter of the national anthem to this government. The current national anthem we have is contrary to the existence of our independent Bangladesh. It reflects the time of the Bengal partition and the merging of the two Bengals. How can an anthem created to unite the two Bengals become the national anthem of an independent Bangladesh? This anthem was imposed on us by India in 1971. Many songs could serve as a national anthem. The government should form a new commission to select a new national anthem." Hossain said Bangladesh, as a neighbouring country, wants a friendly relationship with India. "We have heard reports of attacks on our cricket team in India.



Since the Bangladesh Cricket Board (BCB) is in charge, they will decide on the necessary course of action," Dhaka Tribune quoted the advisor as saying. Terming attacks on mosques, temples, and shrines as

"heinous", Hossain said: "Those who attack places of worship are enemies of humanity. They are criminals, and they will be prosecuted under existing laws." Hossain further said local citizens as well as madrasa students will guard temples during the Durga Puja to prevent any attack or sabotage. "Madrasa students were never involved in terrorism. That was propaganda and conspiracy by the previous government." The advisor said that after the change in government, there had been attacks on the houses of some members of the Hindu community just as Muslim houses were attacked and this should not be viewed differently.

## NEWS BOX

## Paralympics, Day 11: India's schedule and closing ceremony full details

**New Delhi.** As the Paris Paralympics moves into its final day of action on September 8, the world prepares to bid farewell to 11 days of inspiring athleticism and triumph. Following the conclusion of the Paris Olympics on August 11, the end of the Paralympics marks the closing chapter of the Paris Summer Games. The 2024 Paralympics have been a remarkable showcase of resilience, determination, and the indomitable spirit of athletes who have overcome physical challenges to compete at the highest level. This edition has seen the breaking of numerous records, highlighting the extraordinary dedication of these competitors. For India, the Paris Paralympics 2024 will be remembered as a historic milestone, as the nation achieved its best-ever medal tally. The Indian contingent secured an impressive 29 medals, including seven gold, nine silver, and 13 bronze. Among the standout performers were archer Sheetal Devi, javelin thrower Sumit Antil, and shooter Avani Lekhara, whose exceptional achievements brought pride to



the nation and highlighted the growing strength of Indian para-athletics on the global stage.

## India's Paralympics Day 11: Full schedule

India will only have one single participant featuring in the final day of the Paralympics in Pooja Ojha, who will be competing in the Women's Kayak Single 200M - KL1 semifinals. 1:30 PM - Para Canoe - Women's Kayak Single 200M - KL1 Semifinals - Pooja Ojha. 2:55 PM - Para Canoe - Women's Kayak Single 200M - KL1 Final A (IF QUALIFIED) - Pooja Ojha. As the final day unfolds, attention will turn to the closing ceremony, which promises to be a fitting conclusion to this momentous event. The ceremony will feature a vibrant mix of performances, including jazz music, thematic dances, and speeches by dignitaries, celebrating the achievements of all the para-athletes who have left their mark on the Paris 2024 Paralympics.

## Sabalenka wants to 'put family's name in tennis history' after US Open triumph

US Open 2024 winner Aryna Sabalenka dedicated her title triumph to her family, who never gave up on her. Sabalenka won her maiden US Open title as she beat USA's Jessica Pegula 7-5, 7-5 in a thrilling final at the Arthur Ashe Stadium. The three-time Grand Slam champion continued her dominance at the hard court, where she lost just one out of last 28 matches. She overcame the heartbreak from last year's US Open final loss to USA's Coco Gauff and emerged victorious this time. Sabalenka admitted that a lot has been happening in her personal life, as she lost her father Sergiy 5 years ago from meningitis at just 43, and her former boyfriend this March. The Belarusian said that her aim was to put her family's name in tennis history. She took pride in herself and was grateful to her family for not giving up on her tennis dream.

## Sabalenka wins US Open 2024

After I lost my father, it has always been my goal to put our family name in the history of



tennis," the 26-year-old said.

"Every time I see my name on that trophy, I'm so proud of myself, I'm proud of my family that they never gave up on my dream and that they were doing everything they could to keep me going. I had this opportunity in life so it really means a lot. It has always been my dream." "Every time I stop my arms and the ball flies in the stands, so a long time ago I decided for myself in those important moments I just have to go for it, I have to swing." Sabalenka took over her familiar weapons of super-charged serves and brutal groundstrokes to defeat the sixth-ranked Jessica Pegula. Sabalenka finished her Grand Slam season this year at 18-1. Her only defeat came against teenager Mirra Andreeva in the French Open. She missed the Wimbledon and Paris Olympics. After successfully defending her Australian Open title earlier this year, she also lifted the US Open at Flushing Meadows.

## Rebecca Cheptegei's death exposes a tragic pattern in Kenyan athletics community

**Marathoner Rebecca Cheptegei, who competed in the Paris Olympics last month, was tragically set on fire by her boyfriend this week, according to police. This incident marks the fourth horrific killing of an Olympian in Kenya in the past three years. The rising statistics on domestic violence in Kenya underscore a troubling trend, with these tragedies bringing renewed global attention to the issue.**

**New Delhi.** The death of Ugandan Olympian Rebecca Cheptegei in Kenya has brought back painful memories for the athletics community. Cheptegei was set on fire by her boyfriend, marking the fourth female athlete in Kenya to lose her life to domestic violence in the past three years. Her loss is felt far beyond the track. Cheptegei, a 33-year-old Ugandan runner, died on Thursday in Eldoret, Kenya, after suffering burns to 80

percent of her body. Police reports indicate that her boyfriend doused her in petrol and set her alight during an argument. Despite efforts to save her, Cheptegei succumbed to her injuries after four days in the hospital. Her boyfriend, who was also injured in the attack, remains under treatment, but no formal charges have been filed against him yet. Just a month before her death, Cheptegei had competed in the women's marathon at the Paris Olympics, finishing in 44th place. She had recently built a home in Kenya's high-altitude training region, an area known for producing world-class distance runners. It was here, in this renowned athletic hub, that her life came to a sudden end.

## FOUR FEMALE ATHLETES MURDERED SO FAR

The story of Cheptegei's death closely mirrors the 2021 murder of Kenyan runner Agnes Tirop, one of the brightest stars in Kenya's track and field community, who was also killed in a domestic dispute. Tirop, just 25 at the time, was found stabbed to death in her home in Iten, a hub for elite runners near Eldoret. Her husband, who fled after the attack, was later arrested and charged with her murder. Tirop had recently returned from



competing at the Tokyo Olympics and had set a world record in the 10-kilometer road race just a month before her death. Her killing sent shockwaves through the athletics world and sparked widespread outrage, particularly among Kenyan athletes and the public. It also highlighted the ongoing issue of gender-based violence within the running community, an aspect often overlooked despite the pressures female athletes face. The tragedy did not stop with Tirop. Just days later, Edith Muthoni, a 200-metre and 400-metre specialist, was also murdered by her husband in a domestic dispute in Kerugoya. Violence continued to affect the athletic world. Six months later, a decomposed body of Damaris Muthee

Mutua, an Ethiopian-born runner who had switched allegiance to Bahrain, was discovered in a rental house in Iten. Her boyfriend was identified as the prime suspect, with post-mortem results indicating strangulation. After Tirop's death, athletes across Kenya, both male and female, spoke out against domestic violence. Many shared their own stories of abuse, breaking the silence on an issue long shrouded in stigma. Former African steeplechase champion Ruth Bosibori and marathon runner Joan Chelimo both revealed their experiences with violent partners, voicing their fears for their lives. Their testimonies underscored the depth of the problem and the urgent need for change.

## CRIME AGAINST WOMEN IN KENYA

Statistics on domestic violence in Kenya paint a grim picture. In 2022, 725 women were killed in gender-related violence, the highest number recorded since 2015, according to the United Nations Office on Drugs and Crime. Femicide Count Kenya, which tracks media-reported cases, reported that 152 women were killed in 2023, though advocates believe the actual number is likely much higher.

## Sabalenka reveals 'Tiger-head' bet with fitness coach on US Open

**Aryna Sabalenka's fitness coach Jason Stacy sported a tiger tattoo on his head which was part of a hilarious bet between the two, just before Sabalenka clinched her first US Open title by defeating Jessica Pegula in a thrilling final.**

**New York.** Aryna Sabalenka shared a hilarious story behind her fitness coach Jason Stacy's new tiger tattoo, which he got inked on his head as part of a bet with the tennis star. Fans were buzzing with excitement ahead of Sabalenka's high-stakes US Open final against Jessica Pegula on September 8, as Stacy proudly sported the giant head tattoo in homage to Sabalenka's



own nickname: Tiger. In a post-match interview after clinching her first US Open title, Sabalenka revealed the origins of this quirky bet. Stacy had promised Sabalenka that if she reached the US Open final, he would get the tattoo. When Sabalenka defeated Emma Navarro in the semi-final, Stacy made good on his word, appearing at the Arthur Ashe Stadium with the freshly inked tiger design on his head.

"Jason promised me if I make it to the finals,

he's gonna put it on his forehead. I wish it was a little bit lower. It would be cooler, right?" Sabalenka said. Sabalenka went on to win the US Open 2024 women's singles title, defeating Jessica Pegula in straight sets. The Belarusian needed just an hour and 53 minutes to secure the victory with a 7-5, 7-5 win on Saturday, September 7, at the iconic Arthur Ashe Stadium. Pegula, playing in her maiden Grand Slam final, put up a strong fight, pushing Sabalenka in both sets. However, Sabalenka's relentless power and precision saw her through, earning her the coveted US Open trophy.

This victory marked Sabalenka's third major title, adding to her back-to-back Australian Open wins. The light-hearted bet with her coach provided a fun and memorable moment in what was already a historic tournament for Sabalenka.

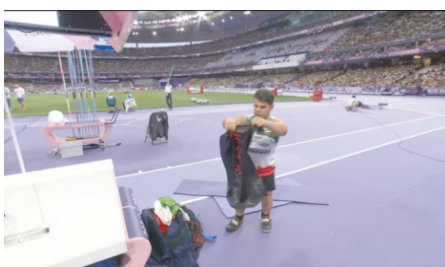
## Explained: Why Iran's Sadegh was disqualified from Paralympics javelin final

**Iran's Beit Sadegh won gold in Men's Javelin Throw F41 at the Paris Paralympics, only to be shockingly disqualified for a code violation, turning India's Navdeep Singh's silver into an unexpected gold.**

**New Delhi.** The athletics fraternity was left in shock when Iran's Beit Sadegh, who initially won the gold medal in the Men's Javelin Throw F41 at the Paris Paralympics, was stripped of his title due to disqualification. Sadegh's record-breaking effort of 47.64 meters, which seemed to have secured him the top spot, was nullified by the Paralympics regulatory committee on the grounds of a violation of the code of conduct.

This unexpected turn of events marked a significant shift in fortunes for India's Navdeep Singh, who had finished with a

silver medal. With Sadegh's disqualification, Navdeep's best attempt of 47.32 meters was upgraded to gold, a surprising yet celebrated victory for the Indian contingent.



## What happened to Sadegh?

Sadegh appeared to have clinched the gold with his impressive fifth attempt of 47.64 meters, outdoing all other competitors. Navdeep Singh, whose best throw was 47.32 meters, was expected to settle for silver. Sadegh and his team were already preparing to celebrate his triumph, with his family cheering from the stands. However, the celebrations were abruptly halted when Sadegh and his team were informed of his

disqualification. The decision was made under rule 8.1 of the World Para Athletics Rules and Regulations, which pertains to the Code of Conduct and Ethics. World Para Athletics (WPA) is committed to maintaining the highest standards of integrity, ethics, and conduct in the sport of Para athletics. All participants in the sport, including athletes, coaches, officials, and administrators, have a responsibility to uphold these standards and ensure that the sport is conducted in a fair, honest, and transparent manner," WPA's statement read.

What was the reason for Sadegh's disqualification? The exact reason for Sadegh's disqualification has not been officially disclosed by the Paris Paralympics committee. However, speculation suggests that it may have been related to Sadegh flaunting a cryptic flag after his victory. The flag in all black, had Arabic texts written on it in red, which has now become a talking point amongst fans on social media. The situation remains a subject of intense discussion within the athletics community, as the reason behind the decision continues to be a mystery.



## cheering.

## India A vs India B

In the first innings, Avesh managed to pick up two wickets in the first innings and conceded 59 runs as India B scored 321 runs. On day three, India A could add only 231 runs more and conceded a 90-run lead to India B. India B was well in control, taking advantage of their lead with Rishabh Pant scoring 47-ball 61 and Sarfaraz Khan's quickfire 46 from 36 balls. Avesh managed to pick another wicket in 3rd innings as he dismissed Sarfaraz. Avesh Khan's last appearance for India was against Zimbabwe in Harare on July 10, 2024. He could be well in line to be picked in India's Test squad for the upcoming two-match Test series against Bangladesh, starting September 19. There were reports that Jasprit Bumrah could be further rested for the Bangladesh Tests and might be back for the New Zealand series.

## Moeen Ali retires from international cricket after Australia series snub

**England all-rounder Moeen Ali announced his retirement from international cricket at the age of 37. He would continue playing franchise cricket and might consider taking a coaching role later on.**

**New Delhi.** England's star all-rounder Moeen Ali announced his decision came after he was snubbed from England's white-ball squad for the upcoming series against Australia. His last appearance for England was in the semi-final against India in the ICC Men's T20 World Cup on June 27 in Guyana. Moeen, 37, realised that it was the right time for him to call it a time on his international career and let the youngsters take over the reins of England cricket. "I'm 37 years old and didn't get picked for this month's Australia

series," Moeen said in a Daily Mail interview. "I've played a lot of cricket for England. It's time for the next generation, which was also explained to me. It felt the time was right. I've done my part, Moeen added, who made his international debut for England in 2014.

## Moeen Ali's celebrated career

Moeen was a regular of the England side with contributions across all the formats. He played 68 Tests, 138 ODIs and 92 T20I for the country. He finished off his international career on a high with 6678 runs, eight hundreds, 28 fifties and 366 wickets across all the three formats for England. "I'm very proud. When you first play for England, you don't know how many games you're going to play. So to play nearly 300 is my first few years were all about Test cricket. Once Morgs [Eoin Morgan] took over the one-day stuff, that was more fun. But Test cricket was the proper cricket. Moeen made his debut for his nation 10 years ago in Lord's



Test match, when Sri Lanka visited England later that year.

## "Team needs to evolve"

"Even now, I've tried to be realistic. I could hold on and try to play for England again, but I know in reality I won't. Even retiring, I don't feel it's because I'm not good enough -- I still feel I can play. But I get how things are, and

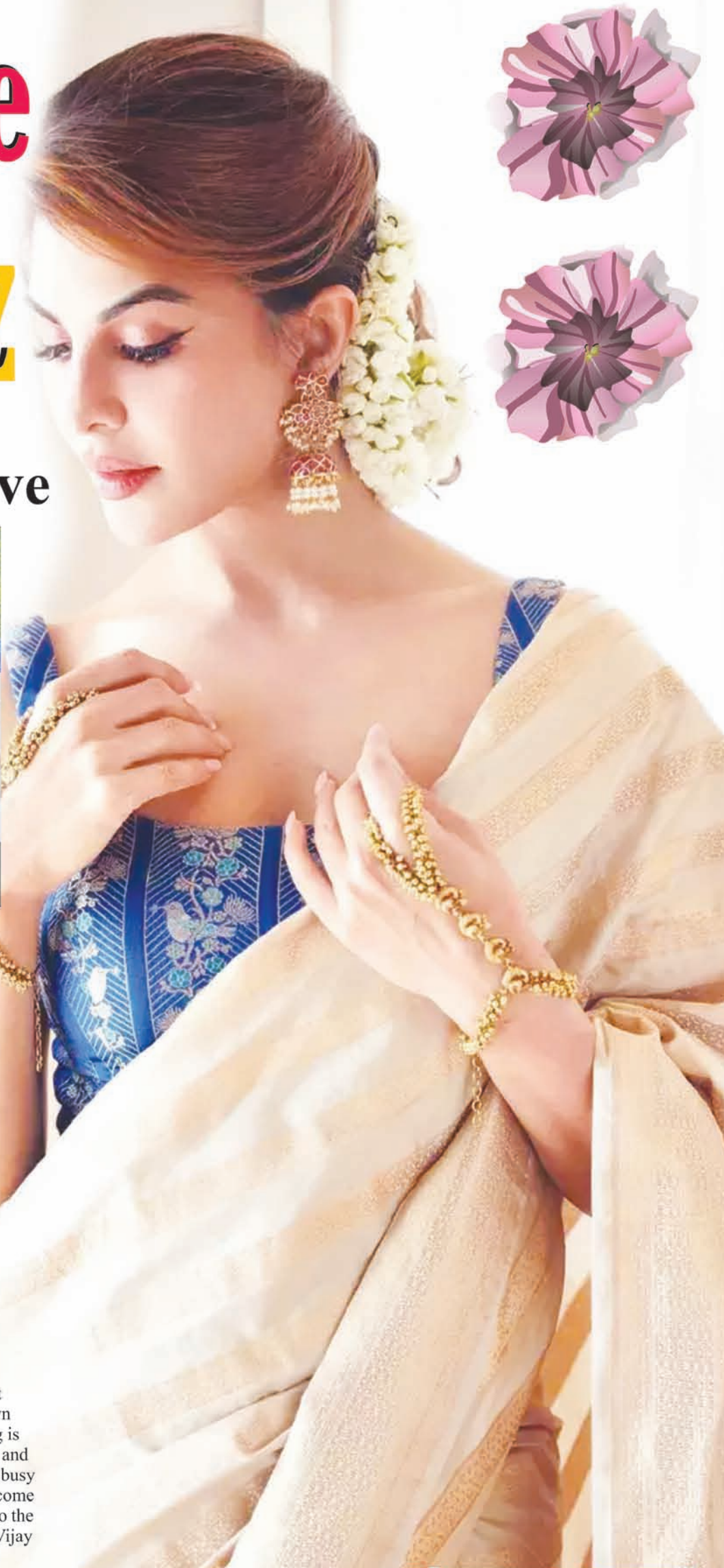
the team needs to evolve into another cycle. It's about being real to myself. People forget the impact you make in games. It might only have been 20 or 30, but it was a crucial 20 or 30. For me, it was about making an impact. I know what I brought to the side, on and off the field. As long as I felt people enjoyed watching me play, whether or not I did well, I was happy with that." Moeen also said that he will continue playing franchise cricket, and could himself getting involved in coaching in later years of his career. Moeen is currently taking part in in CPL 2024 with the defending champions, Guyana Amazon Warriors. "A bit of franchise cricket, because I still love playing. But coaching is something I want to do -- I want to be one of the best. I can learn a lot from Baz [Brendon McCullum]. I hope people remember me as a free spirit. I played some nice shots and some bad shots, but hopefully people enjoyed watching me."

# Jacqueline Fernandez

## Pens A Short Message On Self Love



Jacqueline Fernandez is a well-known name in Bollywood, who has etched herself as a successful actress despite having foreign roots. The actress' latest social media entry has been a topic of a lot of attention among the fans, as she is seen penning words in perfect Hindi. Jacqueline took to Instagram to share a short yet wholesome clip, capturing herself writing a powerful thought about herself. It starts with the actress resting in a scenic garden, with a diary and a pen in her hand, scribbling something on the paper as she smiles to herself. The scene then changes to show her diary, and what is being written on it by Jacqueline. The lines read, "Storm Rider" as the title, under which Jacqueline has written in perfect Hindi, "Main kaafi, main kaafi hun mere liye, (I am enough, I am enough for myself)." She has opted to wear a colourful floral shirt, which is paired with striking blue jeans. While for her updo, Jacqueline has styled her hair in double braids, resting on each of her shoulders. The clip is shared with the caption, "my path, my pace, main kaafi hun mere liye." Fans react to the post, expressing excitement and appreciation towards her words. The first user opined, "Jackie can start a Hindi class for us." A second fan stated, "Inspiring from simple things which has deep meanings." While a third user wrote, "Love that mindset! It's inspiring to see someone so confident in their own journey." A fourth fan shared, "Omg your Hindi & Hindi handwriting is just too cute & nice." The clip has amassed over 2.1 million views and more than 144,000 likes on the platform so far. Jacqueline Fernandez is busy with the shoot of her upcoming projects, which include Fateh and Welcome To The Jungle. The former is being directed by Sonu Sood, who is also the lead of the project. The cast also includes Jacqueline Fernandez, Vijay Raaz and Naseeruddin Shah.



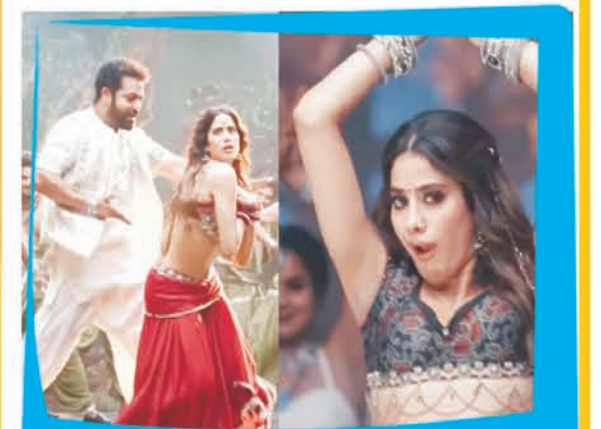
## Nawazuddin Siddiqui Puts 'Hardcore Pressure' On Daughter To Develop Good Taste in Acting: 'I Have Been Pushing...'



Nawazuddin Siddiqui recently shared insights into his role as a father and how he encourages his children, Yaani and Shora Siddiqui, to strive for excellence and appreciate the value of art. His daughter, Shora, who is training to become an actor, is currently attending acting school in London, where she's already participating in Shakespeare workshops at just 14 years old. In a conversation with ANI, Nawazuddin emphasized the importance of cultivating a taste for art. "Art is not a regular thing, you have to develop a taste for it," he said, adding that he actively pushes his children to engage with meaningful content rather than getting lost in what he calls "meaningless content" available online. He shared that he applies pressure on his children to choose wisely what they consume, guiding them toward more enriching experiences, "I have been pushing my kids to appreciate and learn about art. My daughter is 14 years old and she is already doing Shakespeare workshops, in London. From a very early age, I used to put hardcore pressure on them to decide what they wanted to see, otherwise, they'd get lost because there was so much meaningless content everywhere so you'd have to be selective about what you want to watch and not watch," he added.

Nawazuddin also highlighted the need for young people to read more and turn to the works of literary giants like Manto, Premchand, and Bharat Muni's "Natyashastra", expressing concern about the negative impact of constant online doomscrolling. He believes that nurturing a love for literature, poetry, and the arts is crucial in today's fast-paced digital world. Touching on the broader societal issue, the 'Sacred Games' actor noted that the current ecosystem of how children are raised needs a shift, saying, "The whole ecosystem is to be blamed. Entire fabric will have to be changed." On the professional front, Nawazuddin was last seen in Zee5's 'Rautu Ka Raaz' and has exciting projects lined up, including 'Section 108' and 'Noorani Chehra'.

## Jr NTR, Janhvi Kapoor's Devara-Part 1 Achieves This New Milestone Ahead Of Its Release



The excitement surrounding Devara: Part 1 has reached a fever pitch. Directed by Kortal Siva, the pan-Indian action drama is headlined by Jr NTR and Janhvi Kapoor. Ahead of its release on September 27, the film has already achieved a new milestone. Devara: Part 1 has become the fastest Indian film to sell 15,000 tickets in the USA. That too, just days after the launch of pre-sale tickets. The makers shared the happy news by dropping Devara's poster, featuring Jr NTR and Janhvi Kapoor, on Instagram. The side note read, "Fastest 15K+ Tickets sold for any Indian film in the USA." In addition to Jr NTR and Janhvi Kapoor, Devara: Part 1 boasts a stellar cast including Saif Ali Khan, Prakash Raj and Shruthi Marathe. Reports suggest that the film's runtime might stretch to around 3 hours and 10 minutes, though an official confirmation from the makers is still pending. Recently, excitement further intensified with the release of the film's third song, Daavudi, which features both Janhvi Kapoor and Jr NTR. Sharing a teaser on Instagram, Janhvi Kapoor captioned it, "Here's the #Daavudi Video Song to keep you on track for the Blast on the Big Screens." Earlier, the makers of Devara: Part 1 released the tracks Fear Song and Chuttamalle, both of which were met with enthusiastic responses from fans. On Saif Ali Khan's birthday, they also unveiled a sneak peek of his character, Bhaira. The teaser showcases a gripping fight sequence, with Saif Ali Khan looking intense and sharp as he runs through a jungle.

Looking ahead, Jr NTR is set to collaborate with director Prashanth Neel on his upcoming project tentatively titled NTR 31. Additionally, he will star in Ayan Mukerji's much-anticipated film War 2, alongside Hrithik Roshan and Kiara Advani.

Janhvi, on the other hand, will also be seen in the romantic drama film Sunny Sanskari Ki Tulsii Kumari opposite Varun Dhawan. Backed by Karan Johar, the film is directed by Shashank Khaitan.



## Own The Day Like Malaika Arora In Her Latest Instagram Post

'I'm just gonna take a nap' to 'I own this day'. Malaika Arora's latest Instagram post shows her impressive transition from a comfy look to a glam one. She is seen hopping to a trend depicting an instant shift from a comfy avatar to a glam look. The clip shows Malaika sporting an uber-cool look in an oversized graphic-printed sweatshirt before transforming into a stunning diva. She looks smoking hot in a dark green floor-length gown with a touch of bling. She wrote, "Watch me go from 'I'm just gonna take a nap' to 'I own this day' all before starting my day." Wait. Did you notice that she swapped her black pumps with the silver stilettos at the end? Highlighting the twist, she added, "Yeah yeah swapped my footwear."

Malaika never fails to impress one with her sartorial choices. A few days back, she was wearing a fitted, cropped black top paired with wide-legged, light blue jeans for her café visit in Mumbai's Bandra West. The belt she wore to elevate her look cinched her waist and perfected her look. Malaika has lately been in the news for her personal life. Her reported breakup with Arjun Kapoor caught everyone's attention as they ignored each other at a fashion event organised a few weeks back.



Amid the speculations, the actress also reflected on how the internet can be a toxic space. In a conversation with Hello magazine, she said, "I have somehow built a mechanism — or shield, I would say — around me where I don't let the negativity through anymore." Meanwhile, Malaika also sparked dating rumours when she was holidaying in Spain in July. In a picture added to Instagram stories, she offered a glimpse of the beach view and a man whose face was blurred. It led people to believe that the actress was dating again.